दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : मंगलवार, 25 अगस्त, 2026 | वर्ष -01 | अंक-187 | पृष्ठ-15 | मूल्य : 01 रु. | ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

मेंस हॉकी वर्ल्ड कप

अर्जेंटीना के हाथों भारत की 3-5 से हार सेमीफाइनल से बाहर

एम्स्टेलवीन (एजेंसी)। एफआईएच मेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में सोमवार को भारतीय टीम का खिताबी सपना चकनाचूर हो गया। भारत को नीदरलैंड के एम्स्टेलवीन में वैगनर हॉकी स्टेडियम में 'पूल-ई' के मुकाबले में पूर्व ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अर्जेंटीना के हाथों 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के खिलाफ, भारत को 'फाइनल थर्ड' (मैदान के आखिरी हिस्से) में बेहतर मूवमेंट, गोल के सामने अधिक सटीकता और मिले मौकों को भुनाने के लिए अधिक आक्रामक रवैये की जरूरत थी। चुनौती बहुत बड़ी थी, लेकिन वर्ल्ड कप में अपनी उम्मीदें बनाए रखने के लिए भारत के पास अपनी पूरी ताकत झोंकने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, लेकिन वे अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ मिले मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहे।

BPSC टीआरई-4 परीक्षा : अब पीटी व मेंस दोनों होंगे ऑब्जेक्टिव

छात्रों ने परीक्षा के दो चरण और नकारात्मक अंक का किया विरोध

पटना (एनएसबी)। बिहार लोक सेवा आयोग ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर टीआरई-4 परीक्षा के स्वरूप को लेकर स्थिति स्पष्ट की। आयोग के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण में प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा दोनों आयोजित की जाएगी। आयोग ने साफ किया कि परीक्षा में नकारात्मक अंक की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इधर, शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण को लेकर गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है।

परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहां शिक्षक भर्ती परीक्षा दो चरणों में कराई जा रही है। उनके अनुसार, कई राज्यों में शिक्षक नियुक्ति के लिए दो चरणों की परीक्षा की व्यवस्था पहले से लागू है। उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 2024 में परीक्षा को लेकर उठे विवादों के बाद राधाकृष्णन समिति का गठन किया गया था। समिति की ओर से परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कई सुझाव दिए गए थे, जिनमें दो चरणों की परीक्षा का सुझाव भी शामिल था। आयोग के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई की ओर से भी शिक्षक भर्ती परीक्षा में दो चरणों की व्यवस्था अपनाने की सलाह दी गई थी। इसी आधार पर टीआरई-4 में प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है। वहीं परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि आयोग की लगभग सभी परीक्षाओं में गलत उत्तर के लिए अंक काटने की व्यवस्था है और टीआरई-4 में भी इसे जारी रखा जाएगा। बता दें बीपीएससी की ओर से टीआरई-4 का विज्ञापन जारी किया जा चुका है। इसके तहत कुल 32,388 विद्यालय अध्यापकों की नियुक्ति की जानी है। प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक विभिन्न विषयों में रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

BPSC 71वीं रिजल्ट सितंबर में होगा जारी

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि 71वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम सितंबर में जारी होने की संभावना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 60 प्रतिशत से अधिक अंक देने पर परीक्षकों को रोकने जैसी कोई व्यवस्था आयोग में नहीं है।

बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक पर होगी कार्रवाई

पटना : बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह द्वारा प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विवादित बयान देने के मामले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तुरंत एक्शन लेते हुए कार्रवाई करने का आदेश दिया है' प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान परीक्षा नियंत्रक ने अभ्यर्थियों से जुड़े सवाल पर हाथी चले बाजार, कुत्ता भौंके हजार कहावत का इस्तेमाल किया था।

टीआरई-4 के तहत अब 33,274 शिक्षकों की होगी नियुक्ति

पटना (एनएसबी)। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि विद्यालय अध्यापक नियुक्ति परीक्षा (टीआरई-4) के तहत शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को 886 नई रिक्तियों की अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग को भेजी गई है। अब कुल 33,274 रिक्तियों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि सोमवार को भेजी गई 886 पूरक रिक्तियों में बांग्ला के 90, ललित कला के 21, नृत्य के 164, मैथिली के 193, अरबी के 20, फारसी के 36, विशेष विद्यालय अध्यापक के 88, पाली के 38, प्राकृत के 63, भोजपुरी के 69, मगही के 28 और कृषि के 76 पद शामिल हैं। इससे पहले 32,388 रिक्तियों की जो अधियाचना भेजी गई थी, उसमें कक्षा 1 से 5 के लिए 3,847, कक्षा 6 से 8 के लिए 8,563, कक्षा 9 से 10 के लिए 3,877 तथा कक्षा 11 से 12 के लिए 16,101 रिक्तियां शामिल थीं। तिवारी ने स्पष्ट किया कि अधियाचना भेजना शिक्षा विभाग का काम था और विभाग ने अपना काम पूरा कर दिया है। अब परीक्षा से परिणाम तक की प्रक्रिया को पूरा करना बीपीएससी का काम है। 1 सितंबर से 30 सितंबर तक अभ्यर्थियों से आवेदन लिए जाएंगे। उन्होंने बीपीएससी से पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा आयोजित करने का आग्रह किया।

शिक्षा मंत्री बोले- नई 886 रिक्तियों की अधियाचना बीपीएससी को भेजी गई

बिहार विद्या साथी ऐप से बच्चों की पढ़ाई होगी आसानः मुख्यमंत्री

पटना (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में 24/7, 1:1 इंटरैक्टिव प्लेटफार्म बिहार विद्या साथी का शुभारंभ किया। ऐप के शुभारंभ के अवसर पर सीएम ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। बिहार विद्या साथी के माध्यम से विद्यार्थी जब चाहें, जहां से चाहें, अपनी पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

सीएम ने कहा कि राज्य के 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों से शुरू हो रही इस पहल से लगभग 3 लाख विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए 24/7 लाइव शिक्षक उपलब्ध रहेंगे। विद्यार्थी अपनी आवश्यकता और पसंद के अनुसार शिक्षक का चयन कर उनसे वन-टू-वन संवाद के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि 75 हजार शिक्षक विद्यार्थियों को व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग प्रदान करेंगे। कक्षा 9वीं-10वीं के विद्यार्थियों के लिये सभी विषय तथा कक्षा 11वीं-12वीं के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को लाइव ट्यूटर सपोर्ट के साथ बिहार बोर्ड, जेईई एवं नीट की तैयारी के लिए डिजिटल अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। सीएम ने कहा कि आधुनिक एआई टूल्स के माध्यम से विद्यार्थियों की कॉन्सेप्ट लर्निंग को और बेहतर बनाया जाएगा तथा उन्हें असीमित अध्ययन एवं अभ्यास की सुविधा मिलेगी। 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों से शुरू की जा रही यह व्यवस्था आगे राज्य के अन्य विद्यालयों तक भी विस्तारित की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान बिहार विद्या साथी ऐप पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर की छात्राएं जाहन्वी एवं जिया ने इस ऐप के प्रयोग का डेमो दिखाया और इससे हो रही सुविधाओं एवं लाभ के बारे में जानकारी दी। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी व बिजेन्द्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. त्यागराजन एसएम सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे जबकि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के डीएम एवं छात्र जुड़े हुए थे।

छात्रों के लिये 24 घंटे शिक्षक ऑनलाइन होंगे उपलब्ध

मुख्य बिन्दु

1. कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को अपने पसंद के शिक्षक से पढ़ने की सुविधा
2. 700 मॉडल विद्यालयों के करीब 3 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ
3. एआई आधारित डिजिटल अध्ययन सामग्री की सुविधा

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का ही मिलेगा लोन

पटना (एनएसबी)। बिहार में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड से 4 लाख का लोन ही मिलेगा। सीएम सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट लिखा है कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन में किसी भी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए। उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रूपए तक का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिल रहा है और यह सुविधा आगे भी पूर्ववत ही जारी रहेगी। बिहार सरकार युवाओं की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा के रास्ते में आर्थिक संसाधन को कभी भी बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। इस ऐलान के बीच सीएम सम्राट चौधरी ने सोमवार को राज्यपाल से मुलाकात की। 4 दिन के अंदर मुख्यमंत्री की राज्यपाल से दूसरी मुलाकात है।बता दें नीतीश कुमार की 7 निश्चय योजना के तहत शुरू हुए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में बीते दिन सम्राट सरकार ने बदलाव किया था। इसमें बताया गया था कि छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख की जगह 2 लाख ही मिलेंगे। सरकार के फैसले पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाए थे।

सीएम ने ट्वीट कर दी जानकारी, राज्यपाल से मिले

संक्षिप्त खबरें

रूसी राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में भारत आ सकते हैं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सागर ब्यूरो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल हो सकते हैं। मॉस्को में सोमवार को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के दौरान पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जल्द मुलाकात की उम्मीद जताई।दोनों नेताओं ने भारत-रूस के रिश्तों और आपसी सहयोग को लेकर भी चर्चा की। जयशंकर रविवार को मॉस्को पहुंचे थे। वह रूस के अपने दो दिन के दौरे पर हैं।

महाराष्ट्र में सरकारी अस्पताल में लगी आग 3 बच्चों की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई। 36 को बचाया गया। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन छह बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

राहुल गांधी की CM फडणवीस से अपील आदिवासी छात्रों से मिलें

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार रात महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक लेटर लिखा। जिसमें उन्होंने राज्य के आदिवासी छात्रों की समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की। राहुल ने बताया कि ये छात्र सरकारी हॉस्टल में रहने की एज लिमिट और अपमानजनक नियमों के खिलाफ 10 दिन से ज्यादा समय से भूख हड़ताल कर रहे हैं। राहुल ने महाराष्ट्र उट से मांग करते हुए लिखा कि वे प्रदर्शन कर रहे आदिवासी छात्रों से पर्सनली जाकर मिलें और उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करें। उन्होंने सरकारी हॉस्टल में रहने के लिए 30 साल की उम्र सीमा जैसे कड़े नियमों में ढील देने की भी मांग की।

निगरानी विभाग ने ASI को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

पिता पर दर्ज केस हटाने के बदले मांगी थी रिश्वत

अररिया (एनएसबी)। प. चंपारण स्थित नरकटियागंज में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने शिकारपुर थाना में तैनात एएसआई उपेंद्र विद्यार्थी को चार हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। एएसआई पर विद्युत चोरी के मामले में मदद करने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है। निगरानी विभाग की कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक नरकटियागंज के हरदी टेढ़ा निवासी अमृत कुमार ने निगरानी विभाग में एएसआई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि विद्युत चोरी से जुड़ें मामले में मदद करने और केस खत्म कराने के नाम पर शिकारपुर थाना के एएसआई उपेंद्र विद्यार्थी द्वारा चार हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने पूरे मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की बात सही पाए जाने के बाद निगरानी विभाग ने आरोपी एएसआई को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया. इसके बाद सोमवार को शिकायतकर्ता अमृत कुमार ने निगरानी टीम को सूचना दी कि वह एएसआई को रिश्वत की रकम देने जा रहा है।

दिल्ली से पटना आ रही फ्लाइट से पक्षी टकराया

पटना (एनएसबी) पटना एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बर्ड हिट का मामला सामने आया है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट एआई 1741 सुबह 7:43 बजे सुरक्षित रूप से उतरी। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू कर दिया था और फायर व अन्य संबंधित सेवाओं को तैनात कर दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, अक 1741 के पायलट ने रनवे के पास पहुंचते समय विमान के दाहिने टरबाइन के पास पक्षी के टकराने की आशंका जताई थी। लैंडिंग के बाद की जांच में पक्षी के टकराने की पुष्टि हुई, लेकिन इंजन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जरूरी जांच-पड़ताल के बाद विमान को दिल्ली लौटने की मंजूरी मिल गई।

26 अक्टूबर से गया-बैंकॉक सीधी उड़ान शुरू होगी

गया/पटना। बिहार के बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने वाली महत्वपूर्ण हवाई सेवा 26 अक्टूबर से शुरू होने जा रही है। इंडिगो एयरलाइंस गयाजी एयरपोर्ट से बैंकाक के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी। एयरबस ए-320 से संचालित यह सेवा सप्ताह में दो दिन सोमवार और गुरुवार को उपलब्ध होगी। उड़ान संख्या 6ई 1083 और 6ई 1084 के लिए बुकिंग शुरू हो गई है।

अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पटना/रांची (एनएसबी)। सावन के चौथे और आखिरी सोमवार पर देशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। काशी विश्वनाथ, बाबा बैद्यनाथ, बिहार के मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ, महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर में रात से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थी। सभी पुरमुख शिवालयों में बड़ी संख्या में कांवड़िए भी भगवान शिव का जलाभिषेक करने पहुंचे। झारखंड के देवघर में कपाट सुबह 3:15 बजे खुले और पूजा के बाद 4:10 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हुए। यहां रविवार की देर रात से ही करीब 4 किमी लंबी कतार लग गई। काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट सुबह 4 बजे मंगला आरती के बाद खोले गए। यहां 6 द्वारों से श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया। देर शाम तक लगभग 2.5 लाख लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ स्थान में सावन महीने का चौथा और आखिरी सोमवारी पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

झारखंड के देवघर में 4 किमी लंबी कतार

मधेपुरा : सिंहेश्वरनाथ मंदिर में अफरातफरी पांच श्रद्धालु घायल

मधेपुरा। अपडेट सावन की चौथी सोमवारी पर सिंहेश्वर धाम में भगदड़ जैसी स्थिति हो गई, जिसमें पांच श्रद्धालु घायल हो गए। करीब 15 मिनट तक रही अफरातफरी की स्थिति के बीच सभी घायलों को जन नायक कपूर्री ठाकुर मेडिकल कॉलेज मधेपुरा में भर्ती कराया गया। ग्रिल से टकराकर गिरने में एक श्रद्धालु का सिर बुरी तरह फ्रैक्चर हो गया है, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

राज्य में पेपरलेस रजिस्ट्री अब और होगी आसान

पटना (एनएसबी)। राज्य में पेपरलेस निबंधन को सहज बनाने और निबंधन की गति को तेज करने में दस्तावेजनवीस (डीड राइटर या कातिब) सहयोग करेंगे। पेपरलेस निबंधन के गतिरोध को दूर करने के लिए सोमवार को मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी और दस्तावेजनवीस संघ के प्रतिनिधियों के बीच विकास भवन स्थित कार्यालय में बैठक हुई। इसमें सहमति बनी कि पेपरलेस निबंधन प्रणाली में सेवा प्रदाता को दस्तावेज निबंधन में डिजिटल हस्ताक्षर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सेवा प्रदाताओं को विभाग से जल्द ही यूजर आईडी उपलब्ध कराई जाएगी। सॉफ्टवेयर में एकपक्षीय निबंधन की व्यवस्था की जाएगी। सेवा प्रदाता दस्तावेजनवीसों को प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

डीड राइटरों का सर्विस चार्ज आधा ई-स्टाम्प के लिए खुलेंगे वॉलेट खाते

बाढ़ की स्थिति पर लगातार रखें नजर, राहत एवं बचाव कार्यों में लाएं तेजी : सम्राट चौधरी

सीएम ने पटना, बेगूसराय व भागलपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

पटना (एनएसबी)। सोमवार को सीएम सम्राट चौधरी ने गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विभिन्न प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने नवगछिया, राघोपुर दियारा, कोसी-गंगा संगम क्षेत्र, बेगूसराय एवं बख्तियारपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया।

हवाई सर्वेक्षण के दौरान गंगा नदी एवं इसकी सहायक नदियों के जलस्तर, दियारा एवं निचले इलाकों में उत्पन्न स्थिति तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे। प्रभावित लोगों तक भोजन, पेयजल, राहत सामग्री एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। हवाई सर्वेक्षण के बाद सीएम ने भागलपुर एयरपोर्ट पर उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर बाढ़ की स्थिति, जलस्तर, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासनिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों ने सीएम को बताया कि तेजी से पानी का दवाब कम हो रहा है। बहुत जल्द स्थिति में सुधार होगा। आपके द्वारा पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद फरक्का बराज के सभी गेट खोल दिये गये हैं। सीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखी जाएं तथा राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावितों को एसओपी के अनुसार पूरी सहायता उपलब्ध कराते रहें। हवाई सर्वेक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक, अभियान कुंदन कृष्णन, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधकारी मौजूद थे।

उच्च अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, फरक्का बराज के सभी गेट खुले

बिहार में बनेगी फिल्म सिटी, 54 फिल्मों की शूटिंग को मंजूरी

सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित ज्ञान भवन में आयोजित 'भोजपुरी बवाल' के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री व अन्य।

बिहार को फिल्म निर्माण का नया केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा ऐलान हुआ है। सरकार ने 54 फिल्मों की शूटिंग को मंजूरी दी है। फिल्म सिटी के लिए जगह चिन्हित करने की जिम्मेदारी कलाकारों से साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय भाषाओं और बिहार की सकारात्मक पहचान को फिल्मों के जरिए दुनिया तक पहुंचाने पर जोर दिया।

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बनाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि राज्य में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने भोजपुरी फिल्म जगत के कलाकारों से इसके लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने का आग्रह किया और कहा कि सरकार फिल्म निर्माण से जुड़े कलाकारों एवं निर्माताओं को हरसंभव सहयोग देगी।

सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित ज्ञान भवन में आयोजित 'भोजपुरी बवाल' के ग्रैंड फिनाले का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार बदल चुका है और फिल्म जगत से जुड़े लोगों का राज्य में स्वागत है। उन्होंने कहा कि बिहार की सभ्यता, संसति और समृद्ध विरासत को सकारात्मक रूप में देश-दुनिया के सामने लाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में 54 फिल्मों की शूटिंग के लिए सरकार ने सहमति दी है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी अक्टूबर से बिहार में फिल्म की शूटिंग करने की इच्छा जताई है। उन्होंने भोजपुरी के साथ अंगिका, मगही, बज्जिका और मैथिली भाषाओं में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन भाषाओं में फिल्म निर्माण और शूटिंग के लिए सरकार पूरा सहयोग करेगी। यह पहल केवल मनोरंजन उद्योग तक सीमित नहीं है। इससे बिहार की स्थानीय भाषाओं, कलाकारों, लेखकों, तकनीकी प्रतिभाओं और पर्यटन स्थलों को व्यापक मंच मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने भोजपुरी फिल्म जगत के कलाकारों से आग्रह किया कि वे मिलकर बिहार में फिल्म सिटी के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें। उन्होंने कहा कि फिल्म सिटी बनाई जाएगी, लेकिन अभी इसका स्थान तय नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि बिहार के बच्चों में अभिनेता, निर्देशक, लेखक, संगीतकार और फिल्म निर्माण के दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रतिभा और क्षमता है। सरकार उन्हें बेहतर अवसर और आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सम्राट चौधरी ने बिहार के ऐतिहासिक गौरव का उल्लेख करते हुए कहा कि करीब 2000 वर्ष पहले बिहार की धरती ने भारत को स्वर्णिम काल दिया। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों से पूरी दुनिया में ज्ञान की रोशनी पहुंची, जबकि पाटलिपुत्र भारत की सत्ता और संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा।

उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्ध सभ्यता, संस्कृति और विरासत को सकारात्मक रूप में दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। फिल्मों के माध्यम से राज्य की ऐसी तस्वीर पेश की जा सकती है, जो बिहार की वास्तविक ताकत और संभावनाओं को सामने लाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में ईको टूरिज्म और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम हो रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक स्थल और सांस्कृतिक विरासत बिहार की बड़ी ताकत हैं।

उन्होंने कहा कि अब कंप्यूटर से क्रिएटर और अडियंस से इन्वेस्टर की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। फिल्म उद्योग को पर्यटन, स्थानीय रोजगार, निवेश और रचनात्मक अर्थव्यवस्था से जोड़कर बिहार में नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

ज्ञान भवन में आयोजित ग्रैंड फिनाले में भोजपुरी मनोरंजन जगत के प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव फिनाले के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे।

खबरें खास-खास

बिहार राज्य कराटे चैंपियनशिप में 300 खिलाड़ियों ने लिया भाग

पटना (दैनिक नवसंदेश)। खेल भवन, बाजार समिति में बिहार राज्य कराटे चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। भर ले उड़ान के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में बिहार के 14 जिलों से करीब 300 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने काता और कुमिते सहित विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने मुकाबलों के दौरान अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बिहार के युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और राज्य स्तर पर उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना था।

कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रा तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया के सब एडिटर प्रेम कुमार सहित गोल्ड मैन ऑफ बिहार मधु मंजरी, राजद प्रतिनिधि और भाजपा नेता सौरभ भारती पासवान समेत कई गणमान्य लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन की सचिव सेंसेई स्वीटी पंडित और अध्यक्ष कोमल पांडेय ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों, रेफरी और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम रोशन करने की प्रेरणा मिलती है। प्रतियोगिता में आयुष, अनामिका, षांग, अमन, धृतिका और सानवी सोनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों एवं आयोजन समिति की ओर से सम्मानित किया गया। आयोजकों ने बताया कि बिहार के विभिन्न जिलों से करीब 300 खिलाड़ियों की भागीदारी प्रतियोगिता की सफलता को दर्शाती है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ उनके प्रशिक्षकों और अभिभावकों में भी काफी उत्साह देखने को मिला। बिहार राज्य कराटे चैंपियनशिप-2026 ने राज्य में कराटे खेल को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। आयोजकों ने भविष्य में भी इस तरह के बड़े खेल आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

तकनीक के साथ अडिट सिस्टम को भी आधुनिक बनाना जरूरी : मंत्री

सहकारी अडिट सेवा के पदाधिकारियों के लिए छह-दिवसीय क्षमता-निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना स्थित एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज में सोमवार को सहकारी ऑडिट (अंकेक्षण) सेवा के अधिकारियों के लिए छह-दिवसीय क्षमता-निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण के संबंध में सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने बताया कि सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने में गुणवत्तापूर्ण अडिट की महत्वपूर्ण भूमिका है। बदलते तकनीकी परिवेश में अंकेक्षण व्यवस्था को भी आधुनिक एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाना आवश्यक है। अंकेक्षकों के क्षमता-निर्माण के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिजिटल तकनीकों का प्रभावी उपयोग सहकारी क्षेत्र में सुशासन को और मजबूत करेगा।

क्षमता-निर्माण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ।

मौके पर सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि पदाधिकारियों के कार्य-कौशल एवं दक्षता में निरंतर वृद्धि के लिए विभाग द्वारा नियमित अंतराल पर क्षमता-निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सहकारिता क्षेत्र तेजी से विस्तार एवं परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में प्रौद्योगिकी-आधारित ऑनलाइन सिस्टम ऑडिट, आधुनिक अंकेक्षण पद्धतियों तथा समवर्ती अंकेक्षण को प्रभावी ढंग से अपनाया जाना आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ऑडिटरों के कार्य-कौशल, तकनीकी दक्षता एवं पेशेवर क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा उन्हें आधुनिक अंकेक्षण पद्धतियों एवं तकनीकी नवाचारों से परिचित कराना है। प्रशिक्षणार्थियों में कुल 25 जिला अंकेक्षण पदाधिकारी एवं 5 उप मुख्य अंकेक्षक शामिल हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों एवं उनके व्यावहारिक उपयोग से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया जा रहा है। सहकारी समितियों के लेखांकन में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करना अंकेक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अंकेक्षण का उद्देश्य केवल वित्तीय अभिलेखों की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं संस्थागत सुशासन को भी मजबूत किया जाना है। वहीं, इस अवसर पर निबंधक, सहयोग समितियां, रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि अंकेक्षक सहकारिता विभाग की आंख और कान हैं। सहकारी समितियों के कार्यों की वास्तविक स्थिति, वित्तीय प्रबंधन एवं कार्यप्रणाली की जानकारी विभाग तक पहुंचाने में अंकेक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अंकेक्षकों की कार्यक्षमता को और अधिक प्रभावी बनाने तथा उनके दायित्वों के बेहतर निर्वहन में उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण) संजय कुमार एवं कामेश्वर ठाकुर तथा एल.एन. मिश्रा इंस्टीट्यूट के कुलसचिव सुधीर कुमार और उप कुलसचिव डा. प्रीति सिंह सहित संबंधित पदाधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

वीआईटी यूनिवर्सिटी, चेन्नई में आयोजित दीक्षांत समारोह में दानापुर के आदित्य राज को मिला प्रथम स्थान

दानापुर/ पटना (दैनिक नवसंदेश)। वीआईटी यूनिवर्सिटी द्वारा चेन्नई में आयोजित 41वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में दानापुर के नासरीगंज निवासी आदित्य राज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार सफलता पर उन्हें बी.एससी. (मल्टीमीडिया एवं एनीमेशन, सत्र 202326) की डिग्री देकर सम्मानित किया गया। चेन्नई में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आदित्य राज को डिग्री एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज के उपाध्यक्ष व सीटीओ बाबू उन्नीकृष्णन तथा यूनिवर्सिटी के संस्थापक व चांसलर डा. जी. विश्वनाथन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दानापुर के नासरीगंज निवासी अजीत कुमार उर्फ अंजन कुशवाहा के पुत्र आदित्य राज की इस उपलब्धि से परिवार और पूरे दानापुर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों और परिजनों ने आदित्य राज को इस सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आदित्य राज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नाबालिग लड़की को गोली मार जख्मी कर देने के मामले में फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य, दो खोखा बरामद

दानापुर/ पटना (दैनिक नवसंदेश)। थाना क्षेत्र के आर्य समाज रोड, आरपीएस मोड़ के पास एक नाबालिग लड़की को गोली मारने की घटना के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए है। वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के लिए पहुंची एफएसएल टीम ने मौके से दो खाली खोखे और अन्य सबूत बरामद किए हैं। 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा के कंधे में गोली लगी और लखनीबिगहा का रहने वाला रैपिडो चालक राहुल कुमार को कमर में गोली लगी है। दोनों खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। सिटी एसपी पश्चिमी संकेत कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। ज्ञात हो कि रविवार की शाम आरके पुरम इलाके की रहने वाली लड़की रैपिडो बाइक से अपने घर जा रही थी। वह आरपीएस मोड़ से आर्य समाज मंदिर रोड जाने वाले रास्ते में पहुंची थी, तभी दो अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। लखनीबिगहा निवासी रैपिडो चालक राहुल ने बाइक रोकने में थोड़ी देर की। इसी बीच, बदमाशों ने कमर से पिस्तौल निकाल कर फायरिंग कर दी। गोली राहुल के कमर में लगी और वह बाइक लेकर गिर पड़ा। इसके बाद भी हमलावरों ने युवती का पीछा नहीं छोड़ा, दोनों बदमाश दुकान तक पहुंच गए और टेलर (दर्जी) मास्टर को धमकाकर युवती को बाहर निकाल उसे गोली मार दी। गोली युवती के दाहिने कंधे में लगी। इस वारदात के बाद दोनों बदमाश पिस्टल लहराते हुए फरार हो गए।

खबरें : एक नजर में

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने परिवार संग बैकुंठनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

खुसरूपुर / पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार सरकार के कृषि मंत्री एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा अपने परिवार के साथ खुसरूपुर प्रखंड स्थित सुप्रसिद्ध बैंकटपुर गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर पहुंचे। धाम आगमन पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मंदिर पहुंचने के बाद कृषि मंत्री ने सपरिवार भगवान शिव और माता पार्वती के दर्शन कर जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उनके मुख्य पंडा शंकर बाबा एवं अखिलेश तिवारी ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। मंत्री ने भगवान गौरीशंकर से राज्य में सुख, शांति, समृद्धि और बिहार के किसानों की खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम मंदिर न्यास समिति के सचिव राजाराम सिंह ने मंत्री विजय कुमार सिन्हा को मंदिर का स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान प्रशासनिक चुस्त-दुरुस्ती भी देखने को मिली। मौके पर खुसरूपुर के अंचलाधिकारी रविन्द्र कुमार चौपाल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। मंत्री ने स्थानीय प्रशासन और न्यास समिति के सदस्यों से मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं पर चर्चा की तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने की बात कही।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने परिवार संग बैकुंठनाथ धाम में की पूजा-अर्चना।

खुसरूपुर स्टेशन पर धनबाद एक्सप्रेस से गिरकर महिला की मौत, परिजनों में कोहराम

खुसरूपुर / पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना-बख्तियारपुर रेल खंड पर स्थित खुसरूपुर रेलवे स्टेशन पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बख्तियारपुर से पटना की ओर जा रही धनबाद एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक 55 वर्षीय महिला अचानक संतुलन बिगड़ने से प्लेटफर्म के नीचे गिर गई, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मृत्यु हो गई। मृतका की पहचान उषा देवी (उम्र 55 वर्ष), पति जितेंद्र राय के रूप में हुई है। वह वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवनगर गांव की रहने वाली थीं। हादसे की खबर मिलते ही स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत इसकी सूचना जीआरपी को दी। घटना की सूचना मिलने पर खुसरूपुर रेल अपराध नियंत्रण केंद्र (जीआरपी) के प्रभारी राजीव कांत शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जीआरपी प्रभारी राजीव कांत शर्मा ने बताया कि पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई और कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार में मातम छा गया है।

बाबा गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

खुसरूपुर / पटना (दैनिक नवसंदेश)। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर खुसरूपुर प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाबा गौरीशंकर बैकुंठनाथ धाम में आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। अंतिम सोमवारी का विशेष पुण्य लाभ अर्जित करने के लिए उत्तर वाहिनी गंगा तट से जल भरकर आए लाखों श्रद्धालुओं का जनसैलाब धाम परिसर में उमड़ पड़ा । पूरा मंदिर क्षेत्र हर-हर महादेव, बोल बम और जय बाबा बैकुंठनाथ के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो गया।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के कपाट देर रात 1 बजे ही खोल दिए गए, जिसके बाद से ही जलाभिषेक का सिलसिला अनवरत जारी रहा। दूर-दराज से आए लाखों शिवभक्त पवित्र गंगा नदी में स्नान कर, हाथ में गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा और पूजन सामग्री लिए अनुशासित तरीके से कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार किये। मंदिर परिसर से लेकर मुख्य सड़क तक भक्तों की लंबी-लंबी पंक्तियां देखी गई। मंदिर न्यास समिति के सचिव राजाराम सिंह ने बताया कि श्रावण के अंतिम सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ का पूर्व अनुमान था। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर न्यास समिति एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी भी भक्त को कोई असुविधा न हो। विधि-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए रात 1 बजे से ही पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और दंडाधिकारी तैनात रहे। मंदिर न्यास समिति के सैकड़ों स्वयंसेवक (वोलेंटियर्स) कतारों को व्यवस्थित करने, वृद्ध व महिला श्रद्धालुओं की सहायता करने और परिसर में सफाई बनाए रखने में तत्परता से जुटे रहे।

बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति की टीम बेगूसराय में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत रूप से की समीक्षा बैठक

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति (अध्ययन दल-2) की टीम राज्यव्यापी स्थल अध्ययन यात्रा के क्रम में बेगूसराय पहुँची जहाँ स्थानीय परिसदन में जिला स्तर के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान टीम ने बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, वित्तीय व्यय, कार्यो की गुणवत्ता एवं जमीनी स्थिति की गहन समीक्षा की। टीम के सदस्यों ने समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रतिवेदन व अभिलेख एवं अद्यतन जानकारी स्पष्ट दे ताकि योजनाओं की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत राशि, व्यय एवं कार्य प्रगति की विस्तृत एवं तथ्यात्मक समीक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक में बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य सह कांटी विधायक व पूर्व मंत्री ई अजीत कुमार समेत अन्य उपस्थित सदस्यों ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला के तमाम अधिकारी से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति एवं उनके क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त किया एवं अपेक्षित निर्देश भी दिया। बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति की टीम बेगूसराय पहुँचने पर जिला प्रशासन के द्वारा भव्यता पूर्वक स्वागत किया गया। वही, टीम के सदस्यों ने बेगूसराय स्थित सुधा डेयरी के प्लांट का निरीक्षण भी किया एवं कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिया। बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य सह कांटी विधायक व पूर्व मंत्री अजीत कुमार समेत अन्य उपस्थित सदस्यों ने कहा कि बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति का उद्देश्य स्पष्ट है कि सरकारी धन का सदुपयोग, विकास कार्यो में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। टीम के सदस्यों ने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यो की समीक्षा और उनकी जमीनी स्थिति का आकलन सुशासन एवं जवाबदेह प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर बिहार विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य सह कांटी विधायक व पूर्व मंत्री अजीत कुमार , विधायक सह सदस्य बेबी कुमारी, विधायक सह सदस्य आनंद मिश्रा समेत अन्य सदस्यों एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारियों उपस्थित थे।

कांटी विधायक अजीत कुमार समेत अन्य सदस्यों ने अधिकारियों को कार्यो में दिया पारदर्शिता बरतने की निर्देश'

142 मोतियाबिंद मरीजों की नि : शुल्क जांच

पटना (दैनिक नवसंदेश)। न्यू बहादुरपुर स्थित राधा देवी मोहनका मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट में 142 गरीब मरीजों के आँख की निःशुल्क मोतियाबिंद की जांच की गई। इसमे 10 मरीजों का मोतियाबिंद काफी अधिक बढ़ा हुआ था। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्रीबालाजी नेत्रालय के निदेशक, प्रसिद्ध नेत्र सर्जन डा शशि मोहनका ने कहा कि आँखें मनुष्य का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। जांच के बाद 10 गरीब मरीजों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन फेको विधि से किया गया। डा मोहनका ने बताया कि मोतियाबिन्द के कारण इन्हें देखने मे काफी परेशानी हो रही थी। पैसे के अभाव में ये अपने मोतियाबिन्द का ऑपरेशन नही करा पा रहे थे। डा मोहनका ने कहा कि गरीब मरीजों की सेवा ही ट्रस्ट का धर्म है उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा श्री बालाजी नेत्रालय में पिछले कुछ सालों में अबतक करीब 3000 से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का निः शुल्क अपरेशन किया जा चुका है। इसके साथ ही लगभग 15 हजार से अधिक मरीजों का नि : शुल्क इलाज और परामर्श भी दिया जा चुका हैं। डा मोहनका ने कहा कि गरीब मरीजों की निःशुल्क सेवा के लिए पूर्व में एक एम्बुलेंस का उद्घाटन भी नंद किशोर यादव द्वारा किया गया था। मौके पर ट्रस्ट के सचिव एम पी जैन ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा मरीजों का इलाज पैसों से ज्यादा सेवा भाव से किया जा रहा हैं। कार्यक्रम के अंत मे बरखा मोहनका ने धन्यवाद् ज्ञापन किया।

करमचट बांध में आपदा से निपटने की तैयारियों का लाइव टेस्ट, एम्स पटना ने किया बहु-एजेंसी मेगा मॉक ड्रिल

पटना (दैनिक नवसंदेश)। आपदा या सामूहिक दुर्घटना की स्थिति में कम से कम समय में अधिक से अधिक लोगों तक राहत और चिकित्सा सहायता पहुंचाने की तैयारियों को परखने के लिए एम्स पटना ने रोहतास जिले के करमचट बांध में मेगा फुल स्केल लाइव मॉक ड्रिल आयोजित की। इस बहु-एजेंसी अभ्यास में एनडीआरएफ, हेल्थ इमरजेंसी अपरेशंस सेंटर (एचईओसी), जिला प्रशासन, पुलिस, अगिशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के साथ एम्स पटना की मेडिकल और सपोर्ट टीमों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। एम्स पटना से करीब 200 किलोमीटर दूर आयोजित इस अभ्यास में करमचट बांध पर 150 से अधिक लोगों की मौजूदगी के दौरान काल्पनिक विस्फोट के बाद भगदड़ मचने का परिदृश्य तैयार किया गया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गो सहित करीब 70 लोगों को सिमुलेटेड कैजुअल्टी के रूप में दिखाया गया। इनमें 25 गंभीर यानी रेड जोन और 45 ग्रीन जोन कैजुअल्टी शामिल थीं। अभ्यास के दौरान दो लोगों के बांध के पानी में गिरने की घटना का भी सिमुलेशन किया गया, ताकि जल बचाव और चिकित्सा टीमों के बीच समन्वय को परखा जा सके।

खुसरूपुर के शिवम कॉलेज में बीएससी नर्सिंग छात्रों का जोरदार हंगामा, एसडीओ ने कराया मामला शांत

खुसरूपुर/ पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना जिले के खुसरूपुर प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया स्थित शिवम कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर अचानक जोरदार हंगामा किया। कॉलेज प्रशासन की कार्यशैली से नाराज छात्र और छात्राएं सड़क पर उतर आए और जमकर नारेबाजी करने लगे।

छात्र-छात्राओं का आरोप था कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा शिक्षण व्यवस्था, सुविधाओं या परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है, जिससे उनका भविष्य अधर में लटका हुआ नजर आ रहा है। देखते ही देखते विरोध-प्रदर्शन काफी उग्र हो गया और कलेज परिसर में तनाव का माहौल बन गया।

घटना की सूचना जैसे ही स्थानीय पुलिस को मिली, पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए फतुहा खुसरूपुर अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी संजीव कुमार भी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

संजीव कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की कमान खुद संभाली। उन्होंने आक्रोशित छात्र-छात्राओं की शिकायतों और समस्याओं को बेहद ध्यानपूर्वक सुना। इसके बाद उन्होंने छात्रों और कलेज प्रबंधन दोनों पक्षों से बातचीत की और निष्पक्ष जांच व समस्या के उचित समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारी की समझाइश और त्वरित कार्रवाई के आश्वासन के बाद किसी तरह छात्रों का गुस्सा शांत हुआ और स्थिति नियंत्रण में आ सकी। फिलहाल कॉलेज परिसर में शांति व्यवस्था कायम है और एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात है।

तेजस्वी यादव ने पीडीएस के आंदोलन का किया समर्थन

पटना (दैनिक नवसंदेश)। गर्दनीबाग में जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की आठ सूत्री मांगों को लेकर आयोजित राज्यस्तरीय विशाल धरना-प्रदर्शन को संबोधित कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपना और पार्टी का समर्थन दिया।

तेजस्वी ने पीडीएस के आंदोलन का समर्थन किया।

रिकार्डतोड़ महंगाई, संगठित भ्रष्टाचार और सरकारी उदासीनता से परेशान फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के विक्रेताओं की निम्न प्रमुख मांगों को गंभीरता से सुनना चाहिए। गुजरात की तर्ज पर निश्चित 30 हजार मासिक मानदेय देना चाहिए। झारखंड की तरह अनुकंपा नियुक्ति में समय सीमा की बाध्यता को समाप्त किया जाए। विगत छह महीनों से लेकर एक वर्ष के लंबित कमीशन का तत्काल भुगतान किया जाए। कमीशन लंबित रहने के कारण हजारों परिवारों के लाखों लोगों को आर्थिक परेशानियां झेलनी पड़ रही है। विधानसभा चुनाव पूर्व सरकार ने डीलर कमीशन में 47 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की थी लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें यह राशि अप्राप्त है। इसे अविलंब जारी किया जाए।

बिहार राज्य खाद्य निगम के गोदाम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। माप-तौल, घटतौली, ई-पस एवं सर्वर इत्यादि से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का रियलटाइम में समाधान होना चाहिए।

पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता ने राज्यसभा सांसद सह जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से की मुलाकात, बिहार के विकास के मुद्दे पर की अहम चर्चा

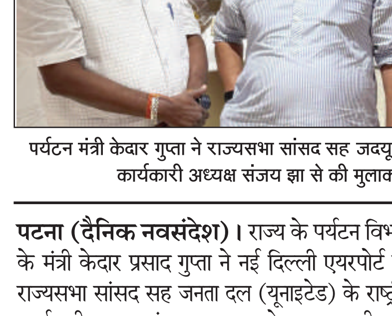

पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता ने राज्यसभा सांसद सह जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से की मुलाकात

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राज्य के पर्यटन विभाग के मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने नई दिल्ली एयरपोर्ट पर राज्यसभा सांसद सह जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा से मुलाकात की। इस दौरान पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने राज्यसभा सांसद सह जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा से बिहार के विकास, जनकल्याण एवं राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। मंत्री श्री गुप्ता ने कहा कि राज्यसभा सांसद सह जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के साथ हुई यह आत्मीय व शिष्टाचार भेंट सदैव स्मरणीय रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

जीवछ नदी में स्नान करने के दौरान डूबने से बच्ची की मौत

बेनीपुर(एनएसबी) । बहेड़ा थाना क्षेत्र के गणेश बनौल बलनी गांव स्थित जीवछ नदी में स्नान करने के दौरान डूबने से सोमवार को एक किशोरी की मौत हो गई।मृतका की पहचान घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के सोनहद निवासी शिवकुमार पासवान की 7 वर्षीय पुत्री मनतोरनी कुमारी के रूप में हुई है। वह काफी दिनों से अपने नानी गांव में रह रही थी।मृतका के मामा शंभू पासवान ने बताया कि वह सोमवार को जीवछ नदी में स्नान करने गई थी। घाट पर बनी सीढ़ी पर पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चली गई। शोर होने पर आसपास के लोगो जुटे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के मदद से काफी मशक्कत के बाद नदी से शव को बाहर निकाला।घटना की सूचना मिलते ही बहेड़ा थाना के दारोगा दीपक कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से पूछताछ कर शव को कब्जे में लिया और कागजी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। घटना के बाद नानी गांव बलनी एवं सोनहद में मातम पसरा हुआ है।

बेनीपुर मे हाइवा की ठोकर लगने से मोटरसाइकिल सवार की मौत

बेनीपुर(एनएसबी) । धरौरा -दरभंगा पथ के भारत पैट्रोलियम पेट्रोल पंप के समीप मोटरसाइकिल एवं हाईवा के आमने-सामने की टक्कर में मोटरसाइकिल चालक अरुण यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार सोनकी थाना क्षेत्र के साहिला रसलपुर निवासी अरुण यादव 42 वर्ष एवं उनके भाई उमेश यादव बाबा कुशेश्वर नाथ का पूजा अर्चना कर कुशेश्वर स्थान से अपने घर को लौट रहे थे।इसी बीच धरौड़ा- दरभंगा पथ के भारत पैट्रोलियम पेट्रोल पंप के समीप मोटरसाइकिल एवं हाईवा की आमने-सामने की चक्कर हो गई। जिसमें अरुण यादव की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि उनके साथ सगे भाई उमेश यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के तत्काल बाद जिला के वरीय आरक्षी अधीक्षक जगुनाथ जलारेडी भी लौट रहे थे जिन्होंने दुर्घटना की स्थिति देखते ही वहां रुक कर घटना की सूचना थाना को दी तत्काल बहेड़ा थाना अध्यक्ष को दी थानाध्यक्ष तत्काल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों को पुलिस वासन से अनुमंडल अस्पताल पहुंचा जहां डॉक्टर ने अरुण यादव को मृत घोषित कर दिया। एवं उमेश यादव का प्राथमिक उपचार के बाद घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। जबकि ठोकर मारने वाले हाइवा चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस घटना की सूचना मृतक के परिजन को दे दी गई है। पुलिस शव की सभी औपचारिकताएं पुरा कर अतः परीक्षण हेतु डीएमसीएच भेज दिया है।

अमानवीय व्यवहार झेल चुके मरीज को अब अस्पताल में मिल रही पूर्ण सुविधाएं

मामले में कई कर्मियों पर गिर सकती है गाज
आयुक्त और डीएम को अधीक्षक ने भेजी रिपोर्ट

दरभंगा(एनएसबी) डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में गत शनिवार को कई कर्मियों के अमानवीय बर्ताव का शिकार हुए मरीज को अस्पताल में अब इलाज की पूर्ण सुविधा मिल रही है। लावारिस युवक का इलाज ऑर्थोपैडिक विभाग के डॉ. कुणाल शंकर के यूनिट में चल रहा है। उसके पैर की टूटी हड्डी का प्लास्टर कर दिया गया है। मरीज की लगातार देखभाल की जा रही है। नियमित रूप से उसे भोजन और नाश्ता दिया जा रहा है। अधीक्षक ने सोमवार को बेंता थाना को पत्र लिखकर मरीज की पहचान की दिशा में आवश्यक कारवाई करने का अनुरोध किया है।बताया जाता है कि मरीज के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को लेकर कई कर्मियों पर गाज गिर सकती है। मरीज के साथ किए गए अमानवीय व्यवहार को लेकर एक सुरक्षा कर्मी को बर्खास्त कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार मामले को लेकर अधीक्षक ने गत शनिवार को ही आयुक्त और डीएम को अपनी रिपोर्ट भेज दी थी। रिपोर्ट में उन्होंने कहा था कि सूचना मिलने पर त्वरित कदम उठाते हुए कई लावारिस मरीजों को इलाज के लिए उन्होंने इमरजेंसी में भिजवाया था। दो हेल्थ मैनेजर को उनका पूरा इलाज कराने का निर्देश दिया गया था। मामले की जानकारी मिलने पर त्वरित कदम उठाते हुए मरीज का इलाज शुरू कराया गया। दोनों हेल्थ मैनेजर से जवाब तलब किया जा रहा है। अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र ने इसकी पुष्टि की।

बाबा हजारीनाथ मंदिर में अंतिम सोमवारी के अवसर पर हुए कई कार्यक्रम

दरभंगा(एनएसबी) श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा हजारी नाथ राजकीय सावन महोत्सव की अन्तिम सोमवारी के अवसर पर मंदिर परिसर में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए।बालेश्वर प्रसाद के शहनाई वादन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नटराज डांस एकेडमी के कलाकारों के द्वारा शिव वंदना, लोक नृत्य झिझिया आदि ने दर्शको का मन मोह लिया।कार्यक्रम के अंत में बागमती किनारे गंगा-आरती का आयोजन वाराणसी के विद्वान पंडितों द्वारा किया गया। इस मौके पर मंच संचालन लक्ष्मण कांस्यकार ने किया, जबकि कार्यक्रम में समाजसेवी राजू तिवारी,श्याम जाजोदिया, कार्तिकेय कुमार, ज्योति गुप्ता,राजेश कांस्यकार,विशाल महासेठ, अमर गुप्ता,राजू पाठक, रवि के पटवा,विनोद कांस्यकार, संतोष साह, कामोद राय,अंशु मिश्रा, संगीत गुप्ता,विकाश जाजोदिया,नंद किशोर नागवंशी,सपना भारती, राम मनोहर प्रसाद, वार्ड पार्षद सोनी पूर्वे सहित सैंकड़ों शिवभक्त एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।इस अवसर पर बाबा हजारीनाथ मंदिर के सावन के सोमवारी कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी भक्तों सहित कई गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया।

गेहूं में मिला जहरीला पदार्थ महिला के मुंह में जबरन ठूंसकर बदमाश फरार

बहादुरपुर(एनएसबी) । थाना क्षेत्र के डरहार में सोमवार को एक और बहुत बड़ा मामला प्रकाश में आया। कथित रूप से घर के अंदर पहले से घात लगाए बदमाश ने एक महिला की जमकर पिटाई की। इसके बाद गेहूं के साथ जहरीला पदार्थ उनके मुंह में ठूंसकर वह फरार हो गया। परिजनों ने आनन फानन में इलाज के लिए उन्हें डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग पहुंचाया। वहां महिला का इलाज चल रहा है। जख्मी महिला गौरव कुमार की पत्नी करिश्मा कुमारी(23) बताई जाती हैं।देखते -देखते दर्जनों परिजन डीएमसीएच पहुंच गए।परिजन पवन कुमार मिश्रा के अनुसार करिश्मा तुलसी चबूतरा पर पानी चढ़ाने छत पर गयी थी। छत पर पहले से घात लगाए एक बदमाश पर उसकी नजर पड़ी। उसे देखकर वह दौड़ कर नीचे उतरने की कोशिश किया। उसका पीछा करता हुआ बदमाश वहां पहुंचा। उसकी पिटाई करने के बाद गेहूं में मिला कोई जहरीला पदार्थ उसके मुंह में जबरन ठूंसकर वह फरार हो गया। तबियत बिगड़ने पर महिला को इलाज के लिए डीएमसीएच पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त कि रात करीब आठ बजे कोई अज्ञात व्यक्ति ग्रिल के नीचे से एक बेनाम पत्र फेंक गया था। पत्र में परिवार के साथ घर को छोड़कर भाग जाने कि चेतावनी दी गयी थी। ऐसा नहीं करने पर जान से हाथ धोने की धमकी दी गयी थी। उनके अनुसार तत्काल डायल 112 को सूचना दी गयी थी। इसके बाद इस सिलसिले में 20 अगस्त को थाने में आवेदन दिया गया था। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व नौ जून को घर में डकैती हुई थी। बहादुरपुर थाना कि पुलिस ने डीएमसीएच पहुंचकर महिला से जानकारी ली।

सावन की अंतिम सोमवारी को हर हर महादेव से गूंजा सिंहवाड़ा

सिंहवाड़ा(एनएसबी) । प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत भरवाड़ा भारवेश्वरस्थान व नर्मदेश्वर महादेव, सिंहवाड़ा के बाबा बटेश्वर नाथ धाम, कोरा महादेव,सिमरी आदि शिवालय मे सावन माह की अंतिम सोमवारी को हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो गया । बोल बम एवं हर हर महादेव का नारा लगाते श्रद्धालु अहले सुबह से ही जलाभिषेक के लिए शिव मंदिर परिसर मे कतारबद्ध खडे हो गये। सनहपुर, माधोपुर, सढ़वाड़ा, मोहनपुर आदि शिव मंदिरों पर जलाभिषेक के लिए अहले सुबह से श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। शिवालयो मे महादेव के नचारी भजन से मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने भगवान भोलेनाथ से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर तथा आसपास पुलिस बल एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए बैरिकेडिंग एवं कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई। इस मौके पर जगह-जगह लगे मेले में लोगों की भीड़ लगी रही।

अंतिम सोमवारी को श्रद्धालुओं का जनसैलाब

जलाभिषेक के लिए लाइन में खड़े श्रद्धालु

कुशेश्वरस्थान पूवी(एनएसबी) । मिथिलांचल के बाबाधाम के नाम से मशहूर बाबा कुशेश्वर नाथ महादेव मंदिर में सावन के अंतिम और चौथी सोमवारी को श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब से आस पास के माहौल भगवामय हो गया। बोल बम, बोल बम के जय कारे से पुरे बाजार भक्तिमय हो गया लोगों में आस्था का जनसैलाब से कुशेश्वर बाजार के चारों तरफ के रास्ता गली-गली में शिव भक्तों का आना जाना लगा रहा। न्यास समिति के तरफ से और पुलिस प्रशासन के तरफ से मंदिर के गर्व गृह से लेकर बाजार से पुरब धबोलिया तक हरेक बैरिकेडिंग के पास महिला व पुरुष पुलिस बल और पदाधिकारी तैनात था। फकदोलिया मोड़ से लेकर कुशेश्वरस्थान तक दो चक्का और चार चक्का वाहन कि भीड़ ईतनी लंबा लगा कि धुप में लगभग दो घंटा जाम में लोग फंसा रहा। पुलिस बल और बीडीओ प्रभा शंकर मिश्रा खुद मोर्चा संभालने में लगे हुए थे। बाजार से पश्चिम पुरुष कि लाईन असमा तक पहुंच गई और ईधर महिला कि लाईन धबोलिया पुल तक पहुंच गई। श्रद्धालु एक बजे रात्रि से ही जलाभिषेक करना प्रारंभ कर दिया फिर भी श्रद्धालुओ का जलाभिषेक करने का सिलसिला सोमवारी के देर रात तक होता रहा। पुलिस प्रशासन और न्यास समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ शशांक राज,सीओ राकेश रौशन भारती ,थाना प्रभारी गौरव प्रसाद, तिलकेश्वर थाना प्रभारी केशरीनंदन राम,नदी थाना प्रभारी सुशील कुमार सहित दर्जनों पुलिस पदाधिकारी और पुलिस महिला व पुरुष बल तैनात रहे।सावन के अंतिम सोमवारी को लाखों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया ।

दरभंगा के शिवभक्तों ने तारापुर कांवरिया पथ पर लगाया सेवा शिविर

छह वर्षों से लगातार कांवरियों की निःशुल्क सेवा कर रहे दरभंगा जिले के शिवभक्त

कांवरिया पथ के तारापुर मे सेवा शिविर में श्रद्धालु

दरभंगा(एनएसबी) । श्रावण मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर दरभंगा जिले के शिवभक्तों ने कांवरिया पथ के तारापुर पहुंचकर कांवरियों की सेवा के लिए निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए ठंडा पानी, चाय, ड्राई फ्रूट, दवा, स्प्रे सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई।दरभंगा जिले के शिवभक्त पिछले छह वर्षों से लगातार तारापुर कांवरिया पथ पर पहुंचकर निःशुल्क सेवा शिविर लगाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी अंतिम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कांवरियों का स्वागत पुष्पवर्षा कर किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।सेवा शिविर के आयोजन में मुख्य रूप से सुधीर झा, पप्पू राय, रौशन जी, राजकुमार जी, जितेंद्र जी, फिरोज यादव , टिंकू, प्रदीप एवं लाल सिंह सहित करीब 20 से 25 अन्य शिवभक्तों का अतुलनीय सहयोग रहा।शिवभक्तों के सामूहिक सहयोग से आयोजित यह सेवा शिविर छठे वर्ष भी हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। आयोजन कताओं ने बताया कि कांवरियों की निःस्वार्थ सेवा के उद्देश्य से दरभंगा जिले से हर वर्ष तारापुर पहुंचकर सेवा शिविर लगाया जाता है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में कांवरियों ने शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया।

रत्नपुर में आज से दो दिवसीय श्रावणी मेला का आयोजन आज से

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन दूसरे दिन मंत्री होंगे शामिल

जाले(एनएसबी) । जाले विधानसभा क्षेत्र के रत्नपुर पंचायत के एतिहासिक गंगेश्वर स्थान में आज से दो दिवसीय सरकारी श्रावणी मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश और प्रदेश के बड़े बड़े नेता एवं गणमान्य लोग और कलाकार उपस्थित होंगे । ज्ञात हो की गंगेश्वर स्थान महादेव मंदिर को न्यास परिषद द्वारा मान्यता मिलने और सरकारी स्तर से मेला का आयोजन करायें जाने से क्षेत्र के लोगों में काफी खुशी देखी जा रही है।मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष शिवनारायण ठाकुर ने बताया कि यूंतो सालों भर जल चढ़ाने वालों का भीड़ होता है किन्तु न्याय बोर्ड में सामिल होने औरसुरक्षा के कारण अन्य वर्षो से अधिक लोग सोमवारी में गौतम कुंड से पैदल,डाक और डंडीबम के रूप में जल चढ़ाने आते ।25और26अगस्त को राजस्व भूमि सुधार विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय श्रावणी मेला किया जा रहा है जिसके मुख्य अतिथि भू राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी,अशोक यादव,समेत दर्जनों विधायक मंत्री मौजूद होंगे। विभिन्न कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।चौबीस अगस्त को हवाई जहाज से मंदिर परिसर में फुल से बारिश करने का प्रोग्राम था किन्तु बिजली के हाइवोल्टेज तार के कारण कैंसल कर दिया गया। मंगलवार को सुबह सात बजे गौतम कुंड से कलश यात्रा निकलेगी।

रत्नपुर पंचायत के एतिहासिक गंगेश्वर स्थान मंदिर

खरही टाट व बांस-बल्ला से सड़क अवरुद्ध, 30 से 35 घरों का आवागमन प्रभावित

तारडीह(एनएसबी) सकतपुर थाना क्षेत्र के सकतपुर गांव के वार्ड संख्या-3 में सार्वजनिक सड़क पर कथित अतिक्रमण कर खरही के टाट एवं बांस-बल्ला लगाने से आवागमन पूर्णरूपेण बाधित होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ), अंचलाधिकारी (सीओ) एवं सकतपुर थानाध्यक्ष को आवेदन देकर मामले की जांच कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।आवेदक राकेश कुमार ने आवेदन में बताया है कि उक्त सार्वजनिक रास्ते का निर्माण उनके पूर्वजों द्वारा सभी फरीकों के अंशदान से कराया गया था। इस रास्ते का उपयोग सभी फरीकों के साथ-साथ गली में रहने वाले अन्य लोग भी वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे हैं।उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में तत्कालीन मुखिया अनमोला देवी द्वारा पंचायत कोष से उक्त रास्ते पर लगभग 8 फीट चौड़ी पीसीसी सड़क का निर्माण भी कराया गया था। आरोप है कि 25 जुलाई 2026 को श्याम सिंह द्वारा उदगार सिंह के घर के समीप बांस एवं खरही के टाट से रास्ते को घेरकर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। आवेदक के अनुसार, इस संबंध में पूछे जाने पर श्याम सिंह ने उक्त जमीन को अपनी निजी भूमि बताते हुए रास्ते से किसी को आवागमन नहीं करने देने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से करीब 30 से 35 घरों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं, जिसके कारण रास्ता बंद होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस आवेदन पर सकतपुर गांव के योगेन्द्र प्रसाद सिंह, बीरेन्द्र कुमार सिंह, कामेश्वर सिंह, राम बहादुर सिंह, राजेश कुमार सहित कई ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग की है।इधर, मामले को लेकर बीडीओ प्रीति कुमारी, सीओ आलोक कुमार एवं सकतपुर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार से पूछे जाने पर बताया गया कि संबंधित पक्ष को नोटिस भेजकर मामले की जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सड़क को अवरुद्ध किये लोग

कोतवाली थाना पर हुई शांति समिति की बैठक

दरभंगा (एनएसबी) आगामी पर्व ईद जश्ने मिलादुन्नबी, राखी एवं जन्माष्टमी को देखते हुए कोतवाली थाना पर सोमवार को शांति समिति के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोतवाली थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों का मकसद मात्र यह रहता है कि आने वाले जो भी पर्व त्योहार हैं, वह शांतिपूर्वक सम्पन्न हो। उन्होंने कहा कि अभी पर्व- त्योहारों में डीजे पर रोक लगी हुई है, अतः इसका अनुपालन सभी लोगों को करना होगा।उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की।इस मौके पर सदस्य सरफे आलम तमन्ना, मोइन कुरैशी, अंजुमन के सचिव आफताब अशरफ,दीदार हुसैन चांद आदि ने बुधवार 26 अगस्त 2026 को होने वाले ईद जश्ने मिलादुन्नबी के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलुश के रास्ते (रुट) के बारे में जानकारी दी और प्रशासन को सहयोग देने की बात कही। इस मौके पर शांति समिति के सदस्य शशि कुमार नीलू, पत्रकार पुनीत कुमार सिन्हा, उमेश नाथ मिश्रा, राजीव कुमार लल्लू, सचिन राम आदि ने भी अपने क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग देने की बात कही। बैठक में ए एस आई बबलू कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

बैठक में उपस्थित थाना अध्यक्ष एवं शांति समिति के लोग

रोमांचक मुकाबले मे टाई ब्रेकर में कुम्हरौली की टीम विजयी

सिंहवाड़ा(एनएसबी) प्रखंड क्षेत्र के बहुआरा स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद स्टेडियम में चल रहे फुटबॉल चैंपियनशिप ट्रॉफी के तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सोमवार को रोमांचक मुकाबले मे मिल्लत स्पोर्ट्स क्लब कुम्हरौली की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। केएफसी कपिलेश्वर स्थान, मधुबनी को टाई ब्रेकर में उसने 4 - 2 से पराजित कर दिया। मैच शुरू होने के बाद दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर चलती रही। खेल के अंतिम क्षण तक दोनों ओर से कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। खेल कमेटी के अनुसार टाई ब्रेकर का फैसला लिया गया। जिसमें मिल्लत स्पोर्ट्स क्लब कुम्हरौली के खिलाड़ियों ने 4 - 2 से जीत दर्ज की। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान हरिहरपुर पश्चिमी पंचायत की मुखिया जरीना खातून के प्रतिनिधि मो वकार, सरपंच मो अफरोज, मो अलीमुद्दीन, मो सदरे आलम, मीर मो मुस्तकीम, मो इबनेसउद, मीर मो हसमत को खेल समिति की ओर से सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य मीर मो शहनवाज, मो दिलशाद ने बताया कि 25 अगस्त को अंतिम क्वार्टर फाइनल मुकाबला एनएससी बहुआरा बुजुर्ग एवं आदर्श फुटबॉल क्लब सतलक्खा के बीच होगा।

सिंहवाड़ा के बहुआरा में फुटबॉल प्रतियोगिता में शामिल लोग

शंभु अगेही शिखर सम्मान के साथ बहुभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन

दरभंगा(एनएसबी) हिन्दी समाहार मंच के तत्वावधान में शंभु अगेही के दशम पुण्य स्मृति के दूसरे दिन ग्यारह पुस्तक, बिहार तथा बिहार के बाहर के चालीस साहित्यकारों को शंभु अगेही शिखर सम्मान के साथ- साथ बहु भाषा कवि सम्मेलन का आयोजन स्नेह अगेही शिक्षण संस्थान शुभंकरपुर में अखिलेश कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मंचस्थ अतिथि चितरंजन सिन्हा कनक, डा शारदाचरण, पवन कुमार वर्मा(बनारस) बिनोद कुमार सिन्हा, प्रेम कुमार वर्मा, आदि ने अगेही के चित्र पर पुष्पांजली के साथ ही दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर श्री मदभागवत गीता -प्रेम कुमार वर्मा, रघुवंश महाकाव्य -प्रेम कुमार वर्मा, आओ गणिनाथ मेरे गाँव में -सूबेदार नन्द किशोर साहू, आंगुरी में पांखुरी -डॉ उषा श्रीवास्तव, मगर साक्षी क्या करें -सरोज कुमार वर्मा, साहस कि जीत -डॉ सतीश चन्द्र भगत, बज्जिका बाल किरण -डॉ पुष्पा गुप्ता, गोइठा -डॉ सुधांशु चक्रवती, अंचरा के फूल -सूबेदार नन्द किशोर साहू, बज्जिका मन गंध -सविता राज, ओझराएल डीह -शेखर श्रीवास्तव (अनुवाद अंग्रेजी में) का लोकार्पण किया गया। वहीं प्रेम कुमार वर्मा को स्नेह अगेही वेलफेयर टरस्ट की ओर से जीवनोपलब्धि अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही सरोज कुमार वर्मा , पुष्पा गुप्ता, सविता राज, ई राणा ब्रजेश, सुधांशु चक्रवर्ती , उषा श्रीवास्तव , मोजीर अहमद आजाद, अतुल कुमार मिश्र, सूबेदार नन्द किशोर साहु, कुमकुम मिश्र सान्वी, शेखर कुमार श्रीवास्तव, वैद्यनाथ पोद्दार, सुमन कुमार, रंजीत मिश्र, डौली कुमारी, राजेन्द्र लाल दास आदि को शंभु अगेही शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चितरंजन सिन्हा कनक ने कहा कि - साहित्यकारों की स्मृति को बनाए रखने के लिए उनकी कृतियों को आत्मसात करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगेही जैसे साहित्यकार का स्मृति ग्रंथ प्रकाशन नयी पीढ़ी के लिए कर्तव्य और चुनौती दोनों है। डा शारदाचरण ने कहा कि- अगेही जी में उनके नाम के अनुरूप भूमिका उनकी रचनाओं को देखकर महर्षि का तत्व प्रतीत होता है। डा विनोद कुमार सिन्हा ने कहा कि- कवि विद्यापति की तरह शंभु अगेही भी बहुबिध साहित्यकार थे । साहित्यानुरागी उनके ऋण से उऋण नहीं हो सकते। डा राजरंजन प्रसाद ने कहा कि- शंभु अगेही एक महामानव थे जो निष्काम कर्मयोगी की तरह साहित्य और समाज सेवा में जीवन पर्यंत जुटे रहे। अमिताभ कुमार सिन्हा के संचालन में अमरेश्वरी चरण सिन्हा , बिनोद कुमार झा, बालेन्दु कुमार झा, ज्वाला सांध्यपुष्प, आदि ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में डा सतीश चंद्र भगत एवं सूबेदार नन्द किशोर साहु के संचालन में बबीता सिंह, सुप्रिया सोनी, अनुपम मिश्र, अनुराग, मुकेश कुमार झा सोनू ,रीतु प्रज्ञा, संगीता कुमारी, सविता राज, अमरजीत कुमार, शंभु नारायण चौधरी, गोपाल भारतीय, निजाम बख्स, मणिभूषण अकेला, सुनीता झा, शुभ कुमार वर्णवाल, सुरेश वर्मा, रंजीता श्री, उमेश कुमार प्रसाद, सुषमा शर्मा, पलक, संप्रज्ञा, इंदिरा भारती,विजय महतो,विनय कुमार श्रीवास्तव, डौली कुमारी, हर्षित, सुप्रिया सोनी, विजय पाठक, विश्वनाथ ठाकुर, सौम्य कुमार विभु, खुश्बू कुमारी , अमिताभ कुमार सिन्हा ने कविता के माध्यम से श्रद्धांजली प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन अगेही की बड़ी पुत्री साधना सिन्हा ने किया।

बहुभाषा कवि सम्मेलन मे भाग लेते लोग

संक्षिप्त खबरें

शाम को स्मारक चौक होता रहा जाम, बीडीओ को बजवाना पड़ा सायरन

विद्यापतिनगर एनएसबी। सावन की अंतिम सोमवारी को विद्यापतिधाम में अपार भीड़ उमड़ी। सुबह से ही स्मारक चौक पर प्रशासन की पुख्ता व्यवस्था के बाद भी जाम की स्थिति बनी रही। शाम होते ही प्रशासन के हटते बड़ी छोटी वाहनो के अलावा हाइवा का आना जाना शुरू हो गया। जिसके कारण शाम में जाम लगने लगा। जाम के कारण शाम को मंदिर आने वाले श्रद्धालु और सोमवारी व्रती महिलाओ के काफी परेशानी हुई। शाम होते ही ई रिक्शा से लेकर टेम्पू, कार की भरमार स्मारक चौक पर लगने से जैम लगा रहा। जिसमे बीडीओ को भी सायरन बजवाने के बाद रास्ता मिला और जाम से निकल पाए। भीड़ इतनी थी की देर शाम तक लोगो को मंदिर आने का सिलसिला जारी रहा।

जदयू नेता के सहयोग से श्रद्धालुओं को पिलाया जल

विद्यापतिनगर एनएसबी ।।प्रखंड के जदयू उपाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा ने अपने निजी कोष से विद्यापतिधाम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं सहित खुदनेश्वर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध कराया। इस बाबत श्री शर्मा ने पंचमुखी हनुमान मंदिर के निकट पियाऊ शिविर लगाकर देर रात से दिनभर आने जाने वाले श्रद्धालुओं के बीच स्वांग्य और अपने सहयोगी को रखकर पानी पिलाया।

मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल

समस्तीपुर कार्यालय एनएसबी।।कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को परिजनों की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।घायलों की पहचान सोरमार गांव निवासी 65 वर्षीय बलेश्वर सहनी तथा माधोपुर भुआल गांव निवासी 47 वर्षीय मोहम्मद शमशीर अहमद के रूप में हुई है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बीके ठाकुर ने बताया कि दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज किया गया। चिकित्सकों की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। घटना को लेकर संबंधित पक्षों की ओर से पुलिस को सूचना दिए जाने की भी बात सामने आई है।

जटमलपुर महादेव स्थान पर श्रद्धालुओं के लिए लगा स्वास्थ्य शिविर

समस्तीपुर कार्यालय एनएसबी।।श्रावणी मेला की अंतिम सोमवारी के अवसर पर जटमलपुर स्थित महादेव स्थान परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर की ओर से विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर का उद्देश्य मेले में पहुंचने वाले कांवरियों और श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बीके ठाकुर ने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने तथा आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शिविर में पहुंचे श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच की गई और जरूरत के अनुसार उन्हें निशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच किए जाने से मेले में आने वाले लोगों को काफी राहत मिली। शिविर में डॉ. चंदन कुमार, सीएचओ अमरजीत कुमार, दिनेश सैन, फार्मासिस्ट दिलखुश कुमार, एएनएम हीरावती कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

दो ठइह वारंटी समेत आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर कार्यालय एनएसबी। कल्याणपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में छापेमारी कर दो गैर-जमानती वारंट (ठइह) के आरोपियों समेत आर्म्स एक्ट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष रणवीर कुमार रावत ने बताया कि मूसेपुर निवासी रामसुहग राय के 45 वर्षीय पुत्र सुखदेव राय तथा मुक्तापुर गांव निवासी स्व. नंदन राय के 50 वर्षीय पुत्र विमल राय को ठइह वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया।वहीं, कमरगामा गांव निवासी मनोज कुमार राय के 19 वर्षीय पुत्र रवि प्रकाश को आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों से आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष रणवीर कुमार रावत ने तीनों गिरफ्तारियों की पुष्टि की है।

प्रशासन ने जताया आभार

दलसिंहसराय (एनएसबी)। श्रावण की अंतिम सोमवारी के अवसर पर अनुमंडल प्रशासन के समुचित समन्वय एवं आवश्यक प्रशासनिक तथा सुरक्षा व्यवस्था के बीच कांवड़ यात्रा सफलता पूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई अनुमंडल पदाधिकारी किशन कुमार ने इस सफल आयोजन में पुलिस प्रशासन विभिन्न विभागों जन प्रतिनिधियों स्वयंसेवको स्थानीय नागरिकों,सभी संबंधित हित धारको एवं मीडिया बंधुओं का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ अनुमंडल प्रशासन सभी के सहयोग समन्वय एवं सकारात्मक सहभागिता के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता है

1. सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब

समस्तीपुर कार्यालय एनएसबी।।सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्त भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे। मंदिरों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।

तीरा जटमलपुर स्थित बाबा तिलकेश्वर नाथ महादेव मंदिर और बरहेता गांव स्थित रामेश्वर नाथ महादेव मंदिर में विशेष रूप से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। बाबा तिलकेश्वर नाथ महादेव मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहां सच्चे मन से पूजा करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। समस्तीपुर जिले के वारिसनगर, पूसा, ताजपुर के अलावा दरभंगा और मधुबनी जिले से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

स्थानीय निवासी रंजन चौधरी ने बताया कि कई श्रद्धालु बेगूसराय जिले के झमटिया घाट से गंगाजल लेकर पैदल कांवड़ यात्रा करते हुए बाबा तिलकेश्वर नाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। इधर, मालीनगर पंचायत स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। अंतिम सोमवारी के अवसर पर मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें सैकड़ों कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए बूढ़ी गंडक नदी के सैदपुर घाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने नदी से जल भरकर पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी विजय झा ने बताया कि अंतिम सोमवारी की रात मंदिर परिसर में जागरण और झांकी समेत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में राकेश तिवारी, शंभू कुमार शर्मा, बिट्टू कुमार, दिव्यांशु राज, नंदन ठाकुर, शशि शंकर ठाकुर, नंदकिशोर सिंह, पंकज कुमार और दयालु सहित अन्य कलाकार प्रस्तुति देंगे। कल्याणपुर, हजपुरवा, सोमनाहा, डरोरी, सोरमार सहित अन्य गांवों के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। कई जगहों पर मेले का भी आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कल्याणपुर और चकमेहसी पुलिस विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रही।

अंतिम सोमवार पर सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर प्रशासन ने की विशेष व्यवस्था

विद्यापतिधाम (एनएसबी)। अंतिम सोमवार पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से जलार्पण कराने की व्यवस्था की गई। 150 से अधिक पुलिस बल के जवान व 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगातार भीड़ पर नजर बनाए रहे। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए थानाध्यक्ष सूरज कुमार स्वयं व्यवस्था की निगरानी करते दिखे। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों से आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई। अनुमंडलाधिकारी किशन कुमार, राजस्व अधिकारी अरुण कुमार शर्मा, दारोगा अमृता राज, पंकज कुमार चौधरी, सलीम रजा आदि भी दिन भर मुस्तैद रहे। उधर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के बाद देर शाम बाबा उगना महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के मुख्य पंडा अमरनाथ गिरि व कामेश्वर गिरि के नेतृत्व में पंडा समाज के सदस्यों ने विधि-विधान से श्रृंगार पूजा संपन्न कराई। बाबा को भांग, धतूरा, बेलपत्र, मधु, मखाना, फूल, फल, दूध, दही, घी और मक्खन समेत विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित की गईं। विशेष श्रृंगार के दर्शन के लिए भी देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में जुटी रही। दोपहर बाद से ही व्रती महिलाओं और युवतियों के जत्थे लगातार मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना करते रहे। जलाभिषेक के दौरान बालेश्वर स्थान न्यास समिति कोषाध्यक्ष राम शंकर भारद्वाज, प्रवीण गिरि, हरिओम गिरी आदि व्यवस्था संभाले में जुटे रहे ।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में नामांकन और प्रमाणपत्र सत्यापन की प्रक्रिया शुरू

समस्तीपुर (एनएसबी)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी में नये छात्रों के नामांकन और प्रमाणपत्र सत्यापन की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। नामांकन में छात्रझ्छात्राओं की सुविधा केलिए विश्वविद्यालय की ओर से एकल खिड़की व्यवस्था की गई है। इसकेलिए विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में स्टॉल लगाकर नामांकन के सभी कार्य एक ही जगह किये जा रहे हैं। दूसरे राज्यों से नामांकन के लिए आने वाले छात्रों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर भी स्टाल लगाए गए हैं और दोनों ही स्टेशनों से विश्वविद्यालय आने जाने के लिए मुफ्त बस सेवा उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही विश्वविद्यालय में छात्रों एवं अभिभावकों के रहनेझ्खाने की भी उचित व्यवस्था की गई है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पी.के. प्रणव ने बताया कि कुलपति इस बात को काफी सचेत रहते हैं कि छात्र छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से नामांकन के विभिन्न चरणों को सुगमता से पूरा करने के लिए सभी स्टाल एक ही जगह लगाये गये हैं। पंजाब नेशनल बैंक की ओर से भी स्टाल लगाया गया है ताकि छात्र अपना बैंक एकाउंट खोल सके और यदि किसी को आर्थिक समस्या हो तो उन्हें बैंक की ओर स्टूडेंट लोन एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में देश के 27 राज्यों से छात्र नामांकन के लिए आते है ऐसे में उन्हें किसी भी तरह की कोई समस्या न हो इसकी विशेष व्यवस्था की गई है। कुलसचिव ने कहा कि कुलपति डॉ. पी.एस. पांडेय छात्रों के नामांकन को लेकर लगातार अपडेट ले रहे हैं। विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी हार्टिकल्चर, बीएससी फिशरीज, बीटेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, बीएससी कम्यूनिटी साइंस सहित अन्य आठ स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषयों में नामांकन की प्रक्रिया कल भी चलेगी। समाचार लिखे जाने तक सभी विषयों में समेकित रूप से लगभग साठ प्रतिशत से अधिक सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। मंगलवार को नामांकन के उपरांत यदि सीटें खाली रह जायेगी तो दूसरे राउंड की काउंसलिंग कराई जा सकती है । गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में सभी सीटों पर नामांकन सीयूइटी परीक्षा में प्राप्त रैंक एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की काउंसलिंग के बाद की जाती है। विश्वविद्यालय की लगातार बढ़ रही रैंकिंग एवं यहां के छात्रों के विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता को देखते हुए देश भर के उत्कृष्ट छात्र यहां नामांकन के लिए लालायित रहते हैं।

नामांकन प्रक्रिया का जायजा लेते पदाधिकारी।

बीड़ी-तंबाकू मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई तेज करने के संकल्प के साथ 13वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में नई राष्ट्रीय परिषद का गठन, के. विश्वनाथन अध्यक्ष,गजनफर नवाब महासचिव , रामविलास शर्मा - कोषाध्यक्ष निर्वाचित

दलसिंहसराय एनएसबी—ऑल इंडिया बीड़ी सिगार टुबैको फेडरेशन का 13वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन दलसिंहसराय जिला परिषद के डाक बंगला परिसर में प्रतिनिधि सत्र के साथ सम्पन्न हो गया। दूसरे दिन आयोजित प्रतिनिधि सत्र की अध्यक्षता तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंडल कॉ. नसीम अंसारी, भारती न्यायपल्ली एवं नवेंदु घोर ने की। सत्र की शुरूआत एटक के राज्य अध्यक्ष कॉ. गजनफर नवाब द्वारा शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के साथ हुई। सम्मेलन में दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और योगदान को याद किया गया।स्वागत समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार समीर ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए दलसिंहसराय के गौरवशाली औद्योगिक एवं मजदूर आंदोलन के इतिहास को रेखांकित किया और कहा कि वर्तमान सरकार पूरी तरह मजदूर-किसान विरोधी नीतियों पर चल रही है और कॉरपोरेट घरानों के हितों को प्राथमिकता दे रही है। बीड़ी उद्योग गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि इस उद्योग को धीरे-धीरे बंद करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने बीड़ी मजदूरों के रोजगार और अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक संघर्ष की आवश्यकता पर बल दिया।प्रतिनिधि सत्र का उद्घाटन कॉ. ऊषा सहनी ने किया। जिसमें 16 राज्यों से 137 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में कुल पाँच प्रस्ताव पारित किए गए। जिसमें दलसिंहसराय की बंद पड़ी सिगरेट फैक्ट्री को पुनः चालू कराने का प्रस्ताव प्रमुख रहा। इस दौरान ऑल इंडिया बीड़ी सिगार टुबैको फेडरेशन के महासचिव कॉ. के. विश्वनाथन ने संगठन की कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिस पर विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इसी क्रम में 39 सदस्यीय नई राष्ट्रीय परिषद का गठन भी सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें कॉ. के. विश्वनाथन को अध्यक्ष, कॉ. गजनफर नवाब को महासचिव, कॉ. मो. नसीम एवं कॉ. सरोजनी आचार्य को उपाध्यक्ष, कॉ. नवेंदु धरा, कॉ. मो. मुशर्रफ एवं कॉ. भारती न्यायपल्ली को सचिव तथा कॉ. रामविलास शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

बालिकाओं के मानसिक और सामाजिक उत्थान के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित

सरायरंजन , एनएसबी। क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू के सहयोग से जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र के अख्तियारपुर स्थित बालिका ट्यूशन केंद्र पर बालिकाओं के मानसिक और सामाजिक उत्थान के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में मुख्य रूप से 'गलत संगत और मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों' पर गंभीर चर्चा की गई। वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल जहाँ ज्ञान का साधन है, वहीं इसका अनियंत्रित उपयोग किशोरियों के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में एकाग्रता की कमी, मानसिक तनाव और शारीरिक बीमारियाँ बढ़ रही हैं। छात्राएं सोशल मीडिया और रील्स की आभासी दुनिया में उलझकर अपने वास्तविक लक्ष्यों से भटक रहे हैं। चर्चा के दौरान गलत संगति के प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया। बालिकाओं को समझाया गया कि उम्र के इस पड़ाव पर अच्छे और सकारात्मक विचारों वाले मित्रों का साथ होना बेहद जरूरी है। गलत संगत न केवल पढ़ाई को प्रभावित करती है, बल्कि नैतिक मूल्यों का भी पतन करती है। कार्यक्रम के अंत में ट्यूशन केंद्र की छात्राओं ने मोबाइल का सीमित उपयोग करने और केवल रचनात्मक व शैक्षणिक कार्यों के लिए हीं स्क्रीन का सहारा लेने का संकल्प लिया। संस्था की ओर से बालिकाओं को समय प्रबंधन और आत्म-अनुशासन के गुर भी सिखाए गए। मौके पर बलराम चौरसिया, रविन्द्र पासवान, दिनेश प्रसाद चौरसिया, प्रेरणा कुमारी, किरण कुमारी, ललिता कुमारी, वीणा कुमारी, हर्ष मोहन कुमार उपस्थित थे।

सेवा निवृत शिक्षक के निधन पर शोक

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। बंगराहा पंचायत के वार्ड-11 (मधुबन टोल) निवासी एवं मिडिल स्कूल बढ़ौना के एचएम सुनील कुमार सिंह के पिता सेवानिवृत्त शिक्षक चन्द्रधारी सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। और कुछ दिनों से अस्वस्थ्य चल रहे थे।उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी मिलते ही अंतिम दर्शन को लेकर उनके घर भीड़ लगी रही। प्रधानाध्यापक रमेश रजक, जयराज पासवान, रामनरेश प्रसाद, मनोज कुमार, चंद्रेश्वर कुमार, दिनेश पासवान शंकर दास, कुमार रंजन, धर्मेंद्र कुमार,कुंजन कुमार आदि ने पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर शोक जताया।

अंतिम सोमवारी पर विद्यापतिधाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को भक्त और भगवान की मिलन स्थली विद्यापतिधाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। ऐतिहासिक उगना महादेव मंदिर परिसर से लेकर आसपास का पूरा इलाका बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। रविवार की देर रात से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सोमवार को अहले सुबह दो बजे से ही पूरा मंदिर परिसर शिवभक्तों से पट गया। तेज धूप और उमस भरी गर्मी भी श्रद्धालुओं के उत्साह को नहीं डिगा सकी। देर शाम तक भक्तों की कतार लगी रही। विभिन्न जिलों और आसपास के क्षेत्रों से करीब दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने सिमरिया, झमटिया, चमथा समेत आसपास के गंगा घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा उगना महादेव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और सुख-शांति व समृद्धि के लिए मन्नतें मांगीं। कांवड़ियों में महिलाओं, युवतियों और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की भी बड़ी भागीदारी रही। सोमवार को दिन चढ़ने के साथ सूर्य की तपिश बढ़ती गई, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था के आगे गर्मी भी बेअसर दिखी। हाथों में पूजा की थाली और गंगाजल लिए श्रद्धालु कतार में खड़े रहे। कतार में खड़े भक्त लगातार हर-हर महादेव और बोल बम का जयघोष करते रहे। मंदिर परिसर में घंटियों की आवाज और शिवभक्ति के गीतों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

जलाभिषेक को लेकर उमड़ा जन सैलाब।

निर्दिष्ट प्रपत्र में आवेदन के बावजूद मतदाता सूची में नाम नहीं होना दुखद-भूपनेश्वर राम, निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

समस्तीपुर (एनएसबी)।दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के भावी एमएलसी उम्मीदवार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मतदाता

सूची में नाम दर्ज कराने हेतु निर्दिष्ट प्रपत्र में आवेदन जमा करने के बावजूद योग्य आवेदकों का नाम प्रकाशित मतदाता सूची में अंकित नहीं होना दुखद है। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में पाया कि पुख्ता प्रमाण के साथ आवेदन जमा करने वाले योग्यताधारी शिक्षकों का नाम भी मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है। इन्होंने बताया कि विषय की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने आयुक्त कार्यालय से लेकर बिहार के मुख्य चुनाव पदाधिकारी तक संपर्क/शिकायत किया था। कार्यालय द्वारा बताया गया कि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची अघतीकरण का काम निरंतरता में होनेवाली सतत प्रक्रिया है। अतः छूटे हुए शिक्षक विहित प्रपत्र में अपना अपना आवेदन विद्यालय/ महाविद्यालय से संबंधित प्रखंड के प्रखंड स्तरीय चुनाव कार्यालय के द्वारा आवेदन पत्र लेने में टालमटोल की नीतियां अपनाई जा रही है। श्री राम ने इस आशय का एक ज्ञापन निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा।

वाया नदी के पानी बढ़ने से डूबा फसल और घर, पीड़ित परेशान

बाढ़ विस्थापित लोग।

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। प्रखंड के दियारा क्षेत्र में गंगा और उसके सहायक वाया नदी में पानी बढ़ने से प्रखंड के दियारा के चार पंचायत सहित बेगूसराय के बछवाड़ा प्रखंड के बड़ी अवादी बाढ़ की चपेट से घिर गई गई। पानी का प्रवेश खेतों में लगी फसल को डुबोने के साथ घरों में भी प्रवेश कर गया है। जिसके कारण दियारा के खेतों में लगी हरी मिर्च, हरी सब्जी के साथ धान, मकई आदि डूबने लगी है। जिससे किसानो को लाखो में छती होती दिख रहा है। वही प्रखंड के मऊ धनेशपुर दक्षिण, शेरपुर, मरवा गोपालपुर और बाजिदपुर पंचायत के दियारा भाग में वाया नदी में पानी बढ़ाने से लोग ऊंचे स्थानों की तलाश में लगे है। मुखिया दिनेश प्रसाद सिंह ने बताया कि मेरे पंचायत के वार्ड 13 बाढ़के पानी से घिर गया है। अधिकांश जगहों में घरों में पानी का प्रवेश हो गया है। फसल भी डूबने लगी है। पीड़ित लोग अपने पशु के साथ उचे स्थान की तलाश में लगे है। किसानो की फसल भी डूबना शुरू है। बावजूद प्रशासनिक व्यवस्था कुछ भी नहीं है। सीओ कुमार हर्ष ने बताया की जानकारी अपर समाहर्ता को दिया गया है। आदेश मिलते ही बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जाएगा।

मॉडल स्कूलों की राज्यस्तरीय समीक्षा में समस्तीपुर से वीसी के माध्यम से शामिल हुए जिलाधिकारी

समस्तीपुर (एनएसबी)। सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूल से संबंधित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समस्तीपुर समाहरणालय स्थित एनआईसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से जिलाधिकारी, समस्तीपुर रोशन कुशवाहा ने बैठक में भाग लिया।

बैठक में शिक्षा विभाग के संबंधित पदाधिकारी एवं मॉडल स्कूल की छात्राएं भी उपस्थित रहीं। वीसी के माध्यम से राज्यस्तर पर मॉडल स्कूलों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, पठन-पाठन की व्यवस्था, विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत संरचना तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान मॉडल स्कूल की छात्राओं ने भी संवाद में भाग लिया तथा विद्यालय में पठन-पाठन एवं उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित अपनी बातें साझा कीं। इस अवसर पर

जिलाधिकारी श्री कुशवाहा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के सभी मॉडल स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्यालयों में नियमित एवं प्रभावी पठन-पाठन के साथ-साथ स्वच्छता, पेयजल, प्रयोगशाला, शौचालय सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को दुरुस्त एवं क्रियाशील रखने पर विशेष जोर दिया।

श्री कुशवाहा ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल के साथ आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को विद्यालयों की आवश्यकताओं का नियमित अनुश्रवण करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

कॉन्फ्रेंस हॉल में डीएम व अन्य।

बूढ़ी गंडक में नहाने के दौरान बुजुर्ग डूबे, तलाश जारी

समस्तीपुर कार्यालय एनएसबी। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर घाट पर सोमवार को बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के दौरान करीब 60 वर्षीय बुजुर्ग गहरे पानी में चले गए और डूबने के बाद लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही घाट पर अफरा-तफरी मच गई।लापता बुजुर्ग की पहचान मोहनपुर वार्ड संख्या-13 निवासी करीब 60 वर्षीय त्रिवेणी सहनी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वे नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नदी में काफी खोजबीन की, लेकिन बुजुर्ग का कोई पता नहीं चल सका। स्थानीय निवासी संतोष सहनी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कल्याणपुर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।पुलिस ने घटना की जानकारी एनडीआरएफ टीम को भी दी है।

संक्षिप्त खबरें

परसाही गांव में केन्द्रीय विद्यालय के लिए प्रस्तावित जमीन पर उक्त विद्यालय खोले जाने की मांग

लदनियां (एनएसबी)। प्रखंड के लोगों ने परसाही गांव में केन्द्रीय विद्यालय के लिए प्रस्तावित जमीन पर उक्त विद्यालय खोले जाने की मांग की है। सभी शर्तों को पूर्ण करने वाली नो ऑब्जेक्शन वाली जमीन पर लोकहित में विद्यालय खोले जाने के लिए डीएम को ज्ञापन सौंपा गया है। पत्रानुसार प्रशासन के द्वारा सीओ की

नो ऑब्जेक्शन रिपोर्ट को यह बताकर कर खारिज किया गया कि परसाही गांव का प्रस्तावित भूखण्ड वन विभाग का है। जबकि आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार उक्त जमीन वन विभाग की नहीं है। उक्त गांव का प्रस्तावित भूखण्ड केन्द्रीय विद्यालय संगठन के द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप है। लेकिन राजनीतिक कारणवश उक्त प्रस्तावित केन्द्रीय विद्यालय परसाही की जगह झंझारपुर अनुमंडल में शिफ्ट कर दिया गया है। लदनियां के लोग प्रशासन के इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हैं। कहा कि यहां केंद्रीय विद्यालय बनने से सभी समाज के लोगों के शिक्षा के प्रति ललक पैदा होगी। लोगों में जागरूकता आएगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में सुभाष राय, मनोज वर्मा, प्रमोद कुमार यादव, सुशील सिंह, दिलीप कुमार, रामकुमार ठाकुर, सिद्धिनाथ सिंह, रंजीत यादव, राहुल राय, विलक्षण सिंह समेत अन्य थे।

पूजा समिति की बैठक इंद्र मोहन झा फिर बने अध्यक्ष

बिस्फी (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के परसौनी उत्तरी पंचायत स्थित बलि लाल झा तालाब के भिंडा पर अवस्थित शिव दुर्गा मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता इंद्र मोहन झा ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी समिति के कार्यों की सराहना करते हुए. उसी समिति को 2026 की दुर्गा पूजा श्रद्धापूर्वक संपन्न कराने को लेकर अपनी मोहर लगा दी. साथ ही सभी पुराने व नए पदाधिकारी को उनके कार्यों की जिम्मेदारी सोप दी गई. जानकारी हो कि परसौनी में 44 वर्षों से पारंपरिक और भव्य रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन होता आ रहा है. पूर्व की भाति इस वर्ष भी सर्वसम्मति से स्थानीय समाजसेवी इंद्र मोहन झा को पूजा समिति का अध्यक्ष, बसंत कुमार झा को महासचिव एवं मुरली झा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया. बैठक में विचार विमर्श के बाद दुर्गा पूजा 2026 को शांतिपूर्ण श्रद्धा भाव से संपन्न कराने को लेकर कई प्रस्ताव पारित किए गए. इसके अलावा कमेटी को सुचारू रूप से चलने, मेले के व्यवस्था को भव्य रूप देने, श्रीमद् देवी भागवत कथा सुचारू रूप से कराने, कलश यात्रा के साथ मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराने पर विचार की गई. बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि इस वर्ष भी पूजा और मेले का आयोजन पूरी तरह शांति सौहार्द और भव्यता के साथ किया जाएगा. श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे. इस मौके पर समिति के कई लोग उपस्थित थे.

गांजा तस्करी मामले में पूर्व पैक्स अध्यक्ष गिरफ्तार, बाइक के स्वामित्व को लेकर उठे सवाल

मधुबनी । (एनएसबी)। गांजा बरामदगी के एक पुराने मामले में बासुकी बिहारी उत्तरी पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष नसीब नारायण झा को मधवापुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि, मामले में उनकी भूमिका को लेकर कई सवाल भी सामने आ रहे हैं।पुलिस के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में एसएसबी द्वारा एक लावारिस बाइक से करीब पांच किलोग्राम नेपाली गांजा बरामद किया गया था। बाइक और गांजा को आगे की कार्रवाई के लिए मधवापुर थाना पुलिस को सौंपा गया था।

जांच के दौरान बाइक का रजिस्ट्रेशन नसीब नारायण झा के नाम पर पाया गया। इसी आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। हालांकि, नसीब नारायण झा का कहना है कि उन्होंने यह बाइक वर्ष 2016 में ही दूसरे व्यक्ति को बेच दी थी। उनके पास बाइक बिक्री से संबंधित शपथ पत्र भी मौजूद है।उनका कहना है कि बाइक बेचने के बाद खरीदार द्वारा वाहन का आधिकारिक नामांतरण नहीं कराया गया। ऐसे में केवल रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज रहने के आधार पर उन्हें गांजा तस्करी से जोड़ना उचित नहीं है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बरामदगी के समय बाइक पर सवार दोनों संदिग्ध मौके से फरार हो गए थे और नसीब नारायण झा के मौके पर मौजूद होने की बात सामने नहीं आई है।थानाध्यक्ष सन्नी कुमार मौसम के अनुसार, वाहन का रजिस्ट्रेशन अब भी नसीब नारायण झा के नाम पर है तथा वैध ट्रांसफर रिकॉर्ड पुलिस को उपलब्ध नहीं कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूर्व पैक्स अध्यक्ष की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि बाइक का रजिस्ट्रेशन उनके नाम पर होना और गांजा तस्करी में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

जन-जन तक पहुंचेगी पीएम सूर्य घर योजना, जागरूकता शिविरों का होगा आयोजन

सोलर अपनाएं, सब्सिडी पाएं : पीएम सूर्य घर योजना को लेकर डीएम का निर्देश
अधिकारी स्वयं लगाएं सोलर, तभी आमजन को मिलेगा प्रेरणाह्व : डीएम आनंद शर्म'

मधुबनी(एनएसबी)। पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक लोगों को योजना से लाभान्वित कराने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को पीएम सूर्य घर योजना के प्रति स्वयं आगे बढ़कर पहल करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी अपने-अपने घरों की छतों पर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाएं तथा अपने विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। जब सरकारी कार्यालयों से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मी स्वयं इस योजना से जुड़ेंगे तो आम लोगों में भी इसके प्रति विश्वास एवं जागरूकता बढ़ेगी।बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने विभागों की ओर से पीएम सूर्य घर योजना के संबंध में आम जनता को जागरूक करने के लिए शिविरों का आयोजन करें। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को सोलर पैनल लगाने से होने वाले लाभ तथा योजना के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी।इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जागरूकता शिविरों में आवश्यकता अनुसार विद्युत विभाग के अधिकारी एवं कर्मी आम लोगों को योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी, सोलर पैनल एवं अन्य आवश्यक विकल्पों के चयन, आवेदन की प्रक्रिया तथा योजना से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराएंगे।मौके पर उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना न केवल लोगों को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगी, बल्कि विद्युत खर्च में भी कमी लाने में सहायक होगी। सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी एवं व्यापक जन-जागरूकता के माध्यम से जिले में योजना का लाभ अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।इस अवसर पर सिविल सर्जन, मधुबनी, जिला उत्पाद पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिले के सभी विद्युत कार्यपालक अभियंता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सावन के अंतिम सोमवार पर डीएम-एसएसपी ने देर रात भैरवा स्थान मंदिर पहुंचकर लिया सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था का जायजा

मधुबनी (एनएसबी)। सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिले में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने देर रात भैरवा स्थान मंदिर का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने बलहा घाट से भैरवा स्थान मंदिर परिसर तक श्रद्धालुओं के आवागमन, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था का नजदीक से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं की भी जानकारी ली तथा यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया कि मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को

भैरवा उगना महादेव स्थान में पूजा अर्चना करते डीएम, एसएसपी

किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से संचालित होनी चाहिए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जाए।

जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही निगरानी एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। उपस्थित अधिकारियों को सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश देते हुए पूरी तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं को लगातार बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को स्थिति पर निरंतर नजर रखने तथा किसी भी आवश्यकता की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने भैरवा स्थान मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना भी की तथा जिलेवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, बेनीपट्टी सारंग पाणि पाण्डेय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाईचारे और सौहार्द के माहौल में संपन्न हुआ उगना महादेव श्रावणी मेला, प्रशासन की भूमिका की सराहना

मेले में कैंप करते डीएम एसएसपी

मधुबनी (एनएसबी)। सदियों से सामाजिक समरसता की धरती एवं भाईचारे की मिशाल भैरवा स्थित उगना महादेव मंदिर परिसर में आयोजित श्रावणी मेला एवं जलाभिषेक कार्यक्रम के शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न होने पर राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि विष्णुदेव सिंह यादव ने जिला एवं पुलिस प्रशासन की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।श्री यादव ने कहा कि श्रावणी मेला शुरू होने से पूर्व ही जिलाधिकारी आनंद शर्मा, एसएसपी योगेंद्र कुमार एवं ग्रामीण एसपी शिवम धाकड़ के नेतृत्व में प्रशासन द्वारा लगातार शांति समिति की बैठकें आयोजित की गईं। प्रशासनिक अधिकारियों ने दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों एवं आम लोगों के बीच सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखने को लेकर लगातार संवाद स्थापित किए तथा आवश्यक दिशा-निर्देश एवं अपील जारी की। सांसद प्रतिनिधि श्री यादव ने एसडीएम सारंग पानि पांडेय, डीएसपी अमित कुमार, बीडीओ बसंत कुमार, तत्कालीन सीओ संतोष कुमार , वर्तमान सीओ शैलेंद्र कुमार, बिस्फी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, पतौना अध्यक्ष अनुराग कुमार एवं औंसी अध्यक्ष जिला एवं पुलिस प्रशासन, शांति समिति के सदस्यों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से इतना बड़ा धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।श्रद्धालुओं ने भी अनुशासन एवं सौहार्द का परिचय देते हुए प्रशासन का सहयोग किया।

पत्रकार राम कुमार यादव के माता का निधन

लदनियां।(एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के दोनवारी गांव निवासी पत्रकार राम कुमार यादव के माता का निधन कल रात्रि लगभग 8-30 बजे हो गया। राजो देवी,पति रामाशीष यादव, उम्र लगभग 70 वर्ष का निधन घर पर ही हुआ है। उन्होंने अपने पिछे तीन पुत्र क्रमशः राम कुमार यादव, रविन्द्र कुमार यादव, एवं अरविंद कुमार यादव, छोड़ गयी है। मुखाग्नि जेष्ठ पुत्र राम कुमार यादव ने दिया। लोगों ने शोक-संवेदना व्यक्त किया है। शोक-संवेदना व्यक्त करने वाले में मुखिया नवीन कुमार यादव, धर्म विजय कुमार यादव, बिरेंद्र कुमार यादव, भारत कुमार यादव, मुखिया प्रतिनिधि अमर बहादुर कामत, सरपंच बिरेंद्र कुमार यादव प्रमुख है।

आमजनों की समस्याएं सुनीं, त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

शिकायत सुनते जिलाधिकारी

मधुबनी, (एनएसबी)। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने समाहरणालय परिसर में सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत ह्यह्यसबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत अपने कार्यालय कक्ष में आमजनों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस जनसंवाद कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों में होने वाली कठिनाइयों को दूर करना तथा प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए दर्जनों लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जितेंद्र कुमार ठाकुर प्रखंड पंडौल निवासी ने जमीन के नाम पर पैसा लेकर धोखा करने को लेकर शिकायत किया। विजय शंकर चौधरी ने अंधराठाढ़ी प्रखंड के अंधरा गाँव सुगरवे नदी में लघु सिंचाई विभाग द्वारा अधूरे छोड़े गए जलापूर्ति कार्य को पूरा कराकर नियमित जलापूर्ति कराने हेतु आवेदन दिया। वही ग्राम बाथ प्रखंड मधेपुर निवासी हरिशंकर झा ने बंदरों के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों को सुरक्षा प्रदान करने, वन विभाग द्वारा बंदरों को पकड़े जाने एवं प्रभावितों को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आवेदन दिया। ग्राम पंचायत बरसाम प्रखंड मधेपुर में पदस्थापित पंचायत सचिव श्री दुर्गेश कुमार एवं तकनीकी सहायक के अनुपस्थित रहने, अभद्र व्यवहार करने तथा विकास कार्य बाधित करने के संबंध में शिकायत किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने कक्षों में उपस्थित होकर जिले भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए। उल्लेखनीय है कि सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत ह्यह्यसबका सम्मान-जीवन आसानह्लह्ल कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सम्मानपूर्वक उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराना तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जन-हितैषी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाना है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर "सहयोग शिविर" का आयोजन किया जाता है। यह पूरी तरह ऑनलाइन व्यवस्था है, जिसके माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निर्धारित अवधि में निष्पादन किया जाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी शिकायतों के समाधान हेतु "सहयोग" पोर्टल पर घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करें।

हर हर महादेव की जय घोष से गूंजता रहा उगना शिवालय परिसर

नेपाल दरभंगा, शिवहर, सीतामढ़ी से पहुंचे शिव भक्तो ने किया जलाभिषेक

बिस्फी (एनएसबी)। श्रावण मास की चौथी व अंतिम सोमवारी के अवसर पर भैरवा घाम स्थित ऐतिहासिक उगना महादेव शिवालय में शिव भक्तो का जन सैलाब उमड़ पड़ा अहले सुबह से ही मिथिलांचल की विभिन्न क्षेत्रों के अलावा दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी, नेपाल से आए शिव भक्तों ने देवाधिदेव बाबा उगना महादेव का उत्साह पूर्वक हर्षोल्ल्लास के वातावरण में जलाभिषेक किया. शिव भक्तों की लंबी लाइन बलहा घाट से लेकर उगना शिवालय तक लग गया. शिवालय परिसर पूरे दिन भर हर हर महादेव और बोल बम की जय घोष से गुजता रहा. शिव भक्त घौस नदी से जल भरकर एवं मंदिर परिसर स्थित पवित्र सरोवर का जल लेकर बाबा उगना महादेव पर गंगाजल, दूध, मधु, शनि पत्र, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प, अक्षत अर्पित कर सुख समृद्धि एवं परिवार की मंगल कामना की. भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन एवं मंदिर प्रबंधन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी. डीएम आनंद शर्मा, एसएसपी योगेंद्र कुमार, ग्रामीण एसपी शिवम धाकड़,एडीएम मुकेश रंजन झा ,एसडीएम शारंग पाणि पांडेय, डीएसपी अंकुर कुमार, बीडीओ बसंत कुमार सिंह, सीओ शैलेंद्र कुमार यादव ,समिति के

पूजा अर्चना करते श्रद्धालु

अध्यक्ष सुशील कुमार सुमन ने भी जलाभिषेक व पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों के लिए मंगल कामना की.वही श्रावणी मेला शांतिपूर्णण संपन्न करने को लेकर सभी को बधाई और शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिया. प्रशासन के लोग शिव भक्तों की सुरक्षा एवं सुविधा पर ध्यान रख रहे थे.कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वॉच टावर , जगह-जगह बैरिकेडिंग, मेटर डिटेक्ट, पुलिस कर्मी, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी और नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए थे. मौके पर बीपीआरओ शेखर कुमार, एमओ कौशल कुमार मंडल, वीएओ कौशल कुमार सिंह, राजस्व पदाधिकारी सविता कुमारी, सीडीपीओ अहमद रजा खॉं, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी हमीद गफूर, थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, अनुराग कुमार, आदित्य कुमार भगत सहित भारी संख्या में पुलिस बल उपस्थित थे.

सावन की आखिरी सोमवारी पर भी गरीबनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

अंतिम सोमवारी पर बाबा नगरी मे प्रवेश करती शिवभक्तों की टोली।

बाबा के जलाभिषेक के लिए मंदिर परिसर मे उमड़ा श्रद्धांलुओं का सैलाब।

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते जिलाधिकारी-एसएसपी।

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। सावन महीने की चौथी और अंतिम सोमवारी पर भी बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धांलुओं की भीड़ को देखते हुए रविवार की रात 12 बजे से जलाभिषेक का शुरू हुआ सिलसिला सोमवार की दोपहर तक जारी रहा। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के अनुसार चौथी और अंतिम सोमवारी पर भी रविवार की मध्य रात्रि से सोमवार की दोपहर तक डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धांलुओं ने बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक किया। अंतिम सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए काँवरिया भक्तों का बाबा की नगरी में प्रवेश का सिलसिला शाम से शुरू हुआ।

दूसरी और तीसरी सोमवारी की तुलना में काँवरियों की संख्या कम होने के कारण अधिकांश काँवरिया रविवार दिन का समय दर्शनिया धर्मशाला सहित काँवरिया मार्ग के अन्य सेवा शिविरों में ही विश्राम करके गुजारा। जबकि नगर के ठहराव स्थल पर रविवार की दोपहर तक काफी कम काँवरिया नजर आए। लेकिन शाम होते ही नगर क्षेत्र में काँवरियों की भीड़ बढ़ने लगी और रात दस बजे तक मंदिर के समीप हजारों काँवरियो की लंबी कतार लग गई। रात साढ़े ग्यारह बजे डाकबम काँवरियों का पहला जत्था मंदिर परिसर में प्रवेश किया। डाकबम काँवरियो की टोली के पहुंचते ही रात 12 बजे से जलाभिषेक आरंभ करा दिया गया। रात बीतने के साथ हीं मंदिर परिसर में काँवरियों की भीड़ बढ़ती गई। स्थिति को देखते हुए मौके पर मौजूद जिलाधिकारी कुमार गौरव और एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने मंदिर परिसर में डियूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियो और पदाधिकारियों को भीड़ नियंत्रण करते हुए जलाभिषेक के लिए भीड़ को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही भीड़ नियंत्रण में लगे विभिन्न सेवा दल के सदस्यों को महिलाओ की भीड़ और कतार को संभालने में लगाया। स्वयं दोनों अधिकारी काँवरिया भक्तों से कतारबद्ध होकर हीं आगे बढ़ते हुए जलाभिषेक कर बाहर निकलने की अपील करते रहे, जिसके कारण मंदिर परिसर में भारी भीड़ के बावजूद सभी श्रद्धांलुओं ने व्यवस्थित तरिके से जलाभिषेक किया और यह व्यवस्था अंतिम समय तक जारी रही।

डाक काँवरियो को मंदिर परिसर तक पहुंचाने में पुलिसकर्मियों के साथ साथ विभिन्न सेवादल के सदस्यों ने भी सराहनीय भूमिका निभाई। व्यवस्थित तरिके से जारी जलाभिषेक के बीच पूरा मंदिर परिसर हर हर महादेव, बोलबम और बाबा गरीबनाथ के जयकारे से गूँजता रहा और श्रद्धालू उत्साहित हो जयकारा लगाते रहे। मेला क्षेत्र में लोगों की भीड़ के मद्देनजर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल स्थिति की निगरानी में लगे रहे। एसडीओ के नेतृत्व में अधिकारियो की टीम सीसीटीवी कैमरे और क्षेत्र में भ्रमणशील पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर स्थिति की पल पल जानकारी लेते रहे। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए बाबा गरीबनाथ मंदिर के सामने अर्घा के माध्यम से श्रद्धालुओं से जलाभिषेक कराया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ-साथ भक्तों को बाबा के दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसर में एलईडी स्क्रीन की भी व्यवस्था की गई थी। जिसके जरिए श्रद्धालु बाबा गरीबनाथ का दर्शन कर अभिभूत होते रहे। चौथी सोमवारी पर उमड़ने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगातार माइकिंग कर श्रद्धालुओं को जरूरी निर्देश दिए जाते रहे। मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार स्थिति का जायजा लेते नजर आए। एसडीपीओ टाउन-1 सुरेश कुमार और एसडीएम पूर्वी आनंद उत्सव भी मौके पर मौजूद रहे और कांवरियों की सेवा एवं व्यवस्थाओं की निगरानी करते दिखाई दिए। बाबा गरीबनाथ धाम मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि बाबा गरीबनाथ के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बढ़ रही है। स्थानीय श्रद्धालु भी लगातार बाबा गरीबनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। भक्त पूजा-अर्चना कर बाबा का आशीर्वाद ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाबा के जलाभिषेक के लिए यहां आने वाले श्रद्धांलुओं की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। इस बार श्रद्धांलुओं का रिकार्ड तोड़ आगमन हुआ है। उन्होंने बताया कि सावन माह की अंतिम सोमवारी का धार्मिक मान्यताओं में विशेष महत्व माना गया है। इसी कारण बाबा गरीबनाथ धाम में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे हैं और बाबा का जलाभिषेक कर रहे हैं।

डेढ़ लाख से अधिक भक्तों ने किया जलाभिषेक

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा को लेकर सजग और सतर्क रहा प्रशासन, व्यवस्थित माहौल मे श्रावणी मेला हुआ संपन्न

अर्घा के माध्यम से बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक करते काँवरिया।

संक्षिप्त खबरें

बिहार विधानसभा प्राक्कलन समिति, अध्ययन दल-2 की टीम ने जिला पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। बिहार विधानसभा प्राक्कलन समिति, अध्ययन दल-2 की टीम मुजफ्फरपुर पहुंची। टीम मे शामिल समिति के सदस्यों ने जिला पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ स्थानीय सर्किट हाउस मे समीक्षा बैठक की। टीम मे शामिल बिहार विधानसभा प्राक्कलन समिति के सदस्य सह कांटी विधायक ई अजीत कुमार समेत अन्य सदस्यों ने बैठक के दौरान जिले में संचालित विकास योजनाओं की प्रगति, कार्यों की गुणवत्ता, स्वीकृत राशि के उपयोग, निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं योजनाओं के वास्तविक लाभ की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। टीम के सदस्यों ने अधिकारियों से योजनाओं से संबंधित आवश्यक अभिलेख एवं अद्यतन रिपोर्ट प्राप्त कर उनकी वस्तुस्थिति की जांच पर भी चर्चा की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने स्थानीय परिषदन में पौधारोपण भी किया एवं फलदार आम एवं अन्य फलों के पौधे लगायें। इस दौरान समिति के सदस्य सह कांटी विधायक अजीत कुमार समेत अन्य सदस्यों ने कहा कि हमारा उद्देश्य स्पष्ट है कि सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराई गई राशि का सही एवं प्रभावी उपयोग हो और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। साथ ही समिति सदस्यों ने कहा कि मुजफ्फरपुर के विकास से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ रखते हुए जनहित में आवश्यक सुझाव एवं मुद्दे समिति के समक्ष रखने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। टीम के सदस्यों ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इस मौके पर प्राकालन समिति के सदस्य सह विधायक अजीत कुमार, बेबी कुमारी, आनंद मिश्रा, एमएलसी रविंद्र प्रसाद सिंह सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी गण मौजूद थे।

जिलाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारियो के साथ परिसदन मे समीक्षा बैठक करते विस प्रककलन समिति अध्ययन दल 2 की टीम।

बाबा गरीबनाथ धाम में स्वास्थ्य मंत्री ने जलाभिषेक किया, राज्य की सुख-समृद्धि के लिए की कामना

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। पवित्र सावन मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार मुजफ्फरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ धाम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया तथा राज्य की जनता के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर पहुंचने पर एनडीए के स्थानीय नेताओं ने उमका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं का अभिवादन भी स्वीकार किया और सभी को सावन की अंतिम सोमवारी की शुभकामनाएं दीं। वही मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने विधि विधान के साथ स्वास्थ्य मंत्री को पूजा एवं जलाभिषेक कराया। मंत्री निशांत कुमार के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था की गई थीं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मौके पर मौजूद जदयू नेताओं से संगठन को लेकर चर्चा की तथा कार्यकर्ताओ को सक्रियता बढ़ाने को कहा। मंदिर परिसर मे स्थानीय कुछ एनडीए नेताओं से मुलाकात करने के बाद वे वहां से निकल गए।

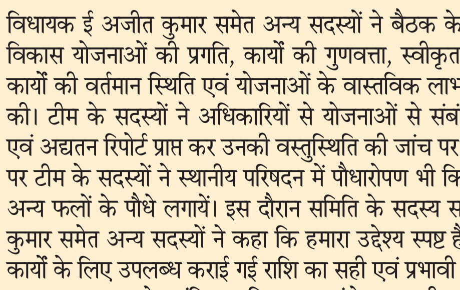

सावन की अंतिम सोमवारी पर बाबा खगेश्वर नाथ के जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बंदरा प्रखंड अंतर्गत मतलूपुर के प्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर अहले सुबह से ही यहां काँवरिया शिवभक्तों का आगमन शुरू हो गया। वहीं विभिन्न क्षेत्रों से शिवभक्त गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और बाबा खगेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। अहले सुबह से शुरू हुआ जलाभिषेक दोपहर तक जारी रहा, इस दौरान सैंकड़ो श्रद्धांलुओं ने विधि-विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। मंदिर परिसर में पूरे दिन मेला लगा रहा, जिसमें बड़ी संख्या मे इलाके के लोग परिवार के साथ पहुँचे लोगों ने पूजा अर्चना के साथ मेला का आनंद लिया श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

सोमवारी पर जलार्पण से पहले दो युवक डूबे

मुसहरी के आथर घाट पर हादसा, एक की मौत

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मुसहरी थाना क्षेत्र के आथर घाट पर सोमवार को जलबोझी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। नदी में स्नान और जल उठाने के दौरान दो युवक गहरे पानी में डूब गए। हादसे के बाद घाट पर अफरातफरी मच गई और चीख-पुकार शुरू हो गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को पानी से बाहर निकाला। इनमें से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों और कांवरियों ने मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद एक युवक का शव पानी से बाहर निकाला गया। वहीं दूसरे युवक को गंभीर हालत में निकालकर तत्काल एसकेएमसीएच भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही मुसहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ काफी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का आरोप है कि आथर घाट पर जलबोझी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे थे, इसके बावजूद घाट पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। घाट पर न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही एनडीआरएफ या एसडीआरएफ की टीम की तैनाती की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मौके पर प्रशिक्षित बचाव दल और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था मौजूद रहती तो हादसे के शिकार युवक की जान बचाने में मदद मिल सकती थी। एसडीआरएफ की टीम नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों और गोताखोरों को ही अपनी जान जोखिम में डालकर नदी में उतरना पड़ा। वही घटना के बाद व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जिले के सभी प्रमुख घाटों पर जलबोझी और धार्मिक आयोजनों के दौरान बैरिकेडिंग, गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

गहरे पानी में डूबे ; घाट पर अफरातफरी मच गई और चीख-पुकार शुरू हो गई

सीढ़ी घाट पर जल भरने गया 9वीं का छात्र नदी में डूबा

बचाव में विलंब होने पर परिजनों और कांवरियों का हंगामा

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। नगर के सीढ़ी घाट पर सोमवार को धनेश्वर नाथ मंदिर में जलार्पण के लिए नदी से जल भरने के दौरान 16 वर्षीय किशोर बूढ़ी गंडक नदी के गहरे पानी में डूब गया। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। बचाव कार्य शुरू होने में देरी का आरोप लगाते हुए परिजनों और मौके पर मौजूद कांवरियों ने जमकर हंगामा किया। नदी मे डूबे किशोर की पहचान तुर्की थाना क्षेत्र के लदौरा निवासी सतेंद्र साह के 16 वर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। ऋषभ नौवीं कक्षा का छात्र था। बताया गया कि वह अपने अन्य साथी युवकों के साथ धनेश्वर नाथ मंदिर में जलार्पण के लिए सीढ़ी घाट पर जल भरने पहुंचा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। जल भरने के दौरान अचानक ऋषभ का पैर फिसल गया या पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण वह गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देखकर साथ आए युवकों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी की गहराई और तेज बहाव के कारण वह पानी में ओझल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ऋषभ के परिजन रोते-बिलखते सीढ़ी घाट पहुंचे। परिजनों का आरोप था कि हादसे के काफी देर बाद तक प्रभावी बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया। गोताखोरों की टीम के समय पर नहीं पहुंचने से आक्रोशित परिजनों और कांवरियों ने घाट पर हंगामा किया और प्रशासनिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई। हंगामे की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश की जा रही थी। खबर लिखे जाने तक उसका पता नहीं चल सका था। घटना को लेकर लदौरा गांव मे मातम और परिवार मृतक के घर में कोहराम मचा है।

धनेश्वर नाथ मंदिर में जलार्पण के लिए से पहले मौत

मनियारी एमआरएस हाईस्कूल सहित 21 विद्यालयों में विकास कार्यों का पर्यटन मंत्री ने किया उद्घाटन

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मनियारी एमआरएस हाई स्कूल सहित कुल 21 विद्यालयों में विकास कार्यों का क्षेत्रीय विधायक सह राज्य के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 8 विद्यालयों में दो-दो कमरों के निर्माण तथा 13 विद्यालयों में मरम्मती एवं विद्युतीकरण कार्य शामिल हैं। कमतौल हाई स्कूल, तुर्की हाई स्कूल, कुढ़नी हाई स्कूल, छाजन, मोहनी यूएमवी, रतनौली यूएचएस, मरीचा बाघी सहित अन्य विद्यालयों में ये विकास कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर मंत्री श्री गुप्ता ने कहा कि इन कार्यों से विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है, हमारा संकल्प है कि कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों को बेहतर, सुसज्जित एवं सुविधायुक्त बनाया जाए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अभिषेक कुमार प्रिंस, मुखिया अवधेश सहनी, पूर्व मुखिया सुरेंद्र सिंह, अवध चौधरी, पवन चौधरी, रामू गुप्ता, विनोद दास, अजय पासवान तथा बीएसईडीसी के सहायक अभियंता राकेश कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

बूढ़ी गंडक में मां-बेटे का शव मिला

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। अहियापुर थाना क्षेत्र के चंदवारा घाट के समीप सोमवार को बूढ़ी गंडक नदी से मां और बेटे का शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों शव आपस में कपड़े की रस्सी से बंधे हुए मिले। मृतकों की पहचान सीतामढ़ी जिले की मूल निवासी 35 वर्षीय पिंकी देवी और उनके 17 वर्षीय पुत्र आदर्श रौशन के रूप में हुई है। बताया गया है कि आदर्श मुजफ्फरपुर में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था और अपनी मां के साथ किराये के मकान में रहता था। जानकारी के अनुसार रविवार शाम मां-बेटे स्कूटी से घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान चंदवारा घाट के पास बूढ़ी गंडक नदी के बांध पर उनकी स्कूटी लावारिस हालत में मिली। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर अहियापुर थानाध्यक्ष शरत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नदी और आसपास के इलाके में देर रात तक खोजबीन की। बाद में एसडीआरएफ की टीम की मदद से नदी में तलाशी अभियान चलाया गया। इसके बाद नदी से मां-बेटे के शव बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, दोनों के शव कपड़े की रस्सी से आपस में बंधे हुए थे। हालांकि, स्थानीय लोगों ने दोनों को नदी में छलांग लगाते हुए नहीं देखा था। ऐसे में घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस आत्महत्या, हादसा या किसी अन्य वजह समेत सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान पुलिस महिला के मकान मालिक और परिजनों से पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिंकी देवी पिछले कुछ दिनों से परेशान चल रही थीं, हालांकि उनकी परेशानी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस महिला और उसके बेटे के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्य और घटनास्थल से मिले अन्य सुरागों की जांच कर रही है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कपड़े की रस्सी से बंधे मिले दोनों, रविवार की देर शाम घाट के समीप लावारिस हालत में मिली थी स्कूटी

विद्या साथी ऐप से जुड़ेंगे मुजफ्फरपुर के 21 मॉडल स्कूलों के 6 हजार विद्यार्थी

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में 24x7, 1:1 इंटरैक्टिव प्लेटफार्म बिहार विद्या साथी का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का जिला स्तर पर लाइव प्रसारण जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में समाहरणालय सभागार में किया गया। इसके साथ ही जिले के सभी 21 सरस्वती विद्या निकेतन में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बिहार विद्या साथी ऐप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी और कहीं से भी पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य के सभी 38 जिलों के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों से शुरू की गई इस पहल से करीब तीन लाख विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। मुजफ्फरपुर जिले के 21 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों में अध्ययनरत करीब छह हजार विद्यार्थी इस ऐप से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मॉडल विद्यालयों की कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 24७7 निःशुल्क लाइव शिक्षक की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों को 60 सेकेंड के भीतर लाइव शिक्षक से जुड़ने और अपनी पसंद के शिक्षक से पढ़ने का अवसर मिलेगा। पढ़ाई के दौरान पाठ से संबंधित किसी भी समस्या का त्वरित समाधान प्राप्त किया जा सकेगा। ह्यबिहार विद्या साथीह्ल में एआई टूल्स के माध्यम से कॉन्सेप्ट लर्निंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों को अध्यायवार टेस्ट, मॉडल टेस्ट और प्रैक्टिस सेट के साथ अपनी लर्निंग प्रगति एवं टेस्ट स्कोर को ट्रैक करने की सुविधा मिलेगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के कमजोर विषयों की पहचान भी की जा सकेगी। कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों के लिए सभी विषयों तथा कक्षा 11वीं और 12वीं के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के लिए लाइव ट्यूटर सपोर्ट के साथ बिहार बोर्ड, जेईई और नीट की तैयारी हेतु डिजिटल अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सरकार के उद्देश्यों और छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं के अनुरूप जिला प्रशासन सहित पूरा प्रशासनिक तंत्र सजग, तत्पर और प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि 24७7 लाइव क्लास की सुविधा विद्यार्थियों को कहीं भी और कभी भी सीखने की क्षमता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस ऋंङ्क ऐप के माध्यम से विद्यालयों को उत्कृष्ट शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

'बिहार विद्या साथी' ऐप का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ, जिला स्तर पर कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

जिला स्तर पर कार्यक्रम मे उपस्थित जिलाधिकारी एवं स्कूली बच्चे।

सीतामढ़ी जिले के 61 शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित होगा प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर

सीतामढ़ी (एनएसबी)। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं एवं शिकायतों के प्रभावी समाधान तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार संबंधी सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से सीतामढ़ी जिले में प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन दिनांक 25 अगस्त 2026 को किया जाएगा। जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित कुल 61 सरकारी शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावासों में आयोजित होने वाले इस शिविर की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

सहयोग शिविर के सफल आयोजन के मद्देनजर जिलाधिकारी द्वारा की गई समीक्षात्मक बैठक

विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं एवं सुझावों के समाधान के लिए प्रशासन ने की व्यापक तैयारी

इस संबंध में जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने सोमवार को परिचर्चा भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक की। मौके पर डीडीसी श्वेता भारती, डी ई ओ सीतामढ़ी, डीपीआरओ कमल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं सभी संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानाध्यापक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

मालूम हो कि विद्यार्थियों के हित में राज्य सरकार द्वारा की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। यदि चतुर्थ मंगलवार को अवकाश होगा तो शिविर का आयोजन अगले कार्य दिवस में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि सात निश्चय-3 के अंतर्गत ह्सबका सम्मान, जीवन आसानह्व के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह पहल विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक समस्याओं एवं शिकायतों को दर्ज करा सकेंगे। इसमें समय पर कक्षाओं का संचालन नहीं होना, शिक्षकों का समय पर कक्षा में नहीं पहुंचना अथवा अनुपस्थित रहना, समय पर परीक्षा का आयोजन नहीं होना, परीक्षाफल का समय पर प्रकाशन नहीं होना, अनधिकृत शुल्क की वसूली, बिजली, बैठने की व्यवस्था,

परिचर्चा भवन में बैठक करते जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया, डीडीसी, डीईओ, डीपीआरओ व अन्य।

प्रयोगशाला, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, कोचिंग से संबंधित समस्याएं एवं अन्य प्रकार की शिकायतें शामिल हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दे सकेंगे। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि

प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का प्राथमिकता के आधार पर डिजिटलीकरण करते हुए ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयोगी सुझावों पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए बेहतर, सुगम और जवाबदेह शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है।

विद्यार्थियों द्वारा शिकायत एवं सुझाव विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से भी दर्ज किए जा सकेंगे। संबंधित शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावासों के वास्तविक (बोनाफाइड) विद्यार्थी ही पोर्टल पर निबंधन कर सकेंगे। शिविर एवं पोर्टल पर प्राप्त शैक्षणिक सुधार संबंधी सुझावों को संबंधित प्रशासी विभाग द्वारा समेकित किया जाएगा तथा उपलब्ध योजनाओं के अंतर्गत लागू किए जा सकने वाले सुझावों पर विभागीय स्तर से कार्रवाई की जाएगी। जिले में आयोजित होने वाले प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर का संचालन दिनांक 25 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से किया जाएगा। शिविरों के सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण के लिए प्रत्येक केंद्र पर एक प्रशासनिक पदाधिकारी एवं एक पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिविरों का समय पर संचालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्राप्त सभी परिवादों को उसी दिन विद्यार्थी सहयोग शिविर पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें। सभी शिविर केंद्रों पर इंटरनेट सहित कंप्यूटर एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था की जाएगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी संबंधित संस्थानों के प्राचार्यों एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शिविरों का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। आवश्यकतानुसार शिविर स्थलों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी की जाएगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी पूरे जिले में आयोजित होने वाले विद्यार्थी सहयोग शिविरों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित करेंगे तथा शिविर आयोजन के दिन संध्या में समेकित प्रतिवेदन प्रशासी विभाग को उपलब्ध कराएंगे।सभी प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी भी दिनांक 25 अगस्त 2026 को अपने प्रभार क्षेत्र में आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविरों का भ्रमण कर शिविरों के समय पर प्रारंभ होने एवं सुचारू संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा भी शिविरों का भ्रमण किया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग शिविर में प्राप्त शिकायतों का अंतिम निष्पादन निर्धारित प्रक्रिया एवं मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अधिकतम 30 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। निस्तारित शिकायतों से असंतुष्ट विद्यार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में भी अपनी बात रखने का अवसर प्राप्त होगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित पदाधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानों एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्देश दिया है कि दिनांक 25 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले प्रथम विद्यार्थी सहयोग शिविर का सफल एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करें। विद्यार्थी सहयोग शिविर के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु निःशुल्क हेल्प लाइन नं० 1100 पर संपर्क करें।

संक्षिप्त खबरें

नदी के पास धान रोपने को गए 82 वर्षीय व्यक्ति गहरे पानी में लापता, एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

बैरगनिया/सीतामढ़ी (एनएसबी)। लालबकैया नदी के हसीमा ढाला के समीप धान रोपने को गए 82 वर्षीय एक व्यक्ति गहरे पानी में जाकर लापता हो गए है, जिसकी पहचान जमुआ पंचायत के हसीमा वार्ड-2 निवासी स्व. कृपाल बैठा के 82 वर्षीय पुत्र नंदा बैठा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नंदा बैठा खेत में धान रोपने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान ढाला के समीप नदी के गहरे पानी में चले जाने से वह लापता हो गए। घटना की सूचना पर सीओ के आदेश पर हल्का कर्मचारी रमाशंकर कुमार एवं एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और नदी में शव की तलाश शुरू कर दी। हालांकि काफी प्रयास के बावजूद अभी तक शव बरामद नहीं हो सका है। सीओ आशीष आनंद ने बताया कि एसडीआरएफ की टीम लगातार शव की तलाश कर रही है। साथ ही शिवहर जिले के अधिकारियों से भी संपर्क किया गया है और बेलवा घाट को भी घटना की सूचना दी गई है। उन्होंने बताया कि शव बरामद होते ही आवश्यक कार्रवाई कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा और बाद में परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया है कि लापता के परिवार में एक पुत्र एवं तीन पुत्रियां हैं।

पुपरी में हुआ बाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

पुपरी/सीतामढ़ी (एनएसबी)। राजबाग युवा संस्थान, पुपरी के तत्वावधान में रविवार को स्थानीय राजबाग खेल मैदान मे एकदिवसीय बाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत जूनियर आयुवर्ग के फाइनल में अजहान ब्रदर्स की टीम ने रितिक ब्रदर्स की टीम को 25-14 से तथा सीनियर आयुवर्ग के फाइनल में गौरव ब्रदर्स की टीम ने राजकुमार ब्रदर्स की टीम को 28-25 अंकों से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। रवि राज व अंगद कुमार एवं मो एहसान व मो महताब क्रमशः जूनियर व सीनियर आयुवर्ग के बेस्ट कैचर तथा बेस्ट रेडर घोषित किये गये। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप मे नागेश्वर कुमार, अनुभव कुमार कर्ण एवं रिशु कुमार की अहम भूमिका रही। संस्थान के संस्थापक अतुल कुमार एवं संरक्षक मो शाकीर हुसैन ने विजेता व उपविजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार के रूप में मेडल तथा टीम को ट्रॉफी प्रदान किया। बेस्ट कैचर व रेडर तथा निर्णायकों को भी मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन संस्थान के संस्थापक अतुल कुमार ने दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। अपने संबोधन मे उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र मे खेलकूद के विकास तथा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु राजबाग युवा संस्थान सतत प्रयत्नशील है जिस परिपेक्ष्य में इस प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन का शतप्रतिशत अनुपालन करने की नसीहत देते हुये कहा की बिना अनुशासन के हम जीवन मे कभी आगे नही बढ़ सकते हैं। मौके पर विकास कुमार, रघुवंश मणि, आयुष्मान कुमार, विवेक कुमार समेत दर्जनों खिलाड़ी उपस्थित थे।

विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों के साथ राजबाग युवा संस्थान के प्रतिनिधि व अन्य।

सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सुनीं जन समस्याएं

सीतामढ़ी (एनएसबी)। बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सात निश्चय-3 अंतर्गत सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत सोमवार को समाहरणालय स्थित विमर्श कक्ष में जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जहां परिवादों को सुना गया एवं उसके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए जिसमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना,आई सी डी एस, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सड़क, राशन कार्ड,अतिक्रमण, सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी परिवाद प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक मामले की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी श्री सुल्तानिया ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसमस्याओं के निष्पादन में जिले के सभी पदाधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल समाधान निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने कहा कि सेवा-संवाद-समाधान कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है। इससे न केवल समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया तेज हुई है, बल्कि प्रशासन के प्रति आम लोगों का भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है।

मुजफ्फरपुर व सीतामढ़ी की खबरें पेज 9 एवं 12 पर भी

मेहसौल रेल ओवरब्रिज परियोजना का जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल का किया औचक निरीक्षण, कहा-

ब्रिज का काम शीघ्र पूरा करे निर्माण एजेंसी

सीतामढ़ी (एनएसबी)। मेहसौल रेल ओवरब्रिज परियोजना को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों और कार्य एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया कि शेष बचे हुए कार्यों को हर हाल में शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आमजन को सुगम यातायात सुविधा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता,अतिक्रमण,जल जमाव एवं सुरक्षा मानकों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद अभियंताओं एवं संवेदक को निर्देशित किया कि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा कर जनता को समर्पित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा रेलवे के द्वारा बनाए जा रहे हिस्से का भी मुआयना किया। कहा कि इस बाबत रेलवे से लगातार लाइजनिंग की जा रही है। निरीक्षण के क्रम में जानकारी दी गई है कि रेलवे से जुड़े तीन स्पैन के अलावे जो भी कार्य करना है वह सभी सितंबर तक कर लिया जाना है। रेलवे द्वारा जब लॉन्चिंग कर दी जाएगी तब उसके बगल के तीनों स्पैन को तीन माह के अंदर पूरा कर देना है।

संबंधित एजेंसी द्वारा जानकारी दी गई कि सुपर स्ट्रक्चर से संबंधित बेयरिंग कोट, एक्सपेंशन जॉइंट, क्रैश बैरियर एवं आर ई वॉल का कार्य चल रहा है।

निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों और कार्य एजेंसी को निर्देश देते जिलाधिकारी।

इस परियोजना की उच्चस्तरीय समीक्षा भी की जा रही है। जिलाधिकारी ने कार्यरत एजेंसी को निर्देश दिया कि वे अपने मैनपॉवर एवं मशीनरी में वृद्धि करते हुए शेष कार्यों को हर हाल में निर्धारित समय तक तय मानकों एवं विहित गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण करें। साथ ही एजेंसी के कार्यों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी तथा लगाए गए संसाधनों का नियमित अनुश्रवण किया जाएगा। वही एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि मार्च 2027 तक शेष बचे कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे।मौके पर एसडीएम सदर आनंद कुमार, सीओ सदर अंकु गुप्ता, डीपीआरओ कमल सिंह, एजेंसी के प्रतिनिधि एवं बिहार राज्य पुल निंमाण निगम लिमिटेड के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश जदयू प्रवक्ता सह तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी अभिषेक झा का शिक्षक संवाद सह मिलन समारोह का आयोजन

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के डुमरा स्थित आवास प्रदेश जदयू प्रवक्ता सह तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी अभिषेक झा द्वारा सोमवार को संवाद सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता शिक्षक नेता राशिद हुसैन की व संचालन शिक्षक नेता शशि रंजन सुमन ने किया। समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडों के सैकड़ों शिक्षक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा वर्तमान समय में कई लंबित समस्याओं जिक्र किया गया जिसे सूचीबद्ध करते हुए सभी मुद्दों को प्राथमिकता के साथ निराकरण कराने का आश्वासन दिया गया।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री झा ने शिक्षकों से कहा की पिछले दो वर्षो से निरंतर तिरहुत के शिक्षकों की हर छोटी व बड़ी समस्याओं का निदान स्थानीय स्तर पर करता आ रहा हूं वही राज्य स्तर के समास्याओं के समाधान हेतु शिक्षक प्रतिनिधियों के साथ लगातार शिक्षा विभाग व विभागीय मंत्रालय में प्रयास जारी है। अगर आगामी चुनाव में मुझे आपसभी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ तो आगे भी आपकी सेवा करुँगा।

समारोह को शिक्षक प्रतिनिधि मो. महफूज आलम, माधव कुमार, संजीव कुमार, डॉ मनीष कुमार, मुकेश कुमार, मनीष कुमार, अंजुम रेजा, मो. जमशेद आलम, शिवेश कुमार मिश्रा, मुरारी चौधरी, मो. इमरान, राजेश कुमार झा, वीरेंद्र प्रसाद, आलोक ठाकुर, चितरंजन कुमार, उमा शंकर प्रसाद, जय मंगल सिंह, मो. इश्तेयाक, मो. कमरुद्दीन नदाफ, पिंटू झा, राजेश्वर कुमार राज, राज कुमार मिश्रा, समीर कुमार, कलीम अख्तर, एजाज अहमद, नागमनी कुमार, अशरफ कमाल, मो. तनवीर अहमद, जय प्रकाश कुमार, नूर आलम, शत्रुघन कुमार सिंह,अनिल कुमार शर्मा, अखिलेश कुमार, नरेंद्र कुमार पंडित, लालबाबू दास, अनिल पटेल, मो. नूर आलम, कुमारी लक्ष्मी, माधुरी कुमारी, अर्चना कुमारी, सहित सैकड़ों शिक्षक प्रतिनिधि मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

सीतामढ़ी (एनएसबी)। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सीतामढ़ी के निर्देश पर विभिन्न बैंकों द्वारा जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष अखिलेश कुमार झा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के डालसा प्रभारी सचिव श्री ईश्वर चंद्र अकेला सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जागरूकता रथ शहर की गलियों, सड़कों, गांवों, पंचायतों एवं प्रखंड क्षेत्रों में घूम-घूमकर ऋणधारकों के बीच प्रचार-प्रसार करेगा तथा आम लोगों एवं जरूरतमंदों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निपटारे के प्रति जागरूक करेगा।

कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, बिहार ग्रामीण बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक सहित अन्य बैंकों के अधिकारियों एवं शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि वे अपनी-अपनी शाखाओं में पक्षकारों एवं ऋणधारकों के साथ प्री-कोसिलिंग के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों का समझौते के आधार पर निष्पादन कराएं।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व ही अधिक से अधिक मामलों में समझौता एवं आवश्यक तैयारी पूरी कर ली जाए, ताकि 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में भीड़-भाड़ से बचते हुए अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके और राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके।

जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना अधिकारी।

जिलाधिकारी तनय सुलतानिया सह पदेन अध्यक्ष, सीता कुंज नगर उद्यान का समिति सदस्यों ने किया स्वागत

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सीतामढ़ी के जिलाधिकारी सह पदेन अध्यक्ष, सीता कुंज नगर उद्यान, तनय सुलतानिया का स्वागत सीता कुंज नगर उद्यान समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने किया।

समिति के सचिव प्रमोद कुमार नील, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता संजय कुमार विरर ख, कार्यकारिणी सदस्य नागेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ. टीएन सिंह, डॉ. रेणु चटर्जी, ई. राज किशोर यादव, मो. अफाक खान, सज्जन हिसारिया, रकटु प्रसाद, देवेंद्र साह, दीपक मस्कारा, डॉ. प्रतिमा आनंद, राम इकबाल साह सहित अन्य सदस्यों ने जिलाधिकारी का स्वागत किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कहा कि एक प्रखर भारतीय प्रशासनिक पदाधिकारी के रूप में जिलाधिकारी तनय सुलतानिया की कार्यशैली एवं ख्याति से लोग प्रभावित हैं। सदस्यों ने आशा व्यक्त की कि सीता कुंज नगर उद्यान के पदेन अध्यक्ष सह समाहर्ता के रूप में उनके कार्यकाल में उद्यान के सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में ठोस एवं प्रभावी कार्य होंगे।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सीतामढ़ी व शिवहर के जदयू पदाधिकारियों से की मुलाकात, संगठन की मजबूती पर जोर

सीतामढ़ी (एनएसबी)। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने सोमवार को सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले के जदयू पदाधिकारियों से औपचारिक मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान दोनों जिलों की संगठनात्मक गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा सरकार की उपलब्धियों और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

बैठक में सीतामढ़ी एवं शिवहर के जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष सहित दोनों जिलों के पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन जितना मजबूत और सक्रिय होगा, उतनी ही मजबूती से जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं विकास की सोच को पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों एवं पिछले 20 वर्षों में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।

जदयू पदाधिकारियों को संबोधित करते स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार व अन्य।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य रेखा कुमारी, विधायक पंकज मिश्रा, विधायक प्रो. नागेंद्र राउत, पूर्व मंत्री डॉ. रंजू गीता, प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक झा, सीतामढ़ी जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाहा, शिवहर जदयू जिलाध्यक्ष कमलेश पांडेय सहित कई वरीय नेता एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख रूप से जिला पार्टी प्रवक्ता प्रो. अमर सिंह, शादाब अहमद खान, सुजीत झा, शकीरुल रहमान अंसारी, डॉ. एनके शाही सहित सीतामढ़ी जिले के प्रखंड अध्यक्ष प्रहलाद महतो, राघवेंद्र कुमार सिंह, दीपक कुशवाहा, जय मंगल कुशवाह, नागेंद्र प्रसाद राय, गोपी ठाकुर, विनोद कुमार पटेल, अमित प्रकाश गोल्डी, वली अहमद खान, नीतीश्वर पटेल, संजय कुमार साह, मृत्युंजय नाथ ओझा, शंकर सिंह, सुनील सुमन एवं मुकेश कुमार यादव उपस्थित रहे।

शिवहर जिले से प्रखंड अध्यक्ष ब्रजेश गुप्ता, अरुण मिश्रा, रविंद्र कुमार सिंह, अशोक कुमार तथा जिला पार्टी नेताओं में विजय कुमार पटेल, सुदेश कुमार शाही, सुजीत कुमार सिंह, सुरेश कुशवाहा, अरशद रजी, सूफिया तस्लीम, सदरे आलम सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के अंत में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एक स्वर में जदयू के सर्वमान्य नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

जीविका दीदियों की पहल से सुलभ हुआ इलाज

सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जानकारी के अभाव में अक्सर इधर-उधर भटकना पड़ता है। उनकी इस समस्या का समाधान बनकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं जीविका दीदियां सामने आई हैं। राज्य सरकार और जीविका (बिहार ग्रामीण जीविका प्रोत्साहन समिति) के साझा प्रयासों से अस्पतालों में संचालित कुल 45 जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) पर तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में ये दीदियां लोगों को न सिर्फ बीमारी से संबंधित डॉक्टर बल्कि जांच और दवा केंद्र तक पहुंचने में बखूबी मदद कर रही हैं।

जीविका के पहले स्वास्थ्य सहायता केंद्र की स्थापना 5 सितंबर 2022 को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जेएलएनएमसीएच) में की गई थी। यहां अलग-अलग शिफ्टों में तैनात स्वास्थ्य मित्र के रूप में प्रशिक्षित यह दीदियां शिफ्ट के अनुसार लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद करती हैं। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पहुंचने वाले लोगों को यह दीदियां बिना किसी भटकाव सीधे डॉक्टर का चेंबर और जांच, दवा केंद्र तक पहुंचाने में मदद करती हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए इसका राज्य भर में तेजी से विस्तार किया गया। वर्तमान आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में स्थापित 45 केंद्रों में से 35 सहायता केंद्र राज्य के बड़े सरकारी जिला अस्पतालों में और 10 सहायता केंद्र प्रमुख चिकित्सा महाविद्यालयों (मेडिकल कॉलेजों) एवं अस्पतालों में क्रियान्वित हैं।

सरकारी अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेजों में संचालित सहायता केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय जीविका महिला संकुल स्तरीय संघ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) द्वारा स्वास्थ्य मित्रों का चयन किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद अस्पतालों में अलग-अलग शिफ्टों में तैनात ये स्वास्थ्य मित्र मरीजों की सहूलियत के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हैं। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़े सदस्यों या उनके परिजनों के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में स्वास्थ्य मित्र निर्धारित प्रपत्र (फर्म) में मरीजों का पूरा विवरण दर्ज करते हैं और उनकी आवश्यकतानुसार हर संभव मदद सुनिश्चित करते हैं।

अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को परामर्श, बीमारियों की जांच, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, रक्त (ब्लड) एवं अक्सीजन का प्रबंध के साथ मरीजों के लिए भोजन की व्यवस्था कराने में जीविका दीदियां (स्वास्थ्य मित्र) सीधे तौर पर सहयोग करती हैं। इसके अलावा, बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ये स्वास्थ्य मित्र अस्पताल प्रशासन, डक्टरों, नर्सों, एएनएम, रेडियोलजी व पैथोलजी कर्मियों एवं पंजीकरण कर्मचारियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर कार्य करते हैं।

अस्पतालों में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य में हो रहे सुधार का नियमित रूप से अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) किया जाता है। आगे के परामर्श और फलो-अप इलाज के लिए डॉक्टरों से समन्वय कराने का काम भी स्वास्थ्य मित्र करते हैं। इस व्यवस्था से दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाले ऐसे गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले अस्पतालों की जटिल प्रक्रियाओं और भाग-दौड़ के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जीविका की यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को आसान बना रही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा का एक अनूठा मडल भी पेश कर रही।

श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग) कहते है कि राज्य के अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्था का सीधा लाभ हमारे गरीब और ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों को मिल रहा है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि इलाज के लिए आने वाले हर व्यक्ति को त्वरित और सहज सहायता मिले, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई या बिचौलियों का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य सेवाओं में यह सुधार जनता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

खाद्य पदार्थ में मिलावट बड़ी चुनौती

संजीव ठाकुर।

भारत में त्योहार केवल धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के अवसर नहीं हैं, वे परिवार, समाज और आत्मीयता को जोड़ने वाले उत्सव भी हैं। दीपावली की मिठाई हो, होली की गुझिया, रक्षाबंधन की मिठाई, जन्माष्टमी का प्रसाद अथवा किसी विवाह और सामाजिक समारोह में परोसे जाने वाले पकवान भारतीय जीवन में खाद्य पदार्थों का अपना विशेष भावनात्मक महत्व है।

लगभग 141 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में त्योहारों के दिनों में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग अचानक कई गुना बढ़ जाती है। यही वह समय है जब कुछ असंवेदनशील व्यापारी उपभोक्ता की आस्था और विश्वास को अपने मुनाफे का माध्यम बना लेते हैं। मिलावट खोरी कितने व्यापक स्तर पर की जाती है कि यह सिर्फ दिवाली होली ही दिया क्रिसमस पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के खाद्यान्न में मिलावट होती, दूध में मिलावट, मसाले में मिलावट, हल्दी में मिलावट, मिर्ची में मिलावट, चाय पत्ती में मिलावट, मिलावट का यह जहर अब जनमानस की रोजमर्रा की जिंदगी के खाद्या पदार्थ में होने लगी है । इससे न सिर्फ सेहत खराब होती है बल्कि लोगों की मौत तक हो जाती है। खाद्य पदार्थों में मिलावट केवल व्यापारिक बेईमानी नहीं है। यह मनुष्य के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ है। जब कोई व्यक्ति जानबूझकर दूध, खोया, घी, पनीर, तेल, मसाले अथवा मिठाइयों में ऐसी सामग्री मिलाता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, तब उसका अपराध सामान्य धोखाधड़ी से कहीं अधिक गंभीर हो जाता है। इसलिए खाद्य मिलावट को जघन्य सामाजिक अपराध के रूप में देखने की आवश्यकता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने स्वयं स्वीकार किया है कि त्योहारों के दौरान मिठाई, नमकीन, दूध और दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट का आर्थिक प्रलोभन भी बढ़ता है। इसी कारण प्राधिकरण राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को विशेष निगरानी तथा प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश देता रहा है।

मुनाफे के लिए स्वास्थ्य से खिलवाड़ : मिलावट का मूल कारण केवल लालच नहीं, बल्कि ऐसा बाजार-तंत्र भी है जिसमें उपभोक्ता को अक्सर यह पता नहीं होता कि उसने जो खरीदा है, वह वास्तव में किस गुणवत्ता का है। त्योहारों के समय मांग अधिक होती है और समय कम। दुकानों पर भीड़ होती है, ग्राहक ब्रांड और स्वाद देखकर खरीदारी करता है और उत्पादन की प्रक्रिया उसके लिए अश्य रहती है। यहीं मिलावटखोर अपने अवसर तलाशते हैं। दूध की जगह घटिया पदार्थ, खोये में गैर-मानक सामग्री, घी में दूसरे तेलों की मिलावट, मिठाइयों में अनधित रंग, पुराने या खराब कच्चे माल का इस्तेमाल तथा स्वच्छता के मानकों की अनदेखी जैसी प्रवृत्तियां उपभोक्ता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विशेष चिंता दूध और दूध से बने उत्पादों को लेकर है, क्योंकि खोया, मावा, पनीर, घी और उनसे बनी मिठाइयां त्योहारों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होती हैं।भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने समय-समय पर इन्हीं उत्पादों को लेकर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

कानून है, फिर भी डर क्यों नहीं : यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि देश में खाद्य मिलावट रोकने के लिए कानून नहीं है। वास्तव में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 ने खाद्य सुरक्षा के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा बनाया है। इसका उद्देश्य खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री को नियंत्रित करते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराना है।

कानून में असुरक्षित खाद्य पदार्थों के लिए दंड का भी प्रावधान है। यदि असुरक्षित भोजन से कोई चोट नहीं होती तो भी दंड और कारावास का प्रावधान है गैर-गंभीर चोट, गंभीर चोट और मृत्यु की स्थिति में दंड क्रमशः अधिक कठोर होता जाता है। मृत्यु होने पर कम-से-कम सात वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक और कम-से-कम दस लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इसी प्रकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मिलावटकारी पदार्थ रखने पर दस लाख रुपये तक के दंड का प्रावधान है।

फिर प्रश्न उठता है यदि कानून इतना स्पष्ट है, तो मिलावट का भय समाज में पर्याप्त क्यों दिखाई नहीं देता इसका उत्तर कानून की अनुपस्थिति से अधिक कानून के प्रभावी और निरंतर क्रियान्वयन में छिपा है।

समस्या कानून की नहीं, अमल की भी है : खाद्य सुरक्षा व्यवस्था केंद्र और राज्यों की संयुक्त जिम्मेदारी वाले व्यापक प्रशासनिक ढांचे में काम करती है। निरीक्षण, नमूने लेना, प्रयोगशाला परीक्षण, अभियोजन और दंड की प्रक्रिया में अनेक स्तर हैं। यदि किसी स्तर पर विलंब हुआ तो मिलावटखोर के विरुद्ध कार्रवाई की गति धीमी हो सकती है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में केंद्रीय और राज्य स्तर पर कुल 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए, जबकि 2022-23 में यह संख्या 1,15,273 थी। यह प्रवर्तन गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। लेकिन केवल नमूने लेना पर्याप्त नहीं है। नमूने कितनी तेजी से प्रयोगशाला में पहुंचते हैं, परीक्षण कितने समय में पूरा होता है, असुरक्षित उत्पाद की बिक्री तत्काल रुकती है या नहीं, दोषी के विरुद्ध मुकदमा कितनी तेजी से चलता है और अंततः दंड कब मिलता है ये सभी प्रश्न उतने ही महत्वपूर्ण हैं। स्वयं भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की केंद्रीय सलाहकार समिति ने राज्यों में प्रवर्तन नमूने लेने के लक्ष्यों और वास्तविक नमूनों के बीच अंतर को पाटने, असुरक्षित नमूने विफल होने पर बिक्री रोकने और आवश्यक होने पर रिकल प्रक्रिया शुरू करने पर जोर दिया है। अर्थात व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता स्वयं नियामक तंत्र के दस्तावेजों से भी स्पष्ट होती है।

त्योहारों से पहले नहीं, पूरे वर्ष निगरानी : मिलावट रोकने की सबसे बड़ी भूल यह है कि उसे केवल दीपावली, होली या किसी अन्य बड़े त्योहार से जोड़कर देखा जाए। त्योहारों के पहले विशेष अभियान निश्चित रूप से आवश्यक हैं, लेकिन मिलावटखोरी साल भर चल सकती है।

त्योहार आने से एक सप्ताह पहले छापेमारी और नमूना परीक्षण करके समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यकता है कि खाद्य कारोबारियों की जोखिम आधारित सतत निगरानी हो। जिन दुकानों, उत्पादन इकाइयों या आपूर्ति श्रृंखलाओं में पहले अनियमितताएं मिली हों, उन्हें उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखकर अधिक बार निरीक्षण किया जाना चाहिए।

साथ ही आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब, डिजिटल नमूना ट्रैकिंग, प्रयोगशाला रिपोर्ट की अनलाइन निगरानी और संदिग्ध उत्पादों के त्वरित रिकल जैसी व्यवस्थाएं खाद्य सुरक्षा को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण पहले से है फूड एंड सेफ्टी ऑन व्हील्स जैसी मोबाइल प्रयोगशाला व्यवस्था का उपयोग करने की बात अपने त्योहार-विशेष अभियानों में करता रहा है।

मिलावटखोर के साथ आपूर्ति-श्रृंखला भी जांच के घेरे में हो,अक्सर कार्रवाई केवल उस दुकानदार तक सीमित रह जाती है जहां से नमूना लिया गया। लेकिन मिलावट की वास्तविक जड़ कई बार उत्पादन या थोक आपूर्ति के स्तर पर हो सकती है। इसलिए जांच को केवल खुदरा दुकान तक सीमित न रखकर पूरी आपूर्ति-श्रृंखला तक ले जाना होगा कच्चे माल के स्रोत से लेकर निर्माता, थोक विक्रेता, परिवहनकर्ता और अंतिम विक्रेता तक। दोष सिद्ध होने पर केवल छोटे दुकानदार को दंडित करने से उस संगठित तंत्र पर प्रभाव नहीं पड़ेगा जिसने मिलावट की व्यवस्था बनाई है।

इसके साथ ही लाइसेंस और पंजीकरण व्यवस्था को भी गंभीरता से लागू करना आवश्यक है। खाद्य कारोबार के लिए लाइसेंसिंग और पंजीकरण से संबंधित नियम पहले से मौजूद हैं।

कठोर कानून से अधिक जरूरी है निश्चित दंड : कठोर कानून तभी प्रभावी होता है जब अपराधी को यह विश्वास हो कि अपराध करने पर बच निकलना कठिन है। दस लाख रुपये का जुर्माना कागज पर बड़ा दिखाई दे सकता है, लेकिन यदि करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार करने वाला व्यक्ति कानूनी प्रक्रिया में वर्षों तक बचा रहता है, तो दंड का भय कमजोर पड़ जाता है। इसलिए आवश्यकता केवल दंड बढ़ाने की नहीं, बल्कि त्वरित और निश्चित दंड की है। गंभीर मिलावट के मामलों के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था, समयबद्ध परीक्षण और अभियोजन, दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस निलंबन या स्थायी निरस्तीकरण तथा दोबारा अपराध करने वालों के लिए और कठोर कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए।

जहां मिलावट से गंभीर बीमारी, स्थायी शारीरिक क्षति अथवा मृत्यु होती है, वहां अपराध की गंभीरता के अनुरूप आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। किसी परिवार के सदस्य की बीमारी या मृत्यु को केवल 'व्यावसायिक चूक' कहकर छोड़ देना न्याय के साथ अन्याय होगा।

उपभोक्ता भी बने जागरूक प्रहरी : सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी सबसे बड़ी है, लेकिन उपभोक्ता की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अत्यधिक चमकीली मिठाई, असामान्य रूप से कम कीमत, बिना लेबल वाले पैक्ड उत्पाद, संदिग्ध प्रतिष्ठान और बिल देने से बचने वाले विक्रेता चेतावनी के संकेत हो सकते हैं।

उपभोक्ता को खरीदारी का बिल लेना चाहिए, पैक्ड उत्पाद पर लेबल, निर्माण तिथि, समाप्ति तिथि और अन्य आवश्यक जानकारी देखनी चाहिए तथा संदिग्ध खाद्य पदार्थ के संबंध में संबंधित खाद्य सुरक्षा विभाग को शिकायत करनी चाहिए। लेकिन उपभोक्ता जागरूकता को प्रशासन की जिम्मेदारी का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। यह कहना कि 'जनता स्वयं सावधान रहे', पर्याप्त उत्तर नहीं है। नागरिक कर और कीमत दोनों चुका रहा हैय बदले में उसे सुरक्षित भोजन प्राप्त करने का अधिकार है।

मिलावट के विरुद्ध सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता : मिलावट केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, नैतिकता का प्रश्न भी है। जिस मिठाई को कोई पिता अपने बच्चे के लिए प्रेम से खरीदता है, उसमें जानबूझकर हानिकारक पदार्थ मिलाना उस विश्वास की हत्या है। जिस प्रसाद को कोई श्रद्धालु ईश्वर को अर्पित करता है, उसमें मिलावट करना केवल ग्राहक को नहीं, उसकी आस्था को भी धोखा देना है।

अतः खाद्य मिलावट के विरुद्ध सरकार, प्रशासन, व्यापारिक संगठनों, उपभोक्ता संस्थाओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और समाजसभी को मिलकर अभियान चलाना होगा। ईमानदार व्यापारियों को भी आगे आना चाहिए। क्योंकि कुछ मिलावटखोरों के कारण पूरा खाद्य व्यापार संदेह के घेरे में आता है। खाद्य कारोबारियों के लिए यह समझना आवश्यक है कि मुनाफा कमाना अपराध नहीं है, लेकिन मुनाफे के लिए मनुष्य के स्वास्थ्य को खतरे में डालना निश्चित रूप से अपराध है। खाद्य पदार्थ मनुष्य के जीवन की मूल आवश्यकता हैं। इसलिए भोजन में मिलावट सामान्य अपराध नहीं हो सकती। यह सीधे नागरिक के शरीर, स्वास्थ्य और जीवन पर हमला है। देश में कानून मौजूद है, नियामक संस्थाएं मौजूद हैं और प्रवर्तन अभियान भी चलाए जाते हैं, फिर भी चुनौती यह है कि इन व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक, त्वरित और जवाबदेह बनाया जाए। त्योहारों की मिठास तभी सार्थक है, जब उसमें स्वाद के साथ विश्वास भी सुरक्षित हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तम्भकार हैं।)

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आरक्षण के भविष्य का रोडमैप

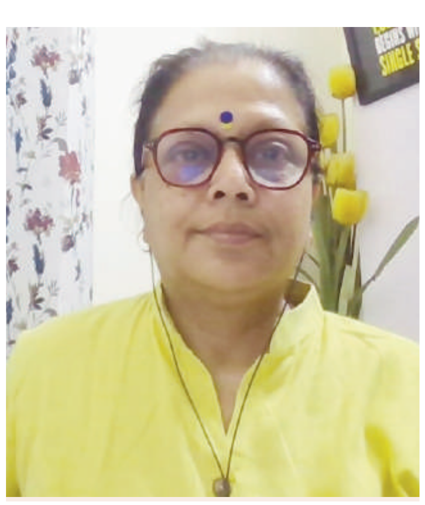

बी कृष्णा

(ज्योतिष, योग एवं आध्यात्मिक चिंतक)

जंतर मंतर पर शुरू हुआ 'आरक्षण हटाओ' आंदोलन अब केवल एक विरोध प्रदर्शन भर नहीं रह गया है। इसकी पृष्ठभूमि में यूजीसी रेगुलेशन एक्ट को लेकर उपजा असंतोष है, जिसने आरक्षण व्यवस्था को लेकर लंबे समय से असंतोष रखने वाले सवर्ण समाज को मुखर होने का अवसर दिया। इस कानून को लेकर उनके भीतर केवल वर्तमान अवसरों को लेकर चिंता नहीं, बल्कि अपनी अगली पीढ़ी के भविष्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को लेकर भी आशंका और असुरक्षा का भाव दिखाई दे रहा है। यही चिंता धीरे धीरे रोष में बदली और अब जंतर मंतर पर आंदोलन के रूप में सामने आ रही है।

इस आंदोलन का सबसे चौंकाने वाला और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका समर्थन केवल सवर्ण समाज तक सीमित दिखाई नहीं दे रहा है। अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्गो के कुछ समूहों की ओर से भी इसके समर्थन की बात सामने आ रही है। इससे आरक्षण का प्रश्न पारंपरिक सवर्ण बनाम आरक्षित वर्ग के विमर्श से आगे बढ़कर एक व्यापक सामाजिक बहस का रूप लेता दिखाई देता है। क्या यह समर्थन आरक्षण की पूरी व्यवस्था के विरोध का संकेत है, अथवा वर्तमान व्यवस्था की कुछ विसंगतियों और उसके प्रभावों को लेकर उभरते असंतोष का यह प्रश्न इस आंदोलन को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है।

दूसरी ओर, सरकार की ओर से इस आंदोलन को फिलहाल संवाद और मांगों को व्यवस्थित रूप से सामने रखने के माध्यम से संभालने की रणनीति दिखाई दे रही है। मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले के आरक्षण के समर्थन में आए स्पष्ट वक्तव्यों ने भी सरकार के रुख को काफी हद तक स्पष्ट कर दिया है। चिराग पासवान ने 22 अगस्त 2026 को पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मोदी सरकार के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरक्षण के प्रश्न पर अपना रुख बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि आरक्षण को समाप्त करने की बात तो दूर, आरक्षण की समीक्षा भी हमें कभी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आरक्षण किसी को दी गई खैरात नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है। वहीं रामदास आठवले ने आरक्षण को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग का विरोध किया है।

इस प्रकार एक ओर आंदोलन आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था पर प्रश्न उठा रहा है, तो दूसरी ओर सरकार के भीतर से ही उसके समर्थन में स्पष्ट राजनीतिक स्वर सुनाई दे रहे हैं।

यहीं से कई महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आते हैं। क्या सरकार इस आंदोलन को संवाद और प्रतीक्षा की रणनीति के माध्यम से नियंत्रित कर पाएगी, या इसे टालने की नीति आने वाले समय में उसके लिए नई राजनीतिक और सामाजिक चुनौती बन सकती है क्या जंतर मंतर से उठी यह आवाज आने वाले दिनों में और व्यापक होगी क्या आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था में कोई बड़ा परिवर्तन होने के संकेत हैं और सबसे महत्वपूर्ण, क्या आरक्षण का यह मुद्दा भाजपा के लिए भी ऐसी असहज राजनीतिक स्थिति उत्पन्न कर सकता है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में दिखाई दे।

> इस आंदोलन का सबसे चौंकाने वाला और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसका समर्थन केवल सवर्ण समाज तक सीमित दिखाई नहीं दे रहा है। अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्गो के कुछ समूहों की ओर से भी इसके समर्थन की बात सामने आ रही है। इससे आरक्षण का प्रश्न पारंपरिक सवर्ण बनाम आरक्षित वर्ग के विमर्श से आगे बढ़कर एक व्यापक सामाजिक बहस का रूप लेता दिखाई देता है।

इन प्रश्नों को केवल वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं होगा। आरक्षण की इस पूरी कहानी को समझने के लिए हमें इतिहास के गलियारों में जाकर अतीत की यात्रा करनी होगी। इसकी जड़ें स्वतंत्र भारत से कहीं पहले तक जाती हैं। वर्ष 1902 में कोल्हापुर के छत्रपति शाहू महाराज द्वारा पिछड़े वर्गो के लिए आरक्षण की व्यवस्था से लेकर 1921 में मद्रास प्रेसीडेंसी में लागू किए गए सामुदायिक प्रतिनिधित्व और 1932 के पूना समझौते तक इसकी प्रारंभिक यात्रा दिखाई देती है। स्वतंत्र भारत में 1951 का प्रथम संविधान संशोधन, 1953 में काका कालेलकर आयोग, 1979 में मंडल आयोग, 1992 में इंद्रा साहनी मामले में सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक निर्णय और अंततः 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो (इडब्लूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण तक आरक्षण की व्यवस्था लगातार नए चरणों से गुजरती रही है।

स्वतंत्र भारत के बाद आरक्षण की इस यात्रा को यदि ज्योतिषीय दृष्टि से देखें, तो इसमें बुध, शनि और शुक्र की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण दिखाई देती है। इसलिए स्वतंत्र भारत में आरक्षण से जुड़े प्रमुख मोड़ों को समझने के लिए इन तीन ग्रहों की स्थिति को विशेष रूप से देखना आवश्यक होगा।

वहीं गोचर में भी एक दिलचस्प और बार बार उभरता हुआ समीकरण दिखाई देता है। यह समीकरण है शनि, मंगल और गुरु के बीच एक विशेष कोणीय संबंध का बनना। आरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मोड़ों के आसपास इन तीनों ग्रहों की परस्पर स्थिति को देखें तो एक खास पैटर्न बार बार सामने आता है।

वर्तमान समय की बात करें तो सितंबर 2026 के बाद एक बार फिर शनि-मंगल-गुरु का वही विशेष संबंध सक्रिय होता दिखाई देता है। इस अवधि में इन ग्रहों के पारस्परिक संबंध से शनि को विशेष बल मिलने का संकेत बनता है। ऐसे में सितंबर के बाद आंदोलन के अधिक आक्रामक और संगठित रूप लेने की संभावना दिखाई देती है।

इसका प्रभाव राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी पड़ सकता है। सरकार के लिए यह अवधि चुनौतीपूर्ण हो सकती है। यदि इस समय आरक्षण से जुड़े प्रश्नों पर सरकार पुनर्विचार, संवाद अथवा किसी ठोस पहल की दिशा में आगे नहीं बढ़ती, तो सितंबर के बाद उसकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संकेत 2028 से जुड़ता दिखाई देता है। उस समय भारत की दशा मंगल-शनि की होगी और गोचर में गुरु, मंगल और शनि के बीच एक विशेष संबंध बनेगा। ऐसे में 2026 में जंतर मंतर से शुरू हुआ यह आंदोलन 2028 तक केवल एक विरोध प्रदर्शन के रूप में सीमित रहने के बजाय अपने निर्णायक चरण में पहुंचता दिखाई देता है। 2028 इस आंदोलन के लिए ऐसा मोड़ बन सकता है, जहां आरक्षण के प्रश्न पर लंबे समय से चल रही बहस और संघर्ष का ठोस परिणाम सामने आए। दूसरे शब्दों में, 2026 में उठी आवाज 2028 में अपने निर्णायक पड़ाव तक पहुंच सकती है और आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था को लेकर कोई बड़ा नीतिगत अथवा कानूनी निर्णय सामने आ सकता है।

यानी 2026 से शुरू हुई यह कहानी केवल तत्कालीन राजनीतिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं दिखाई देतीय 2028 इसका परिणाम सामने आने का वर्ष बन सकता है।

इसी क्रम में भाजपा के लिए भी एक महत्वपूर्ण और रोचक संकेत उभरता है। 2028 पार्टी के भीतर बड़े बदलाव, पुनर्सरचना का समय भी बनता दिखाई देता है। नेतृत्व, संगठन, राजनीतिक रणनीति स्तर पर बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है।

रक्षाबंधन केवल उपहारों का नहीं, बल्कि जीवनभर साथ रहने वाली अच्छी आदतों को साझा करने का भी पर्व है : डा. सोनिया दत्ता

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और आपसी देखभाल का पर्व है। यह त्योहार उपहारों, मिठाइयों और पारिवारिक मेल-मिलाप की खुशियों से जुड़ा हुआ है। हालांकि, यह हमें उन छोटे लेकिन महत्वपूर्ण तरीकों की भी याद दिलाता है जिनसे परिवार के सदस्य हर दिन एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं। प्रख्यात डेंटिस्ट डा. सोनिया दत्ता के अनुसार, परिवार द्वारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाने वाली सबसे मूल्यवान सौगातों में से एक है अच्छी मौखिक स्वच्छता (ओरल हाइजीन) की आदत। डा. दत्ता ने कहा, दिन में दो बार ब्रश करना, मौखिक स्वच्छता बनाए रखना और नियमित रूप से दांतों की देखभाल जैसी अच्छी आदतें अक्सर घर से ही शुरू होती हैं। ये आदतें माता-पिता से बच्चों और बड़े भाई-बहनों से छोटे भाई-बहनों तक पहुंचती हैं। सही ओरल केयर उत्पादों के चयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डा. दत्ता ने कहा कि आयुर्वेद-आधारित उत्पाद दैनिक मौखिक स्वच्छता को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

डाबर रेड टूथपेस्ट में पुदीना सत्व की ताजगी, तोमर बीज के एंटीसेप्टिक एवं जीवाणुरोधी गुण, तथा मरिच (काली मिर्च) के पारंपरिक सफाई और जीवाणुरोधी लाभ शामिल हैं। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की 'सील अफ एक्सेप्टेंस' से मान्यता प्राप्त यह टूथपेस्ट परिवार की दैनिक मौखिक देखभाल दिनचर्या का एक भरोसेमंद हिस्सा बन सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर सीखते हैं। अच्छी मौखिक देखभाल की आदतें एक दिन में नहीं बनतीं। ये नियमित अभ्यास और परिवार से मिलने वाले सकारात्मक प्रोत्साहन के माध्यम से धीरे-धीरे विकसित होती हैं। माता-पिता की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को कम उम्र से ही दांतों और मसूड़ों की देखभाल का महत्व समझाएं।

अंत में डा. दत्ता ने कहा, जब परिवार रक्षाबंधन का त्योहार एक साथ मनाते हैं, तब यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि देखभाल और स्नेह के सबसे सार्थक रूप अक्सर सबसे सरल होते हैं। आज अपने भाई-बहन या बच्चों को अच्छी मौखिक स्वच्छता की आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करना उनके स्वस्थ और उज्ज्वल मुस्कान भरे भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

व्रत-त्योहार

चौथी सोमवारी पर हर-हर महादेव से गूंजे शिवालय

सावन मास की चौथी व अंतिम सोमवारी पर पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, द्वादशी तिथि, प्रीति योग एवं आयुष्मान योग के पुण्यकारी संयोग में मनायी गई । शिव के प्रिय सावन की सोमवारी पर भक्तों ने भोले बाबा के साथ मां गौरी की भी असीम कृपा पाने के लिए पूजा-अर्चना किए । अंतिम सोमवारी पर श्रद्धालुओं ने मंदिर व घरों में अपने सामर्थ्य के अनुसार पार्थिव शिवलिंग, स्फटिक शिवलिंग, नर्मदेश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती का भव्य श्रृंगार कर आरती किया। शिवालयों में त्रिपुण्ड लगायें भक्त सुबह से जलार्पण को पहुंचने लगे थे। श्रावण शुक्ल द्वादशी में चौथी सोमवारी पर तंत्रेश्वर सदाशिव का पूजन हुआ । धार्मिक मान्यता है कि शिव क इस रूप की पूजा करने से शिव सभी प्रकार के बाधाओं को हर लेते है ।

आयुष्मान योग में मंदिरों में हुआ जलाभिषेक

युग्म संयोग में मनी चौथी सोमवारी

आचार्य राकेश झा ने कहा कि सावन मास के शुक्लपक्ष की द्वादशी में चौथी सोमवारी पर प्रीति एवं आयुष्मान योग का युग्म संयोग बना था । ऐसे शुभ संयोग में सनातन धर्मावलंबियों ने शिव के साथ पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, कीर्तिमुख, नवग्रह, चन्द्रमा, नंदी, नाग सहित अन्य शिव गण की भी पूजा हुई । इसके अलावे पवित्र गंगा मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाकर दूध, दही, पंचामृत, गंगाजल, फूल, बेलपत्र, इत्र आदि से पूजा किया गया । महादेव की पूजा के बाद भक्तों ने नंदी के कान में अपनी मनोकामना को सुनाया । शिव गण में नंदी सबसे प्रिय व करीब है, इसीलिए उनको अपने कामना बताने से जल्द पूर्ण होते है ।

विजय राघव मंदिर में हुआ शिव श्रृंगार पूजा

सावन के चौथी सोमवारी पर केसरी नगर के अजंता कलोनी स्थित श्री विजय राघव मंदिर को फूल माला तथा कई प्रकार के विद्युत बल्बों से सजाया गया था। सोमवारी पर अहले सुबह से श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। पुरे दिन मंदिर परिसर में हर-हर महादेव, नमः शिवाय, बोल बम की गूंज के साथ मधुर संगीत, भजन, आरती की गूंज सुनायी दे रही थी । मंदिर में पुरे दिन जलार्पण के बाद पुजारी पंडित संजय तिवारी के अगुआई में संध्या काल में शिव के साथ शिव परिवार का मनोहारी श्रृंगार पूजा हुआ। श्रद्धालु देर रात तक महादेव के भव्य श्रृंगार का दर्शन करते रहे । शिव श्रिंगा रपुज एके बाद भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण हुआ ।

शिव के प्रिय सावन की सोमवारी पर भक्तों ने भोले बाबा के साथ मां गौरी की भी असीम कृपा पाने के लिए पूजा-अर्चना किए ।

दैनिक नवसंदेश

वायस 4 बिहार डॉटकाम की इकाई, दैनिक नवसंदेश (डेली डिजिटल न्यूज पेपर), स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक- यू. सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी, रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ, पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित ।

इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में लगेगा विद्यार्थी सहयोग शिविर

25 अगस्त को जिले के 57 शैक्षणिक संस्थानों में होगा पहला विद्यार्थी सहयोग शिविर

विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर कभी भी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे परिवाद

मोतिहारी(एनएसबी)। सात निश्चय-3 के अंतर्गत ष्सबका सम्मान- जीवन आसानष के लक्ष्य को ष्टिपथ पर रखते हुए विद्यार्थियों के लिए दिनांक 25.8.2026 से प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को सभी सरकारी शैक्षिक संस्थानों यथा विश्वविद्यालय, अंगीभूत महाविद्यालय, अभियंत्रण महाविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पलिटेक्निक, आईटीआई, पैरामेडिकल महाविद्यालय, नर्सिंग स्कूल, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावास, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के छात्रावास, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के छात्रावास, कस्तूरबा गांधी छात्रावास एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन मुकवधिर विद्यालय में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। चतुर्थ मंगलवार को अवकाश घोषित होने की स्थिति में यह शिविर अगले कार्य दिवस को आयोजित किया जाएगा। राज्य सरकार से प्राप्त पत्र के आलोक में जिलाधिकारी श्री

बैठक में उपस्थित लोग।

सौरभ सुमन यादव के द्वारा विद्यार्थी सहयोग शिविर के आयोजन को लेकर प्रशासनिक पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। दिनांक 25.08.2026 का विद्यार्थी सहयोग शिविर पूर्वी चंपारण जिला के कुल 57 संस्थानों में आयोजित कराया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग शिविर को लेकर आज पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित ड राजेंद्र प्रसाद सभागार में संबंधित पदाधिकारी, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की विस्तृत एवं तकनीकी जानकारी दी गई एवं स्पष्ट कर दिया गया की विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर शिकायत प्राप्त होने के 10 दिन के अंदर इसका निष्पादन करना होगा अन्यथा प्रथम स्पष्टीकरण अनलाइन माध्यम से स्वत ही हो जाएगा। हर हाल में पोर्टल परर्धशिविर में प्राप्त परिवाद का समाधान 30 दिनों के अंदर करना होगा।विद्यार्थी सहयोग पोर्टलध विद्यार्थी सहयोग शिविर में शैक्षणिक सुधारो के संबंध में प्राप्त सुझावों को सरकारी विभाग द्वारा प्रशासी विभाग द्वारा समेकित किया जाएगा और वैसे सुझाव जो उपलब्ध योजनाओं के अधीन लागू किया जा सकते हैं उन्हें विभागीय स्तर से निर्धारित अवधि में लागू किया जाएगा और शेष सुझावों पर उच्च स्तरीय शिक्षा सुधार समिति द्वारा विचारों परांत निर्णय लिया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर निस्तारित किए गए शिकायतों से क्षुब्धध असंतुष्ट होने पर संबंधित शिकायतों की सुनवाई माननीय मुख्यमंत्री बिहार के स्तर पर प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को निर्धारित राज्य स्तरीय शिविर कार्यक्रम में की जाएगी। विद्यार्थी सहयोग शिविर से संबंधित सभी पर प्रकार की तैयारी की अनुसरण एवं पर्यवेक्षण हेतु जिला स्तर पर श्री मुकेश कुमार सिंहा अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण, सुश्री निधि कुमारी वरीय उप समाहर्ता पूर्वी चंपारण,श्री राजन कुमार गिरी जिला शिक्षा पदाधिकारी पूर्वी चंपारण की एक समिति का गठन किया गया है।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने में जुटी भाजपा, राधामोहन सिंह ने दिए दिशा-निर्देश

आगामी कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर राधामोहन सिंह ने की संगठनात्मक बैठक

मोतिहारी(एनएसबी)। स्थानीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय षि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने सोमवार को हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के चड़रहिया गांव में हरसिद्धि एवं गोविंज विधानसभा के शक्तिकेंद्र प्रमुखों के साथ संगठनात्मक बैठक की। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों एवं उनके सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।हरसिद्धि विधानसभा की बैठक शाम तीन बजे और गोविंज विधानसभा की बैठक शाम पांच बजे आयोजित हुई। इस दौरान राधा मोहन सिंह ने संगठन को शक्तिकेंद्र से लेकर बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी कार्यक्रमों को व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज सहित दोनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मंडल अध्यक्ष, महामंत्री एवं शक्तिकेंद्र प्रमुख उपस्थित रहे।

बैठ क में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता।

अंतिम सोमवारी पर काली घाट पर महाआरती का शंखनाद

सोनपुर (एनएसबी) अंतिम सोमवारी के अवसर पर नारायणी नदी के कालीघाट पर सोनपुर नखास वासी उमेश सिंह संवेदक एवं श्रीमती नर्मदा देवी के परिवार के सहयोग से गंगा नारायणी महाआरती एवं सांसतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महाकाल बाबा के नेतृत्व में आचार्यओ ने वैदिक मन्त्रोंचार के बीच विधिवत महाआरती कराई। महाआरती के दौरान नदी तट दीपों से जगमगा उठा।शंखध्वनि, मन्त्रोंचार और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो गया। मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह बब्लु,संजय कुमार सिंह, राकेश कुमार , कुमार पंकज, सचिन कुमार, अमित कुमार,छोटु कुमार, धर्मवीर सिंह,आदित्य पुष्प, रंगेश कुमार, दर्शा कन्हैया, आरव, अनुराग सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धांलुवो ने महा आरती में शामिल होकर नारायणी को नमन किया।

महाअ ारती में भाग लेते लोग।

राज्यपाल की मौजूदगी में 2 सितंबर को होगा 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' सम्मेलन

मोतिहारी में कृषि, विज्ञान, राष्ट्रसेवा और ग्रामीण विकास के समन्वय पर होगा मंथन

मोतिहारी(एनएसबी)। कृषि, पशुपालन एवं मात्स्यिकी उद्यमी उन्नति मेला-2026 के दूसरे दिन 2 सितंबर को महात्मा गांधी अडिटोरियम, मोतिहारी में 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन में षि विज्ञान, राष्ट्रसेवा, सैनिक कल्याण और ग्रामीण विकास के बीच समन्वय पर चर्चा होगी।षि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में किसान, षि वैज्ञानिक, पूर्व सैनिक, युवा, षि उद्यमी तथा विभिन्न क्षेत्रों के हितधारक एक मंच पर जुटेंगे। आयोजन का उद्देश्य किसानों और युवाओं को वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना है।सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल हिंदुस्तान एयरोनटिक्स लिमिटेड (एचएएल), रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम के सीएसआर फंड से निर्मित बालिका छात्रावास तथा सांसद निधि से निर्मित डिफेंस केंटीन एवं स्टोर भवन का उद्घाटन करेंगे। वहीं, भारत इलेक्ट्रनिक्स लिमिटेड (बीईएल), रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम द्वारा वित्तपोषित डिफेंस एन्क्लेव प्रदर्शनी केंद्र

बैठक में उपस्थित लोग।

का शिलान्यास भी किया जाएगा।कार्यक्रम में सांसद, पूर्व केंद्रीय षि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा रक्षा संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष राधा मोहन सिंह की विशेष उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा ड़ पी.एस. पाण्डेय, कुलपति, ड़ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय षि विश्वविद्यालय, पूसाय मेजर जनरल जितेंद्र सिंह, वीएसएम, जनरल अफिसर कमांडिंग, झारखंड एवं बिहार सब एरिया, दानापुर तथा लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, जनरल अफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान, लखनऊ भी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में षि वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालयों एवं आईसीएआर संस्थानों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों, षि उद्यमियों, पूर्व सैनिकों, युवाओं तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की सहभागिता होगी। आयोजन के माध्यम से षि, विज्ञान और राष्ट्रसेवा के महत्व को रेखांकित करने के साथ ग्रामीण क्षेत्र में नवाचार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा।

'बिहार विद्या साथी' ऐप का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया शुभारंभ, 24 घंटे मिलेगा विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन

मोतिहारी(एनएसबी)। विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं और विषय संबंधी शंकाओं के समाधान के लिए बिहार सरकार की ओर से 'बिहार विद्या साथी' ऐप की शुरुआत की गई। सोमवार को पटना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने ऐप का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पूरे बिहार में किया गया। पूर्वी चंपारण में इसका लाइव टेलीकास्ट समाहरणालय स्थित एनआईसी सहित जिले के सभी 33 मडल स्कूलों में कराया गया। समाहरणालय के एनआईसी में जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री राजन गिरी तथा सरस्वती विद्या निकेतन (मडल स्कूल) के लिए चयनित जिला स्कूल मोतिहारी के नौवीं एवं दसवीं कक्षा के विद्यार्थी उपस्थित रहे। वीडियो कन्फ्रेंसिंग के दौरान बताया गया कि 'विद्या साथी' ऐप के माध्यम से बिहार के 700 से अधिक मडल स्कूलों के करीब तीन लाख से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। मडल स्कूलों में अध्ययनरत नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा के विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

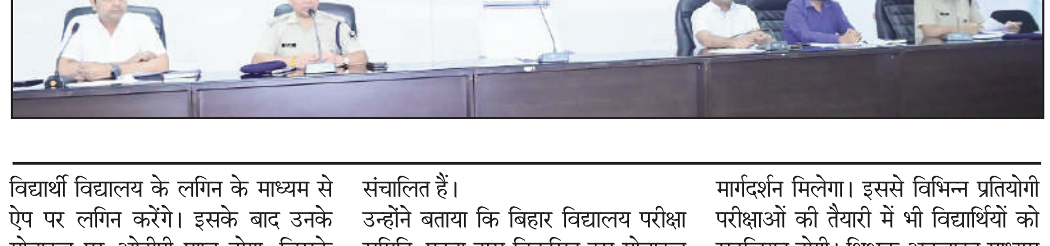

विद्यार्थी विद्यालय के लगिन के माध्यम से ऐप पर लगिन करेंगे। इसके बाद उनके मोबाइल पर ओटीपी प्राप्त होगा, जिसके माध्यम से वे संबंधित शिक्षक से सीधे जुड़कर अपने प्रश्न एवं शंकाएं रख सकेंगे।

24 घंटे उपलब्ध रहेंगे विशेषज्ञ शिक्षक

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बताया कि 'विद्या साथी' ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों को 24 घंटे विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध होगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई से संबंधित समस्या या प्रश्न का समाधान अनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण में वर्तमान में 33 सरस्वती विद्या निकेतन (मडल स्कूल) संचालित हैं।

उन्होंने बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा विकसित इस मोबाइल ऐप के माध्यम से विद्यार्थी चौबीसों घंटे शिक्षकों से अध्ययन एवं शंका समाधान कर सकेंगे। नौवीं एवं दसवीं कक्षा के विद्यार्थी सभी विषयों से संबंधित प्रश्नों का समाधान करा सकेंगे, जबकि 11वीं एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फिलहाल विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्नों के समाधान की सुविधा उपलब्ध होगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मिलेगी मदद डीएम ने कहा कि ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों को योग्य शिक्षकों का अनलाइन मार्गदर्शन मिलेगा। इससे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी विद्यार्थियों को सहूलियत होगी। शिक्षक अनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करेंगे।

उन्होंने विद्यार्थियों से 'बिहार विद्या साथी' ऐप की सुविधा का भरपूर लाभ उठाने की अपील की। साथ ही मडल स्कूलों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी ने बताया कि फिलहाल यह सुविधा मडल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई है, जिसे धीरे-धीरे अन्य विद्यार्थियों तक भी विस्तारित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

संग्रामपुर बाजार में आभूषण दुकानदार से हथियार के बल पर लूट

संग्रामपुर(एनएसबी)। बाजार से रविवार देर संध्या दुकान बंद कर घर लौट रहे एक आभूषण दुकानदार से अपराधियों ने पिस्टलध्हथियार के बल पर जेवरात से भरा झोला छीन लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित दुकानदार की पहचान संग्रामपुर निवासी विक्की कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दुकान बंद करने के बाद वह जेवरात रखा झोला लेकर घर जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में अपराधियों ने उन्हें रोक लिया और हथियार दिखाकर झोला छीनकर फरार हो गए।स्थानीय लोगों के अनुसार, अपराधी अपाचे बाइक पर सवार थे और वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।लूटे गए जेवरात की कीमत कितनी है, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी और संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

जयसिंहपुर में खेत में पानी पटाने के दौरान करंट से किसान की मौत, इलाके में शोक की लहर

तुरकौलिया(एनएसबी)। जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड चार स्थित बंदराहा गांव निवासी 50 वर्षीय 'किसान' लक्ष्मी यादव की खेत में पटवन के दौरान 'बिजली की करंट लगने से मौत' हो गई। घटना जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के करमवा गांव के समीप सरेह में हुईस बताया जाता है कि लक्ष्मी यादव अपने ससुराल करमवा के समीप सरेह में धान के खेत में पानी पटाने के लिए पाइप बिछाकर बिजली का मोटर चालू कर रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक का पैतृक घर जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड चार स्थित बंदराहा गांव में है, जबकि वह अपने ससुराल वार्ड पांच के करमवा गांव में रह रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमेश्वरनाथ धाम में उमड़ा जनसैलाब

हर हर महादेव और ओम नमः शिवाय के गूँज से गूंजा शिवालय

अरेराज (एसएनबी)। सावन माह की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को ऐतिहासिक एवं पौराणिक श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर, अरेराज में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बिहार का काशी कहे जाने वाले इस शिवधाम में लाखों श्रद्धालुओं ने पंचमुखी शिवलिंग का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।रविवार की मध्यरात्रि में ही मंदिर का मुख्य द्वार आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था। इसके बाद से ही मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव, ओम नमः शिवाय और बोल बम के जयघोष

लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक।

से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से बाबा सोमेश्वरनाथ का जलाभिषेक किया।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। महिला पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट, अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थानों के थानाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर परिसर के आसपास भव्य मेले का भी आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने खरीदारी की।

संक्षिप्त खबरें

मोतिहारी में ममता शर्मसार, चंद रुपयों की खातिर माता-पिता ने ही बेच डाला अपना नवजात

पुलिस ने 1.5 लाख कैश के साथ दलाल आशा कर्मी और खरीदार को दबोचा

मोतिहारी(एनएसबी)। जिले से मानवता और ममता को तार-तार कर देने वाली एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहाँ पैसों की हवस में अंधे हो चुके कलयुगी माता-पिता ने अपने ही नवजात शिशु (बच्चे) का सौदा कर डाला। हालांकि, पुलिस ने इस घिनौने रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने नवजात बच्चे को पूरी तरह सुरक्षित बरामद कर लिया है। साथ ही, बच्चे की खरीद-बिक्री में शामिल उसके माता-पिता, बच्चा खरीदने वाले और इस पूरे सौदे की मुख्य दलाल बनी एक ग्रामीण आशा कर्मी को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सौदे के नगद ध्1,500,000 (डेढ़ लाख रुपये) भी जब्त किए हैंस मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, नवजात बच्चे के जन्म के बाद माता-पिता ने गरीबी या किसी अन्य वजह से उसे बेचने की योजना बनाई थी। इस घिनौने काम में बिचौलिए और मुख्य दलाल की भूमिका स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र से जुड़ी एक ग्रामीण आशा कर्मी ने निभाई। आशा कर्मी ने मोटी कमीशन के लालच में बच्चा चाहने वाले एक खरीदार परिवार को ढूंढा और नवजात शिशु की कीमत ध्1.5 लाख तय कराई। डील पक्की होने के बाद गुप्त रूप से बच्चे को पैसों के बदले सौंप भी दिया गया था। इस अवैध मानव तस्करी और बच्चे की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस की विशेष टीम ने बिना समय गंवाए चिन्हित ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नवजात शिशु को खरीदार के चंगुल से सकुशल और पूरी तरह सुरक्षित बरामद कर लिया, जिसे उचित देखरेख के लिए बाल संरक्षण इकाई को सौंपा जा रहा है। इसके साथ ही, पुलिस ने छापेमारी के दौरान बच्चे की बिक्री के एवज में लेनदेन किए गए ध्1,50,000 की पूरी नगद राशि को मौके पर ही साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया।पुलिस ने इन सभी के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट (श्रश्र ।बज) और मानव तस्करी की गंभीर सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी (थ्प्) दर्ज कर ली है। पुलिस गिरोह के अन्य कड़ियों को भी खंगाल रही है कि कहीं यह आशा कर्मी पहले भी इस तरह के रैकेट में शामिल तो नहीं रही है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत (जेल) में भेजने की अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी-छपरा-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते स्पेशल ट्रेन

'23 सितम्बर, 2026 से चलेगी नियमित ट्रेन के रूप में'

सोनपुर (एनएसबी) रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर अहमदाबाद-उज्जैन-ग्वालियर- प्रयागराज-वाराणसी-छपरा-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते गुजरात के जामनगर और अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 09525ध्09526 हापा-नाहरलगुन-हापा स्पेशल का गाड़ी सं. 19525ध्19526 हापा-नाहरलगुन-हापा एक्सप्रेस के रूप में नियमित परिचालन किया जाएगा । इसका नियमित परिचालन हापा से 23 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा नाहरलगुन से 26 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, शयनयान श्रेणी के 15, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 तथा द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच सहित कुल 21 कोच होंगे । गाड़ी सं. 19525 हापा-नाहरलगुन एक्सप्रेस 23 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को हापा से 00.40 बजे प्रस्थान कर गुरूवार को 15.30 बजे छपरा, 17.00 बजे हाजीपुर, 17.42 बजे शाहपुर पटोरी, 19.05 बजे बरौनी, 19.36 बजे बेगुसराय, 20.29 बजे खगड़िया, 21.31 बजे नवगछिया, 23.10 बजे कटिहार सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए शुक्रवार को 16.00 बजे नाहरलगुन पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 19526 नाहरलगुन-हापा एक्सप्रेस 26 सितम्बर, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को नाहरलगुन से 09.40 बजे प्रस्थान कर रविवार को 01.20 बजे कटिहार, 02.18 बजे नवगछिया, 03.20 बजे खगड़िया, 03.54 बजे बेगुसराय, 04.35 बजे बरौनी, 05.34 बजे शाहपुर पटोरी, 07.00 बजे हाजीपुर, 09.20 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए मंगलवार को 00.15 बजे हापा पहुंचेगी।

न्यू बरौनी के एलसी गेट संख्या 61। पर नुक्कड़ नाटक किया गया

सोनपुर (एनएसबी) मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर श्री अमित सरन के मार्गदर्शन एवं सलाह पर दिनांक 23.08.2026 को न्यू बरौनी स्थित लेवल क्रसिंग (एलसी) गेट संख्या 61। पर रेल सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक प्रभावी नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम नागरिकों, राहगीरों तथा दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को संदेश दिया गया कि बंद एलसी गेट को किसी भी परिस्थिति में पार करने का प्रयास न करें। कुछ क्षणों की जल्दबाजी जानलेवा साबित हो सकती है, इसलिए फाटक खुलने तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना ही सुरक्षित विकल्प है। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह भी जागरूक किया गया कि रेल लाइन पर चलना, एलसी गेट के आसपास अनावश्यक रूप से रुकना तथा चलती ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े होकर यात्रा करना अत्यंत खतरनाक है और इससे गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यह जागरूकता कार्यक्रम इंजीनियरिंग विभाग, सोनपुर की देखरेख में स्काउट्स एवं गाइड्स टीम, गढ़हरा द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सोनपुर मंडल सभी नागरिकों से अपील करता है कि रेल सुरक्षा नियमों का पालन करें और स्वयं तथा दूसरों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हरिहर क्षेत्र दीपोत्सव 2026 आयोजन समिति की द्वितीय बैठक संपन्न

सोनपुर (एनएसबी) नारायणी नदी के किनारे नमामि गंगे दीपोत्सव घाट, सोनपुर पर श्हरिहरक्षेत्र दीपोत्सव आयोजन समितिश की द्वितीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष कौशिक कुमार सिंह ने की, जिसमें आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रंधीर कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में आगामी दीपोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों और रूपरेखा को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। प्रचार-प्रसार हेतु होर्डिंग्सरू-कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए इसी सप्ताह के भीतर दस बड़े आकार के होर्डिंग्स तैयार कर सोनपुर एवं हाजीपुर के प्रमुख चौक चौराहों पर लगाया जायेगा। सामग्री छपाई कायर्रू- रसीद बुक, पर्चे (पम्प्लेटध्लीफलेट) और कूपन आदि की छपाई का कार्य भी इसी सप्ताह में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कार सेवक प्रशिक्षण रू- समिति के सदस्य निशांत कुमार और बादल सिंह ने जानकारी दी कि कार्यसेवकों के सहयोग हेतु चार स्थानीय विद्यालय तथा तीन कोचिंग संस्थानों को पत्र देकर आमंत्रित किया जा चुका है। शेष अन्य संस्थानों को भी इसी सप्ताह पत्र निर्गत कर सम्पर्क किया जाएगा। विदित हो कि प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में स्थानीय विद्यालय एवं कोचिंग संस्थानों से नवयुवकों की टोली कार सेवक के रूप में विविध प्रबंधन एवं दीप प्रज्वलन सहित अन्य सेवायें प्रदान करती हैं। प्रशिक्षण कायर्रू-कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी पूर्व प्रशिक्षित कार्यसेवकों को प्रत्येक रविवार को प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं। इस वर्ष नये कार सेवक के रूप में शामिल हो रहे युवाओं के लिए अलग से प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा। इस वर्ष अलग से कालीघाट पर वरिष्ठ नागरिकों एवं संरक्षक सदस्यों की निगरानी में व्यवस्था प्रबंधन सहित घाटों की विशेष दीप सजावट कराने का निर्णय लिया गया। विदित हो कि संसति संरक्षण के इस आयोजन में इस वर्ष तीन लाख दीप प्रज्ज्वलित कर नारायणी मईया का दीप श्रृंगार करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में हरिहरक्षेत्र जन जागरण मंच के संस्थापक अनिल कुमार सिंह, महासचिव अमरनाथ तिवारी, आयोजन समिति के स्वागताध्यक्ष श्री श्याम सुंदर प्रसाद, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिन्हा, सह कोषाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, समिति के माननीय सदस्य सतीश कुमार सिंह, ष्णकांत सिंह, कमलदेव पांडेय, निशांत कुमार, बादल सिंह सहित आयुष कुमार, निर्मल जी एवं शरमानन्द सिंह, योगेश कुमार, विशाल, राजू सिंह, राजेश कुमार सिंह आदि गणमान्य लोग सहित बाल सदस्य अवनी शर्मा, मानसी तिवारी, आस्था, दिशा शर्मा, धीरज एवं अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

डीआईजी ने सावन की अंतिम सोमवारी को लिया शिव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

सहरसा शहर (एनएसबी)। पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोशी क्षेत्र, सहरसा द्वारा श्रावण मास की अंतिम सोमवारी को विधि व्यवस्था सुरक्षा के दृष्टिगत सहरसा

जिलान्तर्गत बाबा मटेश्वर धाम महादेव मंदिर एवं मधेपुरा जिलान्तर्गत सिंहेश्वर धाम महादेव मंदिर का भ्रमण किया गया। यह दोनों मंदिर अपने आप में ऐतिहासिक महत्व रखता है। भ्रमण के दौरान दोनों मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण करने, विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु वहा प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों का समुचित निर्देश देते हुये पुलिस अधीक्षक, सहरसा एवं मधेपुरा को भी विधि-व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन हेतु निर्देशित किया गया है। किसी भी प्रकार के अफवाहों को फैलने से रोकने हेतु जिला के सोशल मीडिया कोषांग को सक्रिय रखने तथा अफवाहों को तथ्यों के साथ त्वरित खंडन करने हेतु भी निर्देशित किया गया है। श्रद्धालुओं से भी विधि व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस को सहयोग करने हेतु अपील किया गया। साथ हीं यह भी अपील किया गया है कि किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान न दें तथा जिला से जारी अधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

प्ले एंड लर्न स्कूल में राखी बनाने की प्रतियोगिता आयोजित, बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

सोनवर्षाराज (सहरसा) (एनएसबी)। नगर पंचायत सोनवर्षा राज के न्यू बस स्टैंड स्थित प्ले एंड लर्न स्कूल में सोमवार को राखी बनाने की प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्र तियोगिता कक्षा 3 से ऊपर के सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए दो राउंड में आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

किया। विद्यालय की निर्णायक समिति द्वारा प्रतिभागियों की प्रतिभा और बनाई गई राखियों के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए बच्चों का चयन किया गया। पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान कक्षा 8 की सनाया केडिया, जबकि द्वितीय स्थान कक्षा 8 की वैष्णवी कुमारी ने प्राप्त किया। वहीं तृतीय स्थान के लिए पीहू, सोनम, नायशा केडिया, गौरी कुमारी एवं फातिमा सिद्धिकी सहित अन्य विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को प्ले एंड लर्न स्कूल के निदेशक अनुज कुमार सोनू ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों की प्रतिभा में निखार आता है और उनमें रचनात्मक सोच एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रज्वल छेत्री सहित अमर विश्वकर्मा, इंद्रजीत रविदास, सिद्धार्थ शर्मा, भुवन छेत्री, नितेश गुरुंग, मनीष सिंह, अंजुना छेत्री, अर्पणा थापा, पूजा सिंह, छोटी सिंह, कंचन कुमारी, विवेक कुमार, संतोष कुमार, मुनमुन सिंह, संजीव कुमार, सरिता सिंह, नेहा सिंह, कोमल सिंह, खुशी सिंह, आरती कुमारी, नीतू कुमारी, सलमा प्रवीण, नेहा प्रवीण, नूसी प्रवीण समेत विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

जमीन विवाद में हुई हत्या के मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे के भीतर पांच आरोपी गिरफ्तार

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र के बहुअरवा वार्ड संख्या-07 में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घटना के महज 24 घंटे के भीतर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, 23 अगस्त को सलखुआ थाना क्षेत्र के ग्राम बहुअरवा में पूर्व से चले आ रहे जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। इस घटना में अमित रजक घायल हो गए थे। इलाज के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सलखुआ थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक जांच एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई शुरू की। मृतक की पत्नी वीणा कुमारी के फर्दबयान के आधार पर सलखुआ थाना कांड संख्या 161/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की। पुलिस टीम की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप महज 24 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नारायण रजक, कैलाश रजक, राजा रजक, पिंटू रजक एवं सिंटू रजक के रूप में हुई है। सभी आरोपी सलखुआ थाना क्षेत्र के बहुअरवा गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ की जा रही है। साथ ही कांड के अन्य पहलुओं की जांच करते हुए अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

डाकबम कांवरियों की सेवा में जुटे बनमा ईटहरी के दर्जनों शिवभक्त

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर

शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी क्रम में बनमा ईटहरी प्रखंड के दर्जनों शिवभक्त माठा-मोबारकपुर के बीच कांवरिया पथ पर पहुंचकर डाकबम कांवरियों की सेवा में जुटे। यहां शिवभक्तों ने सेवा शिविर लगाकर कांवरियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई। सेवा शिविर में कांवरियों के लिए केला, जूस, ठंडा, शीतल पानी, शरबत सहित अन्य पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई थी। वहीं, लंबी दूरी तय कर आने वाले कांवरियों की सुविधा को देखते हुए टैबलेट और स्प्रे समेत आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। कांवरियों के पहुंचते ही शिवभक्त उत्साह के साथ उनकी सेवा में जुट जाते और उन्हें ठंडा पानी व शरबत पिलाकर राहत पहुंचाते रहे। इस दौरान डीजे की धुन पर शिवभक्त झूमते नजर आए। पूरा कांवरिया पथ बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। सेवा शिविर में मौजूद युवाओं ने कांवरियों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।शिवभक्तों ने कहा कि सावन की अंतिम सोमवारी पर डाकबम कांवरियों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। कांवरियों की सेवा और सहायता के उद्देश्य से शिविर में पर्याप्त मात्रा में फल, पेय पदार्थ एवं अन्य जरूरी सामग्री की व्यवस्था की गई थी। कांवरियों ने भी सेवा में जुटे शिवभक्तों का आभार जताया।

मटेश्वर धाम में उमड़ा सैलाब, ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

रात 12,05 बजे खुले मंदिर के पट; अरघा व्यवस्था से गर्भगृह में प्रवेश के बिना हुआ जलार्पण

संजीव श्रीवास्तव नवसंदेश ब्यूरो

सहरसा कार्यालय (एनएसबी)। सावन की चौथी एवं अंतिम सोमवारी पर जिले के सिमरीबख्तियारपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा मटेश्वर धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बाबा मटेश्वरनाथ के जलाभिषेक के लिए रविवार रात से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगनी शुरू हो गई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रात करीब 12,05 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए। अनुमान के मुताबिक, ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा मटेश्वरनाथ का जलाभिषेक किया। इस वर्ष प्रशासन की ओर से लागू की गई अरघा व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए काफी कारगर साबित हुई। इसके तहत श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश किए बिना ही बाबा का जलाभिषेक करने की सुविधा मिली। भीड़ नियंत्रण को लेकर गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहा। रात करीब 11 बजे से ही श्रद्धालु कतार में लगने लगे थे। मुंगेर के छर्रापट्टी स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर पहुंचे डाकबम, कांवरिया, साधारण बम और बाइक बम ने दिनभर बाबा मटेश्वरनाथ पर जलार्पण किया। मंदिर परिसर से लेकर कांवरिया पथ तक श्बोल बमश, श्हर-हर महादेवश और

बाबा मटेश्वर धाम में आस्था का जनसैलाब

श्बाबा मटेश्वर की जयश के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। रविवार रात करीब 11,30 बजे जिलाधिकारी दीपेश कुमार, पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग और डीडीसी गौरव कुमार बाबा मटेश्वर धाम पहुंचे। डीएम, एसपी, डीडीसी के साथ सिमरीबख्तियारपुर एसडीएम सह न्यास समिति के अध्यक्ष आलोक राय, उपाध्यक्ष मुन्ना भगत और सचिव संतोष कुमार सिंह ने सरकारी पूजा-अर्चना में भाग लिया। इसके बाद अधिकारियों ने मंदिर परिसर, प्रवेश-निकास द्वार और कांवरिया पथ का निरीक्षण किया। ड्यूटी पर तैनात दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को कतारबद्ध तरीके से जलाभिषेक कराने, भीड़ पर लगातार नजर रखने तथा बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पूरे परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और अतिरिक्त पुलिस बल के माध्यम से की गई। डीएम और एसपी करीब पांच घंटे तक मंदिर परिसर में रहकर विधि-व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन का जायजा लेते रहे। रात करीब डेढ़ बजे सिमरीबख्तियारपुर विधायक संजय कुमार सिंह भी मंदिर पहुंचे और विधि-व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुंगेर के छर्रापट्टी घाट से गंगाजल लेकर डाकबम बेगूसराय, खगड़िया और मानसी होते हुए कोसी नदी पुल एवं रिटायर पुल पार कर बाबा मटेश्वर धाम पहुंचे। सैकड़ों किलोमीटर की कठिन यात्रा के बावजूद डाकबम श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। वहीं, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण फेनगो हाट के समीप रात 12 बजे के बाद लंबा जाम लग गया। बताया गया कि पांच घंटे से अधिक समय तक जाम की स्थिति बनी रही। इससे श्रद्धालुओं और वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। सोशल मीडिया पर जाम से संबंधित कई वीडियो भी वायरल हुए, जिनमें पुल संख्या 47 पर पुलिस की तैनाती नहीं होने और लंबे समय तक जाम रहने की बात कही गई है। हालांकि, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी। जाम के कारण दर्जनों वाहन सुबह तक फंसे रहे। बाबा मटेश्वर धाम में भीड़ प्रबंधन में एनसीसी कैडेटों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंदिर के गर्भगृह से लेकर पोखर एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर तैनात एनसीसी कैडेट अनुशासन के साथ श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कराने और जलाभिषेक में सहयोग करते दिखे। एनसीसी पदाधिकारी गौतम कुमार ने कैडेटों को प्रशिक्षण देकर विभिन्न स्थानों पर तैनात किया था। अरघा व्यवस्था लागू होने के बाद लगातार दूसरे सोमवार को भी अरघा के पास महिला एवं पुरुष पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई। महिला श्रद्धालुओं को महिला पुलिसकर्मियों तथा पुरुष श्रद्धालुओं को पुरुष पुलिसकर्मियों ने नियंत्रित किया। मंदिर के स्वयंसेवकों ने भीड़ को व्यवस्थित रखने में सहयोग किया, जिससे जलाभिषेक सुगम तरीके से चलता रहा। एसडीएम सह मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष आलोक राय ने कहा कि सावन की चारों सोमवारी पर जलाभिषेक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। दोनों अधिकारियों ने स्वयं मंदिर में करीब पांच घंटे रहकर विधि-व्यवस्था की निगरानी की। श्रद्धालुओं ने सुगम तरीके से जलाभिषेक किया और कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, जो प्रशासन के लिए बड़ी सफलता है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर मां कात्यायनी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बनमा ईटहरी प्रखंड के महारस स्थित प्रसिद्ध मां कात्यायनी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह होते ही दूर-दराज के गांवों से श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिर परिसर में भक्तों की संख्या बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर मां कात्यायनी के दर्शन किए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित बाबा पंचेश्वर की भी पूजा की। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ पर जल अर्पित कर जलाभिषेक किया और श्रद्धा के साथ भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और मां कात्यायनी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बुजुर्ग श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पहुंचते रहे। कई श्रद्धालु पूजा सामग्री, बेलपत्र, फूल, दूध और जल लेकर भगवान शिव के दरबार में पहुंचे।

मां कात्यायनी मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु

मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा। वहीं, सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर बनमा ईटहरी प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की।श्रद्धालुओं का कहना था कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। सावन की अंतिम सोमवारी पर बाबा भोलेनाथ की पूजा करने से मन को शांति मिलती है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

बनमा ईटहरी सीएचसी में बढ़ने लगी बुखार के मरीजों की संख्या, चिकित्सक ने दी सतर्क रहने की सलाह

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। मौसम में बदलाव के बीच बनमा ईटहरी प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। अस्पताल में इलाज कराने पहुंच रहे मरीजों को चिकित्सकों की ओर से आवश्यक जांच और उपचार की सलाह दी जा रही है। इसी क्रम में स्वास्थ्य प्रबंधक राजकुमार सिंह के पुत्र की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बनमा ईटहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उनका इलाज शुरू किया। घटना के बाद अस्पताल में मरीजों के स्वास्थ्य की जांच और उपचार को लेकर स्वास्थ्यकर्मी सक्रिय नजर आए। इस दौरान बनमा ईटहरी सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संतोष कुमार संत ने लोगों को बुखार से बचाव को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बुखार होने पर लोग अपने मन से दवा खाने से बचें और चिकित्सकीय सलाह के बाद ही दवा का सेवन करें। डॉ. संतोष संत ने कहा कि बुखार होने के कई कारण हो सकते हैं। इसलिए केवल बुखार महसूस होने पर बिना जांच या चिकित्सक की सलाह के दवा लेना उचित नहीं है। उन्होंने लोगों से शरीर का तापमान थर्मामीटर से जांचने तथा 100 डिग्री फारेनहाइट या उससे अधिक बुखार होने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि बुखार के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, आराम करना और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। यदि बुखार लगातार बना रहे, तेज हो जाए या मरीज की स्थिति बिगड़ने लगे तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सक से जांच एवं उचित उपचार कराना चाहिए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या में जागरूकता और समय पर उचित उपचार बेहद जरूरी है। बिना चिकित्सकीय सलाह के अपने मन से दवा लेने के बजाय डॉक्टर से परामर्श लेकर ही उपचार कराएं। मौके पर डॉ. संजीत कुमार, श्याम कुमार शर्मा, शम्स राजा, आशीष कुमार समेत अन्य

बुखार के मरीज

अखंड भारत में विभाजन की विभीषिका विषय पर परिचर्चा व कवि सम्मेलन आयोजित

सहरसा शहर (एनएसबी)। शहर के विद्यापति नगर अवस्थित अभिनव सेलिब्रेशन में अखिल भारतीय साहित्य परिषद, सहरसा का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। महासचिव आनंद कुमार झा के मंच संचालन में कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश महामंत्री डॉ जनार्दन यादव, प्रो विनय कुमार चौधरी, जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार झा, रमन झा एवं डॉ के के चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रबंध सचिव रघुवंश झा द्वारा सरस्वती गीत तथा परिषद गीत गाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा संपूर्ण वंदे मातरम गीत का सस्वर गान किया गया। कार्यक्रम में परिषद की पत्रिका साहित्य सृजन के 50 वें अंक के लोकार्पण के साथ अवधेश कुमार झा अवध की पुस्तक अर्चिता महेंद्र प्रसाद की दो पुस्तक शिखर गया बिखर एवं जीवन के डूबते सितारे आनंद झा द्वारा संपादित पुस्तक

कार्यक्रम का उद्घाटन करते तमाम अतिथिगण

प्रार्थना गीत व्यथा मृणाल मुकेश भारद्वाज की पुस्तक दिल को घायल कर दिया का मंच से लोकार्पण हुआ। इस सभी साहित्यकारों को उनकी रचना पर पंडित चंदा झा साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया और प्रशस्ति पत्र,अंग वस्त्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रोहित झा के निर्देशन में अनन्या,रौनिका एवं राजलक्ष्मी द्वारा बहुत ही सुंदर कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया गया। दूसरे सत्र में श्अखंड भारत में विभाजन की विभीषिका विषय पर परिचर्चा अवधेश कुमार झा अवध के मंच संचालन में आयोजित हुई। डॉ जनार्दन यादव ने कहा कि अंग्रेजों द्वारा भारत का सात विभाजन किया गया। जम्बू द्वीप जिसे कहा जाता है उसका लंबे कालखंड में 24 विभाजन किया गया। अंतिम विभाजन जब पाकिस्तान अलग हुआ, उसमें लाखों लोग विस्थापित हुए, हजारों लोग मारे गए। गुड्डू कुमार अनिकेत ने बहुचर्चित लेखिका कृष्णा सोबती की कहानी सिक्का बदल गया की चर्चा करते हुए भारत विभाजन को राजनीतिक विभाजन बताया। सांस्कृतिकता के आधार पर आज भी खंड खंड भारत में भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण रूप से जीवित है। डॉ मुरारी सिंह ने बताया कि विभाजन की विभीषिका के रूप में अभूतपूर्व विस्थापन, सांप्रदायिक हिंसा, महिलाओं पर अत्याचार एवं समाज के विघटन को जाना जा सकता है। तीसरे सत्र में कवि गोष्ठी आयोजित हुआ जिसका मंच संचालन डॉ ओम प्रकाश मुन्ना ने किया। उपस्थित अनेकों कवियों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अवधेश कुमार झा अवध, आनंद कुमार झा, प्रो विनय कुमार चौधरी, रमण झा, डॉ जनार्दन यादव, गुड्डू कुमार अनिकेत, महेंद्र प्रसाद, डॉ के के चौधरी, अवधेश सिंह, रघुवंश झा, मुर्तजा नारिसरवी, सुभाष झा, ई रामेश्वर ठाकुर, श्यामानंद लाल दास, सियाराम यादव मयंक, डॉ मुरारी सिंह, कुमार विक्रमादित्य, मोल झा, डॉ ओम प्रकाश मुन्ना, मृणाल मुकेश भारद्वाज, ललन कुमार, मनोज कुमार, विनय विराट, मनीष कुमार, गिरिंद्र मोहन, डॉ सतीश दास, साक्षी कुमारी एवं अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित हुए।

बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू का त्रि-वार्षिक सम्मेलन एवं आम सभा 26 को

सहरसा शहर (एनएसबी)। बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन सीटू जिला कमेटी

सहरसा का त्रि वार्षिक सम्मेलन एवं आम सभा स्थान सीपीआईएम कार्यालय शारदा नगर बटराहा वार्ड नंबर 34 में 26 अगस्त को 12 बजे दिन में आयोजित होगी।उक्त बात की जानकारी जिला सचिव नसीम उद्दीन ने दी।उन्होंने कहा कि बिहार राज्य कमेटी के सीटू महासचिव कॉ अनुपम कुमार, कॉ विनोद कुमार बिहार राज्य किसान सभा कॉ नाथून जमादार, महामंत्री बिहार राज्य निर्माण कामगार यूनियन बिहार राज्य कमिटी जिला सचिव कॉम रणधीर यादव,जिला कमिटी सहरसा तथा विभिन्न प्रखंड के मजदूर नेता और महिला नेतृत्व कारी भी भाग लेंगें।

जमीन पर जबरन फूस का घर बनाने का आरोप, विरोध करने पर धमकी

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। थाना क्षेत्र के प्रियनगर गांव में जमीन विवाद को लेकर जबरन निर्माण कार्य किए जाने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर प्रियनगर निवासी गरीब साह ने बनमा ईटहरी थाना में लिखित आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। थाना में दिए आवेदन में गरीब साह ने प्रमोद पासवान, सदानंद पासवान, नीरज पासवान, सूरज पासवान समेत अन्य लोगों पर उनकी जमीन पर जबरन फूस-टाट का घर बनाने का आरोप लगाया है। आवेदक के अनुसार, जब वे लोग खेत पर गए हुए थे, उसी दौरान आरोपितों ने उनकी जमीन पर फूस का छप्पर चढ़ा दिया।

जलसीमा के अंकुरी नाथ महादेव सहित अन्य मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सोनवर्षाराज (सहरसा) (एनएसबी)। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के जलसीमा गांव स्थित प्रसिद्ध अंकुरी नाथ महादेव मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। दूर-दराज से पहुंचे लाखों भक्तों ने बाबा अंकुरी नाथ महादेव का दर्शन-पूजन कर विधि-विधान से जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, फूल सहित विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित कर सुख-समृद्धि, शांति एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंजता रहा। अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय लोगों एवं अन्य भक्तों ने व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। बाबा अंकुरी नाथ महादेव के प्रति लोगों की गहरी आस्था के कारण सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। भक्तों ने बताया कि बाबा अंकुरी नाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक से मन को शांति मिलती है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से बाबा की पूजा करने से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विभिन्न शिवालयों में भी उमड़ा जनसैलाब सावन की अंतिम सोमवारी को सोनवर्षा, शाहपुर, बेहट, बड़गांव सहित प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही शिवालयों में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक का सिलसिला जारी रहा। पूरे क्षेत्र में दिनभर शिवभक्ति का माहौल बना रहा तथा हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जलाभिषेक करते श्रद्धालु

संक्षिप्त खबरें

फरारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेलदौर। थाना क्षेत्र के डुमरी पंचायत के वार्ड नंबर तेरह पनशलवा गांव निवासी स्वर्गीय केशो शर्मा के पुत्र छत्री शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी पर थाना में बेलदौर थाना कांड संख्या 87̸23 दर्ज था, जिसमें वह फरार चल रहा था। फरार रहने पर कोर्ट से उस पर इश्तेहार वारंट निर्गत कर निर्धारित अवधि में कोर्ट अथवा थाना में आत्मसमर्पण करने अथवा नहीं करने पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई थी।

पारिवारिक विवाद का मामला गहराया, कार्रवाई की किया मांग

बेलदौर। थाना क्षेत्र की सकरोहर पंचायत स्थित वार्ड नंबर 14 में पारिवारिक विवाद और दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव के ही स्वर्गीय अखिलेश प्रसाद गुप्ता के 40 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार ने अपने सगे बड़े भाई पर शराब के नशे में गाली-गलौज करने, उपद्रव मचाने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में खगड़िया पुलिस अधीक्षक समेत स्थानीय थाना अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस को दिए गए आवेदन में पीड़ित मुकेश कुमार ने बताया कि बीते शुक्रवार की रात उनके बड़े भाई और स्थानीय शिक्षक राजेश कुमार शराब उनके घर में जबरन घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि नशे की हालत में शिक्षक भाई ने पीड़ित के दरवाजे पर खुले आसमान के नीचे शौच करना शुरू कर दिया। जब पीड़ित और स्थानीय ग्रामीणों ने इस शर्मनाक हरकत का विरोध किया, तो शिक्षक राजेश कुमार और उनकी पत्नी अरुणा देवी आपा खो बैठे। पीड़िता का आरोप है कि भाभी अरुणा देवी और भाई राजेश कुमार ने उल्टे उन्हें ही झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की सीधी धमकी दे डाली।ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी राजेश कुमार समाज में एक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, लेकिन उनकी इस तरह की हरकतों से शिक्षक जैसे पवित्र पेशे की छवि धूमिल हो रही है। वहीं पीड़ित मुकेश कुमार ने बेलदौर थाना पुलिस की ढुलमुल कार्यशैली पर भी तीखा आक्रोश व्यक्त किया है। पीड़ित का कहना है कि आवेदन देने के बावजूद स्थानीय पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। उल्टा थाने जाने पर पीड़ितों को ही डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है। फिलहाल, पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन के बाद अब देखना होगा कि पुलिस इस मामले में आरोपी शिक्षक पर क्या कार्रवाई करती है।

श्री श्री 108 रामधुन महायज्ञ का शुभारंभ

गोगरी। नगर परिषद गोगरी जमालपुर अंतर्गत माँ काली खटाहा के प्रांगण में सोमवार को 48 घंटे का श्री श्री 108 रामधुन महायज्ञ का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। महायज्ञ का उद्घाटन वार्ड पार्षद श्वेता कुमारी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के अभिवावक , माता-बहनें एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सविता देवी, कौशल्या देवी सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। महायज्ञ को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखा गया। आयोजकों ने बताया कि रामधुन महायज्ञ के माध्यम से क्षेत्र में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण

महायज्ञ का उद्घाटन वार्ड पार्षद श्वेता कुमारी ने किया।

बनाने के साथ-साथ समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने जय श्री राम और जय श्री ष्ण के जयघोष लगाए, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा।इस मौके पर अमित कुमार सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

ग्रामीण सड़कों की बदहाली का मुद्दा विधानसभा की समीक्षा बैठक में उठा

खगड़िया (एनएसबी)। बिहार विधानसभा के विस्तारित भवन में पर्यटन उद्योग समिति द्वारा आयोजित ग्रामीण विकास विभाग तथा नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षात्मक बैठक में खगड़िया सदर विधायक बबलू कुमार मंडल ने अपने विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों की बदहाल स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। विधायक ने क्षेत्र की वर्षो पुरानी एवं जर्जर सड़कों की स्थिति से विभागीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए इनके शीघ्र मरम्मत, पुनर्निर्माण एवं नई सड़कों के निर्माण की दिशा में सकारात्मक और ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान विधायक ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ने वाली कई ग्रामीण सड़कें लंबे समय से जर्जर स्थिति में हैं। इन सड़कों की हालत खराब होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि सड़कें ग्रामीण क्षेत्र के विकास की जीवनरेखा हैं। बेहतर सड़क सुविधा से लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार के अवसरों तक आसानी से पहुंच मिलती है। विधायक ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण

विधायक बबलू कुमार मंडल व अन्य।

सड़क योजनाओं के अंतर्गत क्षेत्र की जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत एवं व्यापक सर्वेक्षण कराने की मांग की। उन्होंने विशेष रूप से मेहसौड़ी से अमनी तक, सोनमनकी रोड से माड़र तक, सोनमनकी रोड से सिमराहा तक तथा बछौता से बिशनपुर तक की सड़कों की मरम्मत कराने की मांग रखी। इसके अलावा बखरी-खगड़िया पथ के सौराय ढाला से सौराय गांव (रेलवे पटरी) तक, सोनमनकी-खगड़िया पथ के रोज बर्ड स्कूल से भिरयाही पोखर होते हुए अलौली पथ तक तथा दुर्गापुर से मथार दियारा तक की सड़क की मरम्मत की आवश्यकता पर भी विधायक ने विभाग का ध्यान आष्ट कराया। विधायक ने कहा कि केवल चिन्हित सड़कों की मरम्मत ही पर्याप्त नहीं है। पूरे विधानसभा क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों का विभागीय स्तर पर व्यापक सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। सर्वेक्षण के दौरान जहां भी सड़कें क्षतिग्रस्त पाई जाएं, वहां उनकी स्थिति और आवश्यकता के आधार पर प्राथमिकता तय कर मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य तत्काल शुरू किया जाना चाहिए। बैठक में विधायक ने क्षेत्र में नई ग्रामीण सड़कों के निर्माण की आवश्यकता को भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने खगड़िया-अलौली पथ के भिरयाही पोखर से बिशनपुर ढाला तक नई सड़क के निर्माण की मांग की। इसके साथ ही सोनमनकी से बलोर लोहा पुल तक नई सड़क निर्माण की आवश्यकता भी विभाग के समक्ष रखी। विधायक ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत होने से लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। समीक्षात्मक बैठक में विधायक ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सड़कों से संबंधित समस्याओं को केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रखा जाए, बल्कि स्थल निरीक्षण, सर्वेक्षण और तकनीकी जांच के बाद कार्ययोजना तैयार कर धरातल पर काम शुरू किया जाए। उन्होंने क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही सड़क संबंधी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने की बात कही। विधायक बबलू कुमार मंडल ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी प्राथमिकता क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराना है। सड़क, जलनिकासी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मामलों को संबंधित विभागों के समक्ष लगातार उठाया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा क्षेत्र की जर्जर सड़कों के संबंध में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कोसी के जलस्तर में कमी के बाद कटाव हुआ तेज

बेलदौर। प्रखंड क्षेत्र की बलैठा पंचायत स्थित पचाठ गांव के मुनि टोला में कोसी नदी के घटते जलस्तर के साथ ही कटाव ने विकराल रूप ले लिया है। पिछले तीन दिनों से हो रहे भीषण कटाव के कारण कई ग्रामीणों के झोपड़ीनुमा घर नदी में विलीन होने की कगार पर पहुंच गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार करीब 15 दिन पूर्व भी इस इलाके में तेज कटाव हुआ था। उस समय जलस्तर में वृद्धि होने पर स्थानीय मुखिया वीरेंद्र सहनी ने जल संसाधन विभाग को सूचित किया था। विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बांस और करची का बंडल डालकर अस्थायी कटाव रोधी कार्य किया था, जिससे स्थिति नियंत्रित हो गई थी। हालांकि अब जलस्तर घटने के बाद जिन स्थानों पर

कटाव को देखते ग्रामीण।

बांस-करची की बैरिकेडिंग नहीं की गई थी, वहां से दोबारा भीषण कटाव शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने इस स्थिति की जानकारी जल संसाधन विभाग को दी, जिस पर विभाग ने उपलब्ध कराए गए वीडियो और तस्वीरों के आधार पर बाढ़ नियंत्रण कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया है। वही वर्तमान में अजय मुनि, बिजेंदर मुनि, उपेंद्र मुनि, चतुरी शर्मा, रामचंद्र मुनि, तिल देवी और नूतन देवी सहित कई अन्य ग्रामीणों के आशियाने कटाव की सीधी चपेट में हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है। बाढ़ प्रमंडल संख्या 2 के कनीय अभियंता नवनीत कुमार दास ने बताया कि कटाव घनी आबादी से दूर उपजाऊ और निचले इलाके में हो रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बांस और पेड़ की टहनियों का उपयोग कर कटाव रोधी कार्य कराया जा रहा है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चौथम। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर चौथम प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छोटे-बड़े शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग पर श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महिलाओं, युवतियों एवं बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। हाथों में फूल, माला, जल एवं पूजा सामग्री लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने विधि-विधान से भगवान शिव सहित अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। वही चौथम क्षेत्र के करुआ मोड़ चौक से होकर बाबा सिंघेश्वर की नगरी मधेपुरा एवं बाबा मटेश्वर धाम सहित क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों के लिए जल लेकर गुजरने वाले कांवरियों की टोलियों से भी पूरा इलाका गुलजार रहा। कांवरियों के जत्थों के गुजरने के दौरान डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों और बोल बम के जयकारों से करुआ मोड़ चौक का माहौल देर रात तक भक्तिमय बना रहा। कांवरियों के उत्साह और श्रद्धा को देखते हुए सड़क किनारे स्थानीय लोगों की भी आवाजाही बनी रही। मौके पर क्षेत्र के कई मंदिरों में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और कीर्तन में भाग लेकर भगवान शिव की आराधना की। मंदिरों में विशेष सजावट और पूजा-अर्चना के कारण पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। सुबह से लेकर शाम तक मंदिरों में पूजा-अर्चना का दौर चलता रहा, जबकि कांवरियों की टोलियों के आवागमन और भक्ति गीतों से देर रात तक क्षेत्र का वातावरण शिवमय बना रहा।

फुलेश्वरनाथ मंदिर बीस हजार से अधिक डाक बमों ने किया जलाभिषेक

बेलदौर। सावन की अंतिम सोमवारी को फुलेश्वरनाथ मंदिर में भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस पावन अवसर पर 20 हजार से अधिक डाक बमों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। बताया जाता है कि उत्तर वाहिनी अगुवानी गंगा घाट से जल भरकर श्रद्धालुओं का जत्था बेलदौर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान 'सुपरफास्ट बम' कांवड़ियों के दल का अनोखा समर्पण देखने को मिला, जिसमें बोबिल, हनुमाननगर और बेलदौर प्रखंड के हजारों युवाओं ने हिस्सा लिया। मैराथन की तर्ज पर एक-दूसरे को जल का पात्र सौंपते हुए इन कांवड़ियों ने मात्र साढ़े छह घंटे में 75 किलोमीटर की कठिन दूरी तय की। इस जत्थे में शामिल एक महिला श्रद्धालु आकर्षण और आस्था का केंद्र बनी रही, जो अपने

पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

दूधमुंहे बच्चे को गोद में लेकर साढ़े 6 घंटे में 75 किमी दौड़कर मंदिर पहुंची और जलाभिषेक किया। सुपरफास्ट बमों ने रविवार रात करीब 8.30 बजे अगुवानी घाट से जल उठाया था और सोमवार सुबह 5.00 बजे मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। रविवार की देर शाम से ही बेलदौर से दोपहिया, चार पहिया वाहन, ट्रैक्टर, साइकिल और टेम्पो के माध्यम से डाक और साधारण कांवड़ियों के जत्थे अगुवानी घाट के लिए रवाना होने लगे थे। यात्रा मार्ग पर परबत्ता, महेशलेट चौक, बैईसा मोड़, मरैया मोड़, गोगरी और महेशखूंट सहित जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए थे। हजारों की संख्या में सेवा बम कांवड़ियों की सेवा में मुस्तैद दिखे, जहां विश्राम, मेडिकल और भक्ति जागरण का आयोजन किया गया था।सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर प्रमुख चौक-चौराहों और मंदिर परिसर में पुलिस पदाधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। जलाभिषेक संपन्न होने के बाद कांवड़िया डाक सेवा समिति, बेलदौर की ओर से सभी डाक बमों के लिए भव्य खीर भोजन का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

हर हर महादेव से गुंजायमान हुआ वातावरण

परबत्ता। सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर हर तरफ भक्ति का माहौल बना रहा। विभिन्न शिवालय में ग्रामीणों की तरफ से व्यापक तैयारियों की गई थी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अगुआनी- गंगा घाट से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवरिया जल भरकर पैदल , वाहन से रविवार की देर रात्रि रवाना हुए। जहां भागलपुर जिले के बिहपुर प्रखंड अंतर्गत मड़वा स्थित ब्रजलेश्वरधाम , मधेपुरा जिले के सिंघेश्वर स्थान, सहरसा के विभिन्न शिव मंदिर, दरभंगा के कुशेश्वरस्थान, बेलदौर स्थित फुलेश्वर स्थान, श्री राघवेंद्र सर्वेश्वर मंदिर खजरैठा, श्री श्री 1008 श्री गंगेश्वर महादेव मंदिर (नौनियाचक) मथुरापुर, उमानाथ मंदिर मड़ैया, श्री नागेश्वर नाथ मंदिर भरसो , श्री रामेश्वर महादेव मंदिर नयागांव, श्रीराम जानकी ठाकुरबाड़ी मोजाहिदपुर प्रागंण में स्थित महादेव मंदिर, मड़ैया स्थित उमानाथ मंदिर, देवरी स्थित शिव मंदिर में सोमवार को जल अर्पण किया। इसके अलावा विभिन्न गांव में स्थापित शिव मंदिर के शिवाला में शिव भक्त सावन के चौथी सोमवारी को शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना किया। अगुआनी गंगा घाट पर दरभंगा ,भागलपुर, सहरसा, दरभंगा, मधेपुरा, खगड़िया, सहित अन्य जिले के काफी संख्या में कांवरिया जलभर देर रात रवाना हुआ। इधर अगुआनी गंगा घाट पर एसडीआरएफ के साथ प्रशासन मुस्तैद दिखें। अगुआनी- महेशखूंट, अगुआनी- नारायणपुर जीएन बांध पर कई जगह स्थानीय ग्रामीण के द्वारा कांवरिया शिविर लगाकर सेवा करते दिखें।

खाद्य सामग्रियों की कीमतों में उछाल से आम लोगों में हाहाकार, गरीब व मध्यमवर्गीय परिवारों का बिगड़ा बजट

चौथम (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र में खाद्य सामग्रियों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। खासकर गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के घरेलू बजट पर महंगाई का सीधा असर पड़ रहा है। रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली चीनी, प्याज, चावल, दाल सहित अन्य खाद्य सामग्रियों के दाम में पिछले एक माह के दौरान हुई तेज वृद्धि ने लोगों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। सीमित आय में घर का खर्च चलाने वाले परिवार अब जरूरत और बजट के बीच तालमेल बैठाने को मजबूर हैं। स्थानीय बाजार के दुकानदारों के अनुसार, करीब एक माह पहले जहां चीनी 40 से 42 रुपये प्रति किलो के आसपास आसानी से उपलब्ध थी, वहीं अब इसकी कीमत बढ़कर करीब 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। खुदरा दुकानदारों का कहना है कि आने वाले दिनों में चीनी की कीमत में और वृद्धि हो सकती है। इसी तरह प्याज की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। आमतौर पर करीब 20 रुपये प्रति किलो मिलने वाला प्याज अब 50 से 60 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। दाल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। करीब 70 रुपये प्रति किलो बिकने वाली अरहर एवं चने की दाल अब खुदरा बाजार में 80 से 90 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। वहीं चावल की कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। चावल की 25 किलो वाली बोरी पर पिछले कुछ समय में करीब 250 से 300 रुपये तक की वृद्धि होने की बात कही जा रही है। खाद्य पदार्थो के दाम में इस तरह लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों की रसोई पर पड़ रहा है। परिवारों को पहले की तुलना में समान मात्रा में सामान खरीदने के लिए अधिक राशि खर्च करनी पड़ रही है। नतीजतन कई परिवार अपनी जरूरतों में कटौती करने को विवश हैं। लोगों का कहना है कि आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने के बावजूद खाद्य पदार्थो के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे घर का मासिक बजट पूरी तरह प्रभावित हो गया है।स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले जहां सीमित राशि में महीने भर का राशन आसानी से खरीदा जा रहा था, वहीं अब उसी सामान के लिए काफी अधिक रकम खर्च करनी पड़ रही है। खासकर दिहाड़ी मजदूर, छोटे दुकानदार, निम्न आय वर्ग एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह स्थिति अधिक परेशानी वाली बनी हुई है। लोगों ने खाद्य पदार्थो की कीमतों पर नियंत्रण रखने तथा बाजार में कीमतों की नियमित निगरानी की मांग की है। क्षेत्रीय जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चल रही उथल-पुथल, आपूर्ति व्यवस्था में अस्थिरता और विभिन्न परिस्थितियों का असर खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ रहा है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव स्थानीय बाजार में देखने को मिल रहा है। हालांकि महंगाई के कारण बढ़ने वाला आर्थिक बोझ अंततः आम उपभोक्ताओं को ही उठाना पड़ रहा है। बहरहाल, खाद्य सामग्रियों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है।यदि खाद्य पदार्थो की कीमतों में जल्द स्थिरता नहीं आई, तो आने वाले दिनों में महंगाई का असर आम जनजीवन पर और अधिक गहरा पड़ने की आशंका है।

संक्षिप्त खबरें

55 फीट का कांवर लेकर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

चौथम। सावन की चौथी सोमवारी के अवसर पर चौथम प्रखंड के जय प्रभानगर स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अहले सुबह से ही मंदिर परिसर में

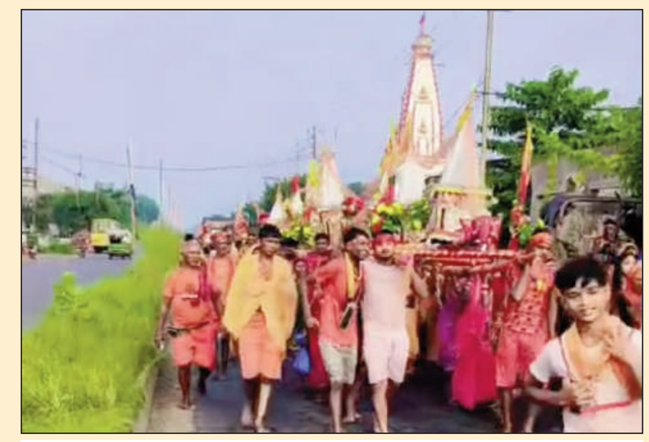

कांवर लेकर जाते शिवभक्त।

भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस दौरान जय प्रभानगर के सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु 55 फीट लंबा कांवर लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान शिव के शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित कर जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। इससे पहले रविवार को श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ जय प्रभानगर से 55 फीट का कांवर लेकर अगुवानी गंगा घाट के लिए रवाना हुए थे। रविवार शाम अगुवानी घाट पहुंचकर कांवरियों ने पवित्र गंगा जल भरा और करीब 36 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर जय प्रभानगर पहुंचे। सोमवार सुबह सभी ने शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। जलाभिषेक कार्यक्रम में पूर्व मुखिया पप्पू मारकंडे के अलावा भरत मुनि, जागो मुनि, पवन महतो, पन्नालाल मुनि, प्रवीण मुनि, मनोज ठाकुर, प्रभु मुनि, खखरू मुनि, झालो साह, लालकुन मुनि, सनोज मुनि, माला देवी, विलास मुनि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु मौजूद रहे।

अपराधियों ने युवक के साथ किया मारपीट

बेलदौर। थाना क्षेत्र की केंजरी पंचायत स्थित वार्ड नंबर 18 गवास बिन्दटोली में रविवार की देर रात एक युवक के साथ मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। घटना को लेकर गांव के ही सचिता सिंह के 28 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार ने बेलदौर थाना अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित चंदन कुमार

घायल युवक।

द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार घटना बीते रविवार की रात लगभग दस बजे की है। आरोप है कि गांव के ही धर्मनाथ सिंह का 19 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार हाथ में देसी कट्टा लेकर आया और बेवजह गाली-गलौज करने लगा। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपी ने पीड़ित के गले से सोने की चकती और हाथ में पहनी स्मार्ट घड़ी जबरन छीन ली और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों ने घायल चंदन को आनन-फानन में स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। बेलदौर थाना पुलिस ने पीड़ित के आवेदन के आलोक में नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटना की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला का हत्यारा पति ही निकला, गिरफ्तार हत्या के मामले का 24 घंटे के अन्दर उद्भेदन

खगड़िया। जिले के गोगरी थाना क्षेत्र के मलिया गांव निवासी मो अरशद मंसुरी की हत्या के मामले को पुलिस ने चौबसी घंटे के अंदर उद्भेदन करने में सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस में मृतक के महिलाके पति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार मलिया गांव निवासी मो अरषद मंसूरी द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि बच्चा को ढूंढने पत्नी के साथ जमालपुर मेला जाने के क्रम में 03 अज्ञात के द्वारा पैसा छिनने एवं विरोध करने के क्रम में पत्नी को चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भानुप्रताप सिंह निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोगरी के नेतृत्व में गठित टीम कांड के उद्भेदन 24 घंटे के अन्दर किया गया। एसपी भानुप्रताप सिंह ने कहा कि तकनीकी व मानवीय आसूचना साक्ष्य संग्रह कर कांड के उद्भेदन के कम मे चौंकाने वाले तथ्य सामने आये। उन्होने कहा कि मृतक के पति मोहम्मद अरशद मंसुरी से पुछताछ में पता चला कि उसका पत्नी के साथ लगातार झगड़ा चल रहा था तथा अपनी साली से निजी संबंध था। जिसके कारण बदला लेने की भावना से पत्नी को बगीचा में ले जाकर गला दबाया। तत्पश्चात चाकू से हमला किया। मृतिका के पति के स्वीकारोक्ति बयान के अनुसार हत्या करने में प्रयुक्त हथियार (खून लगा हुआ चाकू) पुलिस को बरामद कराया। इस संबंध में मो अरशद मंसुरी, पिता मो अब्बास, को गिरफ्तार कर अग्रिम करवाई की जा रही है।

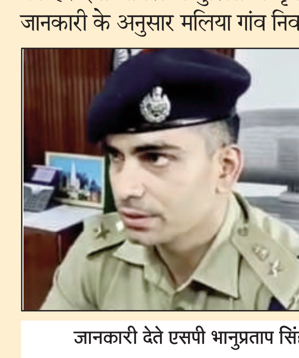

जानकारी देते एसपी भानुप्रताप सिंह।

साइबर अपराध की रोकथाम एवं प्रभावी कार्रवाई को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

खगड़िया। जिलाधिकारीविक्रम विरकर की अध्यक्षता में समाहरणालय में साइबर अपराध से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिले में साइबर अपराध की रोकथाम, लंबित मामलों में प्रभावी कार्रवाई तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने साइबर अपराध

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी व अन्य।

से जुड़े मामलों में त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान साइबर उपाधीक्षक द्वारा साइबर अपराध से बचाव को लेकर नवीनतम एवं उपयोगी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। उन्होंने विशेष रूप से "बच्चों एवं आम नागरिकों को अनलाइन फ्रड, फर्जी लिंक, संदिग्ध कल एवं मैसेज तथा अन्य प्रकार की साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने' के लिए आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी साझा की। बैठक में साइबर अपराध से बचाव के लिए नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने, संदिग्ध अनलाइन गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने तथा व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को साइबर अपराध की रोकथाम के लिए "सतर्कता, जागरूकता एवं प्रभावी समन्वय' के साथ कार्य करने तथा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

ड्रेनेज कार्य में तेजी लाने का निर्देश

सीतामढ़ी (एनएसबी)। जिले में सात निश्चयझ2 योजना अंतर्गत कराए जा रहे स्ट्रम वटर ड्रेनेज कार्य का निरीक्षण सोमवार को जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने गौशाला चौक के निकट तथा बस स्टैंड के पास शवदाह गृह रोड में योजना के तहत निमार्णाधीन नाला कार्य की अद्यतन प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में कार्य की धीमी प्रगति एवं हो रहे विलंब पर जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों को कड़ी फटकार लगाई तथा कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित बुडको के पदाधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।
जिलाधिकारी श्री सुल्तानिया ने कहा कि ह्लस्ट्रम वटर ड्रेनेज योजना शहर की जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण योजना है। इसके निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित एजेंसी पूरी क्षमता के साथ कार्य में तेजी लाए और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण योजना को निर्धारित समय में पूर्ण कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नेपाल के रौतहट जिले के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक भारतीय व्यक्ति की करंट लगने से मौत

बैरगनियाध्सीतामढ़ी (एनएसबी)। नेपाल के रौतहट जिले के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक भारतीय व्यक्ति की मौत करेंट लगने से हो गयी है। डीएसपी बसन्त गौतम ने बताया कि बिहार के पश्चमी चम्पारण जिले के बेतिया निवासी सुरेश राय के 34 बर्षीय पुत्र विकास राय को उनके परिजन गौर शहर के बीपी चौक के निकटवर्ती युवा राईज सुधार केंद्र(नशा मुक्ति केंद्र)में करीब छह माह पूर्व भर्ती कराया था।डीएसपी ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब 9 बजे मुक्ति केंद्र में मोटर के माध्यम से संचालित चापाकल को चलाने के क्रम में ही करेंट लगने से विकास बुरी तरह जख्मी हो गयी जिसे उपचार के लिए प्रादेशिक अस्पताल गौर में भर्ती कराया गया जहां इलाज के क्रम में ही उसकी मौत हो गयी है।डीएसपी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के बाद प्रादेशिक अस्पताल में रखा गया है,परिजन को सूचना दे दी गयी है आने के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव सुपुर्द कर दिया जाएगा।

श्रावण की अंतिम सोमवारी को शिवालयों में जलाभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

बैरगनियाध्सीतामढ़ी (एनएसबी)। श्रावण की अंतिम सोमवारी पर प्रखंड के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शिवालय में अहले सुबह से श्रद्धालु नर-नारियों का जलाभिषेक को लेकर तांता लगा रहा।शहर के शिवालय मंदिर, रेलवे स्टेशन रोड स्थित स्वयंभू बाबा जागेश्वरनाथ मंदिर, बौधि स्थान, गोट डूमरवाना, पचटकी यदु रोड, जमुआ, पताही, परसौनी सहित अन्य शिवालय में भक्तों को जलाभिषेक करते देखा गया है। मंदिरों को बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाया गया था तो कई स्थानों पर मेला का आयोजन भी किया गया था।

शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुयी चर्चा

सीतामढ़ी (एनएसबी)। शहर स्थित ओरियंटल मध्य विद्यालय में सोमवार को विभिन्न ट्रेनिंग कलेज से सत्र 2015-17 एवं 2016-18 में शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक का नेतृत्व संयुक्त रूप से प्रधान शिक्षक अरुण कुमार, रुपेश मिश्र एवं सर्वेश मिश्रा ने मिलकर किया। इस बैठक में प्रशिक्षण संस्थान से विरमन तिथि से ग्रेड पे (वित्तीय लाभ) प्राप्त करने के लिए माननीय उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर विचार-विमर्श हुआ। वर्तमान में सीतामढ़ी से या अन्य जिलों से इस लाभ से वंचित शिक्षकों को भी यह लाभ कैसे प्राप्त हो इस विषय पर चर्चा हुई। उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया कि अगले एक सप्ताह में जो भी शिक्षक पेटीशनर बनना चाहते हैं उनको एक मंच पर लाया जाए, इसके लिए सभी लोग एक दूसरे से संपर्क करते हुए उनको इस ग्रुप से जोड़ेंगे। साथ ही सर्वेश कुमार, अरुण कुमार एवं रूपेश मिश्र को पटना जा कर वकील से संपर्क कर जरूरी दस्तावेजों की सूची, इस पर होने वाले अनुमानित व्यय आदि पर बात करके अगली बैठक में साझा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

अवंतिका सिंधु मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस
बीएमपी आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बीएनपी-9 जमालपुर में बेसिक ट्रेनिंग कर रही ट्रांसजेंडर महिला सिपाही अवंतिका सिंधु की मौत के मामले में सोमवार को जांच तेज हो गई। मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य वजह, इसे लेकर पुलिस और विभागीय अधिकारी अलग-अलग पहलुओं की जांच में जुटे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएमपी की ट्रेनिंग आईजी एस् प्रेमलता बीएनपी-9 जमालपुर पहुंचीं। उन्होंने सबसे पहले घटनास्थल और संबंधित बैरक का निरीक्षण किया। इसके बाद बैरक में रहने वाले प्रशिक्षु सिपाहियों और प्रशिक्षकों से घटना के संबंध में पूछताछ की।आईजी ने बीएनपी-9 के समादेष्टा मिथिलेश प्रसाद से भी काफी देर तक घटना की जानकारी ली। अधिकारियों ने घटनास्थल की परिस्थितियों, प्रशिक्षण के दौरान की गतिविधियों और महिला सिपाही से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।इधर पोस्टमार्टम के बाद अवंतिका सिंधु का शव बीएनपी-9 परिसर लाया गया। यहां पिता उमाशंकर पासवान, माता इंदु देवी, भाई अरविंद कुमार, अरुण कुमार, अभिषेक कुमार और चाचा अजय पासवान के अलावा समादेष्टा, पुलिस पदाधिकारियों, बिहार पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष रूपेश कुमार समेत जवानों ने श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।बीएनपी-9 के समादेष्टा मिथिलेश प्रसाद ने कहा कि महिला सिपाही की बैरक में हुई मौत आत्महत्या है या मौत के पीछे कोई अन्य कारण है इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। फिलहाल घटना प्रथम ष्टया आत्महत्या जैसी प्रतीत हो रही है, लेकिन पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। ऐसे में मोबाइल, वीडियो, कल डिटेल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विभागीय जांच के बाद ही अवंतिका की मौत की पूरी सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

महिला सिपाही को श्रद्धांजलि देते समादेष्टा, रोते महिला सिपाही के पिता, जांच करने आईजी।

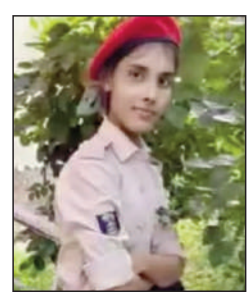

फाइल फोटो महिला सिपाही।

रौनियार वैश्य परिवार के स्वागत-सम्मान एवं कांवरिया सेवा शिविर के समापन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं समाज के गणमान्य हुए शामिल

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। रौनियार वैश्य परिवार, मुजफ्फरपुर (कांवरिया सेवा शिविर) की ओर से आयोजित स्वागत-सम्मान एवं समापन समारोह का आयोजन रविवार, 23 अगस्त 2026 को सकरी चौक स्थित मां सुमित्रा इंटरप्राइजेज के प्रांगण में किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी एवं समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए। सैकड़ों लोगों की दमदार उपस्थिति ने कार्यक्रम को उत्साहवर्धक और ऐतिहासिक बना दिया। समारोह में बिहार सरकार की पिछड़ा कल्याण मंत्री श्रीमती रमा निषाद, कुढ़नी विधायक सह पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद के सुपुत्र मुरली जी, कुम्हरार (पटना) विधायक संजय कुमार, सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, मुजफ्फरपुर नगर विधायक रंजन कुमार, मीनापुर विधायक अजय कुशवाहा, सासाराम के पूर्व विधायक राजेश कुमार गुप्ता, पटना से आए पूर्व पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार गुप्ता, एबीआरवीएमएस के राष्ट्रीय संयोजक एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक राजू गुप्ता सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा शिव भैया, राकेश जी, भोला जी, केके आजाद, रविकांत जी, आलोक आजाद, दीपक जी, असम प्रदेश से एबीआरवीएमएस के प्रदेश अध्यक्ष क्षत्रपति गुप्ता, आरवीएस दिल्ली एवं लौकहा विधानसभा प्रत्याशी दिनेश कुमार गुप्ता, मुजफ्फरपुर के मंडलीय प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता, लालगंज विधायक केदार प्रसाद, मुजफ्फरपुर नगर उपमहापौर ड़ मोनालिसा, भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, प्रसिद्ध चिकित्सक ड़ नवीन कुमार, गणपति अस्पताल के सुप्रसिद्ध सर्जन ड़ राजेश कुमार गुप्ता, पुपरी से ड़ सेतु, प्रेम बाबू, सैदपुर से शंकर प्रसाद गुप्ता, मोतीपुर से चंद्र भूषण गुप्ता एवं तेतरिया के मुखिया सुबोध कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। समस्तीपुर से रौनियार वैश्य समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार, उपाध्यक्ष सुशील कुमार, विजय जी, दीनानाथ गुप्ता, भोला प्रसाद गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों एवं गणमान्य लोगों का कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष कौशल किशोर, उपाध्यक्ष श्याम नाथ गुप्ता, रामेश्वर जी, महेश जी, किशोरी जी, लालबाबू जी, महासचिव दीपक कुमार गुप्ता उर्फ पप्पू, संगठन मंत्री नवल किशोर प्रसाद उर्फ पप्पू, भैरव जी, लक्ष्मण जी, तोष जी, कोषाध्यक्ष सुनील जी, पंकज जी, कान्हाई जी, विनोद जी, प्रवीण जी, दिनेश जी, रामबाबू जी, विजय जी, अजय जी, राजेश जी, कमल जी, गणेश कुमार साह, सुरेश जी, अमर जी, साकेत जी, रंजीत जी एवं रामनाथ जी सहित अन्य सदस्यों ने अंगवस्त्र, माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। समारोह में कांवरिया सेवा शिविर से जुड़े कार्यो और समाज की एकजुटता की सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, समाज के सदस्यों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। सैकड़ों लोगों की उपस्थिति ने समारोह को भव्य रूप प्रदान किया।

कई ट्रेनें घंटों विलंबित यात्रियों की बढ़ी परेशानी

जमालपुर (मुंगेर)। भागलपुर-जमालपुर-किउल रेलखंड पर सोमवार को कई महत्वपूर्ण ट्रेनें निर्धारित समय से विलंब से चलीं। ट्रेनों के लगातार लेट होने के कारण यात्रियों को स्टेशनों पर लंबा इंतजार करना पड़ा। खासकर लंबी दूरी की ट्रेनों के विलंब से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई।जानकारी के अनुसार विक्रमशिला एक्सप्रेस करीब 20 मिनट, भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी 20 मिनट तथा पटना-दुमका एक्सप्रेस 10 मिनट विलंब से चली। वहीं दानापुर-साहिबगंज इंटरसिटी करीब 10 मिनट और मालदा-किउल पैसेंजर 30 मिनट देर से पहुंची।इसके अलावा बांका-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस करीब 30 मिनट, विक्रमशिला एक्सप्रेस 15 मिनट, जबकि अंग एक्सप्रेस लगभग दो घंटे विलंब से चली। फरक्का एक्सप्रेस 30 मिनट, हावड़ा-जयनगर ट्रेन 40 मिनट और मालदा-पटना एक्सप्रेस करीब 50 मिनट देर से पहुंची।वहीं जयनगर-हावड़ा ट्रेन 30 मिनट तथा ब्रह्मपुत्र मेल करीब डेढ़ घंटे विलंब से चली। एक अन्य अपडेट में ब्रह्मपुत्र मेल के करीब 10 मिनट विलंब की सूचना भी दी गई।ट्रेनों के लगातार विलंब से यात्रियों को कनेक्टिंग ट्रेन पकड़ने में भी परेशानी हुई। यात्रियों ने रेल प्रशासन से ट्रेनों के परिचालन में सुधार और समयपालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

ट्रेन चढ़ते यात्री।

अंतिम सोमवारी पर भूसुरा चौक में लगाया गया कांवरिया सेवा शिविर

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। गायघाट प्रखंड के भूसुरा चौक पर गायघाट सामाजिक मंच के सौजन्य से अंतिम सोमवारी के अवसर पर कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कांवरियों एवं श्रद्धालुओं को शरबत, चाय, शुद्ध पेयजल, बिस्कुट और फल उपलब्ध कराकर सेवा की गई। सेवा शिविर के माध्यम से मंच के कार्यकताओं ने कांवरियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा। इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच सेवा भाव से खाद्य एवं पेय सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायघाट सामाजिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के साथ रंजन कुमार, सुभाष कुमार, संदीप कुमार झा, उपेंद्र कुंवर, जनक किशोर झा, जयदेव प्रसाद सिंह, पप्पू कुंवर, मुकेश महतो, रामनरेश प्रसाद सिंह, अरुण कुमार सिंह, संजीव कुमार संजू, विपीन पटेल, नितिन साह, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने सभी सहयोगियों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांवरियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है और मंच आगे भी सामाजिक सेवा के कार्यो में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत जमालपुर स्टेशन पर गिभांस कैंप

जमालपुर(मुंगेर)। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन परिसर में गिरवंश कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य रेल कर्मचारियों के बीच सतर्कता, पारदर्शिता और कार्यो के त्वरित निष्पादन के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अभियान में रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी समस्याओं एवं सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा।कैंप के दौरान कर्मचारियों की ओर से रखे गए मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई की। कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया। अधिकारियों ने कर्मचारियों से कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की। साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने और नियमों का पूरी तरह पालन करने पर जोर दिया गया।अभियान में मुख्य कल्याण निरीक्षक पंकज कुमार साह, सीआईटी सुमन शर्मा, स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार तथा सीनियर सेक्शन इंजीनियर अमोद कुमार सहित अन्य रेलकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कैंप में कर्मचारियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए सतर्कता एवं ईमानदारी के साथ रेलवे की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

कैंप उपस्थित पदाधिकारी कर्मचारी।

भूमिहीन परिवारों ने डीएम से लगाई गुहार
रेलवे की जमीन से हटाने की कार्रवाई रोकने की मांग

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। रेलवे की जमीन पर चार दशकों से रह रहे भूमिहीन एवं गरीब परिवारों को हटाने की कार्रवाई के विरोध में इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के जिलाध्यक्ष नरेंद्र तांती ने पीड़ित परिवारों के साथ जिलाधिकारी मुंगेर को आवेदन देकर तत्काल निष्कासन की कार्रवाई रोकने और प्रभावित परिवारों को स्थायी भूमि व आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। मौके पर राजद नेता मंटू यादव सहित महगठबंधन के सदस्यगण भी मौजूद थे। नरेंद्र तांती ने कहा कि मुंगेर जिले के जमालपुर रामपुर सहित अन्य रेलवे की जमीन पर कई वर्षो से अत्यंत गरीब, निर्धन एवं भूमिहीन परिवार रहकर जीवन-यापन कर रहे हैं। हाल में रेलवे विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर इन परिवारों को स्थान खाली करने की सूचना दी गई है। इससे परिवारों के सामने बेघर होने और जीवन-यापन का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाया गया तो सैकड़ों लोग खुले आसमान के नीचे आने को मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने डीएम से रेलवे विभाग की निष्कासन कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने, भूमिहीन परिवारों का सर्वे कराकर पहले स्थायी भूमि एवं आवास की व्यवस्था करने तथा पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई करने की मांग की। इधर, मामले को लेकर भूमिहीन आश्रितों ने सांसद, विधायक, जिलाधिकारी एवं नगर परिषद जमालपुर, मुख्यमंत्री बिहार सरकार तथा मुख्य कारखाना प्रबंधक, रेल इंजन कारखाना जमालपुर को भी पत्राचार कर गुहार लगाई है। आवेदकों में माला देवी, ज्ञांति देवी, गुंजा देवी, राखी देवी, प्रेमलता देवी, राकेश कुमार, सुमन कुमारी एवं सजनी देवी समेत अन्य प्रभावित परिवार सदस्य शामिल थे।

डीएम ऑफिस के समक्ष आवेदन दिखाते हुए महागठबंधन परिवार व पीड़ित लोग।

संक्षिप्त खबरें

प्रोजेक्ट उजाला के तहत आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर में परिवहन निगम के 85 बस चालक हुए लाभान्वित

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। रोटरी क्लब ऑफ मुजफ्फरपुर द्वारा डिस्ट्रिक प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट उजाला कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को इमलीचट्टी स्थित बिहार राज्य परिवहन निगम बस पड़ाव परिसर मे बस चालकों के लिए निरूशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे अखंड ज्योति आई हस्पिटल पटना के डक्टरों और मेडिकल टीम ने परिवहन निगम के 85 बस चालकों के नेत्र एवं स्वास्थ्य की जांच की। शिविर मे आए बस चालकों का मेडिकल टीम ने ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर तथा आँखों की जांच की। साथ ही उचित चिकित्साकीय सलाह दीं। जिन चालकों मे आँख से संबंधित गंभीर रोग पाए गए, उन्हें बताया गया की उनके आगे के इलाज की व्यवस्था अखंड ज्योति आई हस्पिटल पटना के सहयोग से निरूशुल्क किया जाएगा। चयनित जरूरतमंद मरीजों को अस्पताल तक ले जाने, उनके आवागमन, भोजन, रहने एवं उपचार की पूरी व्यवस्था फ्री उपलब्ध कराई जाएगी तथा उपचार के बाद उन्हें मुजफ्फरपुर लाने की भी व्यवस्था की जाएगी। मौके पर रोटरी क्लब ऑफ मुजफ्फरपुर की अध्यक्ष रूपा सिन्हा ने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम स्वस्थ चालक सुरक्षित परिवहन और सुरक्षित यात्रा एवं सुरक्षित यात्री की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान क्लब के पदाधिकारियों ने अखंड ज्योति हस्पिटल के डक्टरों व मेडिकल टीम के साथ साथ परिवहन निगम के प्रक्षेत्रीय प्रबंधक विवेक मिश्रा को सम्मानित किया वही जरूरतमंद बस चालकों को निरूशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। मौके पर रूपा सिन्हा, निशर्ग शंकर, ड एच एन भारद्वाज, सुधीर कुमार सिंहा, बी एल लाहौड़ी, रंजीत श्रीवास्तव, रजनीश कुमार रंजन श्रीवास्तव, विजत कुमार, संजय चाचान, गोपाल प्रकाश, राकेश चाचान सहित अन्य रोटेरियन उपस्थित थे।

आँख एवं स्वास्थ्य की जांच करती मेडिकल टीम।

नगर में अंतिम सोमवारी पर निकाली गईं गंगाजल कलश यात्रा

माई स्थान से गरीबनाथ धाम तक हर हर महादेव की रही गूंज

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। विश्व गौरव सनातन सेवाधार परिवार ट्रस्ट के तत्वावधान में सावन महीने के अंतिम सोमवारी पर नगर में भव्य शंगंगाजल कलश यात्राश का भव्य आयोजन किया गया। यह धार्मिक यात्रा मोतीझील स्थित माई स्थान से प्रारंभ होकर कल्याणी चौक और साहू पोखरा होते हुए बाबा गरीबनाथ धाम पहुंची। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त महिलाओं एवं बहनों ने गंगोत्री का पवित्र जल और कलश लेकर यात्रा मे शामिल हुईं। सनातम धर्म की रक्षा, जन-कल्याण और सेवा के संकल्प के साथ निकाली गई इस कलश यात्रा के दौरान पूरा मार्ग ष्हर-हर महादेवष और जयकारों से गुंजायमान रहा। बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचकर संपन्न हुईं इस यात्रा मे शामिल सभी श्रद्धांलुओं ने गंगोत्री के पवित्र जल से बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक किया और पूजा अर्चना कर सर्व मंगल की कामना की। इस यात्रा मे भाजपा के कई प्रमुख नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ साथ पूर्वी जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद पूनम सिन्हा, मिंटू शर्मा, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष ड़ मोनालिसा, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष दिवाकर शर्मा, तक्षक कुमार, रंजन कुमार ओझा, राकेश कुमार, सुनील कुमार, सुनील रंजन उर्फ बबलू सहित बड़ी संख्या मे अन्य गणमान्य लोग एवं शिवभक्त शामिल थे।

गंगाजल कलश यात्रा मे शामिल लोग।

भैरवस्थान महादेव मंदिर में उमड़ा भक्ति और आस्था का सैलाब

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। सावन मास के चौथे और अंतिम सोमवार को औराई प्रखंड स्थित ऐतिहासिक बाबा आनंद भैरव महादेव मंदिर, भैरवस्थान में भक्ति और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। मंदिर परिसर से लेकर आसपास के मार्गो तक जलाभिषेक के लिए आए श्रद्धांलुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार चौथी सोमवारी पर एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा आनंद भैरव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। बताया गया कि मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों के अलावा नेपाल के तराई क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। मंदिर प्रशासन की ओर से महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतार तथा अर्घा की विशेष व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण भैरवस्थान मंदिर के मुख्य सड़क पर लगभग दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। हालांकि प्रशासन की तत्परता के कारण जाम को जल्द नियंत्रित कर यातायात सुचारु करा दिया गया। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने मौके पर उपस्थित रहकर भीड़ को व्यवस्थित किया और श्रद्धालुओं की आवाजाही को नियंत्रित किया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कटरा इंस्पेक्टर मुकेश शर्मा, औराई बीडीओ रजनीश शंकर झा, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, सीओ धीरज कुमार समेत पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी पूरे दिन पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। औराई थाना के मिथिलेश कुमार, धीरेंद्र कुमार, अशोक शाही, विनोद सिंह और राजू कुमार सहित पुलिसकर्मियों ने भीड़ नियंत्रण में सक्रिय भूमिका निभाई। मंदिर परिसर और आसपास के मार्गो पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। स्वयंसेवकों ने भी श्रद्धालुओं की सुविधा में सहयोग किया।

` जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धांलुओं की भीड़।

मुजफ्फरपुर पश्चिमी जिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरा, संगठन मजबूत करने का संकल्प

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मोतीपुर प्रखंड में रविवार को मुजफ्फरपुर पश्चिमी कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक हुई। प्रखंड अध्यक्ष शशिकांत गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पार्टी नेताओं ने केंद्र सरकार पर महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिमी जिलाध्यक्ष पा शंकर शाही ने कहा कि देश में महंगाई चरम पर है, जिससे जनता त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार झूठ बोलकर चलाई जा रही है और देश का धन कुछ चुनिंदा लोगों के हाथों में सौंप दिया गया है। श्री शाही ने कहा कि 80 रुपये प्रति किलो चीनी खरीदना जनता के लिए मुश्किल हो गया है और वर्तमान केंद्र सरकार विकसित भारत बनाने का नारा देकर त्योहारों को भी फीका कर रही है। जिलाध्यक्ष ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत बनाने और जनता के बीच सरकार की नीतियों का पदार्फाश करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों को अगस्त तक पंचायत अध्यक्ष बनाने के अभियान को पूरा करने का निर्देश दिया। बिहार प्रदेश के पूर्व सचिव सुरेश शर्मा नीरज ने मोतीपुर चीनी मिल के मुद्दे पर बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने बरूराज विधानसभा के लोगों को चीनी मिल चालू करने का वादा करके दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है। बैठक मे मोतीपुर प्रखंड कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैठक मे संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लेते कांग्रेस के लोग।

जवइनिया के गंगा कटाव पीड़ितों का नाम गृहस्थी सूची में जोड़ने की मांग

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के बीस सूत्री अध्यक्ष अंकित पांडे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को भोजपुर के जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा से मुलाकात कर शाहपुर प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में पंकज कुमार राय उर्फ पप्पू राय एवं वार्ड सदस्य मुकेश चौधरी सहित अन्य लोग शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को सौंपे पत्र में शाहपुर प्रखंड के दामोदरपुर पंचायत अंतर्गत जविनिया गांव में गंगा नदी के कटाव से प्रभावित परिवारों का नाम गृहस्थी की सूची में जोड़ने की मांग की। पत्र में बताया गया कि पूर्व में तैयार सूची में कई पीड़ित परिवारों का नाम शामिल नहीं हो पाया है। ऐसे छूटे हुए परिवारों का नाम गृहस्थी सूची में जोड़ने की मांग की गई है। ताकि उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ मिल सके। प्रतिनिधिमंडल ने शाहपुर नगर क्षेत्र में फुटपाथी दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन बनाए जाने, शाहपुर प्रखंड अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराने तथा चिकित्सक की व्यवस्था की मांग रखी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की मशीन उपलब्ध होने के बावजूद संबंधित चिकित्सक की उपलब्धता नहीं होने से मरीजों को परेशानी है। शाहपुर प्रखंड के लालू डेरा पंचायत के माधोपुर में 180 मीटर तटबंध बनाए जाने की मांग भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी गई। प्रतिनिधिमंडल ने इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए कहा कि संबंधित क्षेत्रों के लोगों को लंबे समय से इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने प्रभावित परिवारों की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला स्तरीय टीम द्वारा जवैनिया क्षेत्र में स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराकर प्रभावित परिवारों एवं हुई गृहक्षति का समुचित आकलन सुनिश्चित किया जाए।

डीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की सक्रिय निगरानी एवं राहत कार्य जारी

नाव संचालन सहित मेडिकल कैंप एवं फसल क्षति सर्वेक्षण शुरू

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा के निर्देशानुसार जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यो के साथ-साथ आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी निगरानी कर रहे हैं। बड़हरा प्रखंड के नेकनाम टोला में आमजनों के आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नाव का संचालन किया जा रहा है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त राजस्व कर्मियों द्वारा लगातार क्षेत्र भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। बड़हरा एवं शाहपुर प्रखंड की विभिन्न प्रभावित पंचायतों में मेडिकल टीमों द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर मोबाइल मेडिकल कैंप लगाए गए, जहां आमजनों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। पशु चिकित्सकों द्वारा प्रभावित पंचायतों में जाकर पशुओं की जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार दवाइयों का वितरण किया गया। प्रभावित पंचायतों में प्रखंड .षि पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर फसल क्षति से संबंधित सर्वेक्षण किया जा रहा है। किसी भी आपात स्थिति में आमजन जिला आपातकालीन संचालन केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र संचालित है। आपात स्थिति में दूरभाष संख्या 9472398730 एवं 06182-221233 पर संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त की जा सकती है।

खबरें खास-खास

पुलिस अधीक्षक ने उदवंतनगर थाना का किया निरीक्षण

आरा (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित रविवार की रात उदवंतनगर थाना का निरीक्षण करने पहुंच गए। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों के बीच हड़कम्प मच गया। निरीक्षण के दौरान एसपी अवधेश दीक्षित ने ओडी एवं संतरी ड्यूटी पर तैनात पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों की उपस्थिति की जांच की, साथ ही थाना परिसर के स्वच्छता, कार्यालय व्यवस्था, सीसीटीएनएस प्रणाली, अभिलेखों के संधारण, अपराध नियंत्रण से संबंधित विभिन्न तख्तियों व दस्तावेजों एवं आवश्यक अभिलेखों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के उपरांत जीरो माइल में रात्रि गश्ती में तैनात पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों की उपस्थिति की जांच की। इसके अलावे नवादा थाना क्षेत्र का सघन भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इससे संबंधित पदाधिकारी को प्रभावी पुलिसिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक ने उदवंतनगर थाना का किया निरीक्षण।

भरत तिवारी के परिजनों से मिले भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस एनकाउंटर में कथित तौर पर मारे गए बिलौटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी के परिजनों से मिलने भोजपुरी फिल्म अभिनेता व पावर स्टार पवन सिंह सोमवार को अहले सुबह उनके पैतृक आवास पहुंचे। देर रात का समय होने के बावजूद पवन सिंह के पहुंचने की सूचना पर गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने भरत भूषण तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी, मां आशा देवी, बहन रूबी कुमारी, भाभी सुमन देवी और छोटे भाई चंदन तिवारी से मुलाकात कर घटना और परिवार की स्थिति की जानकारी ली। परिजनों से बातचीत के दौरान पवन सिंह ने कहा कि भरत तिवारी अकेले नहीं हैं। बल्कि वह सबके बीच हैं। उन्होंने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में परिवार के साथ हैं और आगे भी परिवार का साथ देते रहेंगे। पवन सिंह ने कहा कि भरत तिवारी न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहे थे और उन्हें न्याय दिलाने के लिए वह हरसंभव तरीके से परिवार के साथ खड़े रहेंगे। इस दौरान माहौल काफी भावुक हो गया। भरत भूषण तिवारी की बहन रूबी कुमारी ने पवन सिंह की कलाई पर राखी बांधी। राखी बांधने के बाद रूबी ने भाई के न्याय के लिए पवन सिंह से साथ देने का वचन मांगा। उन्होंने नेग में अपने भाई के लिए न्याय की मांग की। इस भावुक क्षण के दौरान वहां मौजूद परिजनों और लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों ने बताया कि पवन सिंह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भरत तिवारी के न्याय की लड़ाई में वे अकेले नहीं हैं। परिवार के सदस्यों ने कहा कि पवन सिंह ने स्पष्ट तौर पर उनके साथ खड़े रहने की बात कही है। उनके आने से परिवार को न्याय की लड़ाई में नैतिक समर्थन मिला है।

भरत तिवारी के परिजनों से मिले भोजपुरी फिल्म अभिनेता पवन सिंह ।

राखी के धागे से जुड़ा न्याय का संकल्प : भरत तिवारी की भतीजी द्वारा पवन सिंह को राखी बांधने का ृश्य मुलाकात का सबसे भावुक क्षण रहा। भतीजी ने भाई के रूप में पवन सिंह की कलाई पर राखी बांधकर नेग में अपने चाचा के लिए न्याय मांगा। इसके बाद पवन सिंह ने भी परिवार को भरोसा दिलाया कि न्याय की मांग को लेकर वह उनके साथ खड़े रहेंगे।

परिवार ने कहा-न्याय मिलने तक जारी रहेगी लड़ाई : परिजनों ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य भरत को न्याय दिलाना है। परिवार का कहना है कि न्याय की मांग को लेकर उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। मुलाकात के दौरान पवन सिंह ने परिजनों की बात गंभीरता से सुनी और उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बाबा दिनेश्वर नाथ धाम में उमड़ी आस्था

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर कोईलवर प्रखंड के गोरैया घाट स्थित प्रसिद्ध बाबा दिनेश्वर नाथ धाम में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के भोर से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में लगनी शुरू हो गई थीं। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने पहले सोन नदी में आस्था की डुबकी लगाई, उसके बाद भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को गंगाजल, सोन नदी का जल, बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प, अक्षत एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर दिनभर हर-हर महादेव और “बोल बम के जयघोष से गुंजायमान रहा।

सावन सोमवारी पर बाबा दिनेश्वर नाथ धाम में उमड़ी आस्था ।

अधिकारियों ने ज्ञानपुर गांव में बाढ़ के हालात का लिया जायजा

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। अंचल के बाढ़ प्रभावित ज्ञानपुर गांव का सोमवार को अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह एवं राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने गांव पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गांव में अभी कहीं से बाढ़ का पानी घरों में प्रवेश नहीं किया है। पटना-बक्सर फोरलेन की ओर से गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने के कारण इस रास्ते से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। ग्रामीणों की सुविधा और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अंचल प्रशासन की ओर से दो नावों की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने संबंधित राजस्व कर्मचारी एवं अंचल की आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कोईलवर अंचल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर प्रशासन की लगातार निगरानी है। जहां भी आवश्यकता होगी, वहां तत्काल राहत एवं बचाव की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार से बाढ़ के पानी की बढ़ोतरी में कुछ कमी देखी जा रही है। हालांकि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से समय रहते निपटा जा सके।

अधिकारियों ने ज्ञानपुर गांव में बाढ़ के हालात का लिया जायजा।

वैश्य समाज की एकता पर बल

पीरो (दैनिक नवसंदेश)। वैश्य चेतना समिति बिहार के तत्वावधान में अनुमंडल क्षेत्र के वैश्यों की एक बैठक में वैश्य एकता पर बल दिया गया। हरिनंदन साह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वैश्य समाज के लोगों का लगातार हो रहे शोषण, दोहन व अत्याचार पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद वैश्य चेतना समिति के संयुक्त सचिव करमू साह केशरी ने कहा कि वैश्यों की एक बड़ी आबादी होने के बावजूद एकजुटता की कमी के कारण इस समाज के लोगों को उनका वाजिब हक नहीं मिला है। वैश्य समाज अलग-अलग जातियों व वर्गो में विभाजित है जो एकमत नहीं हो पाता है, जिसका लाभ उठाकर सभी राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल करते आ रहे हैं पर उन्हें कभी उनका अधिकार दिलाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल की ओर से पहल नहीं की गई। बैठक में राम नारायण साह, सत्य नारायण साह, सतीश कुमार गुप्ता, अमित गुप्ता, चंद्रभूषण गुप्ता, जीत शर्मा, शंकर प्रसाद गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

खबरें : एक नजर में

शहर के विभिन्न जगहों पर जाकर बनाती थी रिल्स, पंखे से लटका मिला शव

आरा (दैनिक नवसंदेश)। नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ मोहल्ला अहिर टोली में सोमवार की सुबह एक महिला का शव पंखे से लटका मिला। वही परिजन द्वारा आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। जानकारी के अनुसार मृतका अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के बघउ नारायणपुर गांव निवास उमेश शर्मा की 35 वर्षीया पत्नी सरिता देवी है। वह शादी के कुछ माह बाद से ही नवादा थाना क्षेत्र के अनाईठ अहीर टोली मुहल्ला स्थित अपने मायके में रहती थी। मृतका के पति उमेश शर्मा ने बताया कि वह शादी के कुछ दिन बाद से ही अपने ससुराल में ही पत्नी के साथ रहता था। उसकी पत्नी पर शहर के अलग-अलग जगहों पर जाकर रिल्स बनाती थी और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करती थी। उसके फॉलोवर्स भी काफी ज्यादा थे। उसने बताया कि वह दिन-रात फोन पर बात करती थी। वह किससे बराबर बात करती थी। उसे नहीं मालूम है।

डूबने से किशोर की मौत

आरा/उदवंतनगर (दैनिक नवसंदेश)। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सोनपुरा गांव स्थित बाबा लंगटनाथ मंदिर के समीप पोखर में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। मृत किशोर उदवंतनगर थाना के सोनपुरा गांव निवासी धनेश सिंह का 14 वर्षीय पुत्र मोहन कुमार है।

पान-खैनी की आड़ में चल रहा था हेरोइन खरीद-बिक्री का धंधा , 122 ग्राम हेरोइन एवं 1870 रुपये नगद बरामद

आरा (दैनिक नवसंदेश)। अवैध मादक पदार्थ की बरामी को लेकर चलाए जा रहे लगातार अभियान के अंतर्गत जिले की आयर थाना पुलिस को एक अहम सफलता हाथ आई है। इसी कड़ी में आयर थाना पुलिस द्वारा छापेमारी कर एक गुमटी संचालक को गिरतार किया। तलाशी के दौरान उसके गुमटी से 122 ग्राम हेरोइन एवं 1870 रुपए नगर बरामद हुआ। गिरतार आयर थाना क्षेत्र के इसाढ़ी गांव निवासी भरोसा सिंह का पुत्र रामईश्वर सिंह है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने प्रेस नोट जारी कर दी। पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की इसाढ़ी गांव में रामईश्वर सिंह गांव में अपनी गुमटी में पान-खैनी के अलावे मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री कर रहा है। जब पुलिस उसके गुमटी के पास पहुंची, तो पुलिस को देख भागने का प्रयास करने लगा। सशस्त्र बल के सहयोग से गिरतार कर लिया गया।

जिला जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं पर सुनवाई, त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, मनेश कुमार मीणा द्वारा समाहरणालय में आयोजित जिला जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को मामलों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में 30 से अधिक आमजनों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें आवास, विद्युत, उद्यमिता एवं व्यवसाय, निवेश, परियोजना, जन्म प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड तथा कैंसर उपचार हेतु सहायता सहित अन्य विषयों से संबंधित मामले शामिल थे।

भूमि संबंधी 15 मामलों की हुई जनसुनवाई

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। अंचल कार्यालय में सोमवार को ईज अफ लिविंग कार्यक्रम के तहत आयोजित जनसुनवाई में भूमि संबंधी समस्याओं को लेकर फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अन्य दिनों की अपेक्षा सोमवार को अधिक संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अंचलाधिकारी उदय प्रताप सिंह ने एक-एक फरियादी की समस्याओं को गंभीरता से सुना। शिकायतों की संख्या अधिक होने के कारण जनसुनवाई लगातार लगभग पांच घंटे तक चली। जनसुनवाई के दौरान कुल 15 मामले सामने आए, जिनमें दाखिल-खारिज, परिमार्जन, दखल-कब्जा, सीमांकन तथा अन्य राजस्व विवाद शामिल थे।

रालोमो के प्रदेश उपाध्यक्ष ने डीएम व एसपी का किया स्वागत

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित का सोमवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात कर स्वागत किया। प्रदेश उपाध्यक्ष जागा कुशवाहा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से उनके कार्यालय में बुके भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित से उनके कार्यालय में भेंट कर उन्हें अंगवस्त्र भेंट करते हुए शुभकामनाएं दी गईं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया बिहार विद्या साथी कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्यार्थियों को मिलेगा विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन

19 मॉडल विद्यालयों में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

आरा (दैनिक नवसंदेश)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा राज्य के चिन्हित मडल विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षणिक उत्थान हेतु 'बिहार विद्या साथी' नामक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा संकल्प, लोक सेवक आवास से किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं (विज्ञान संकाय) के सभी विद्यार्थियों को लाइव शिक्षकों (विषय विशेषज्ञों) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक शंकाओं (संदेह) का समाधान प्राप्त कर अपनी अवधारणाओं (अवधारणाओं) को स्पष्ट कर सकेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों को फिलो ऐप के माध्यम से अध्यायवार नोट्स (अध्याय-वार नोट्स), विगत वर्षो के प्रश्न-पत्र (पिछले वर्षो के प्रश्न-पत्र), प्रश्न बैंक (प्रश्न बैंक) सहित समस्त अध्ययन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इसी क्रम में भोजपुर जिले से जिला पदाधिकारी, भोजपुर मनेश कुमार मीणा भी उक्त शुभारंभ कार्यक्रम से जुड़े।

भोजपुर जिले से जिला पदाधिकारी, भोजपुर मनेश कुमार मीणा भी उक्त शुभारंभ कार्यक्रम से जुड़े।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'बिहार विद्या साथी' विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक शंकाओं के समाधान के साथ-साथ विषय की अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाते हुए नियमित अध्ययन एवं अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने की दिशा में इसका उपयोग करना चाहिए। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित विद्यार्थियों को कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा डिजिटल संसाधनों का नियमित एवं प्रभावी उपयोग कर अपनी शैक्षणिक तैयारी को सुढ़ करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, जिला नोडल समन्वयक, मार्गदर्शक शिक्षक एवं जिला मुख्यालय स्थित 6 मडल विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित रहे। जिले के सभी 19 मडल विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विद्यार्थियों के बीच कराया गया।

आरएनबी पब्लिक स्कूल में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया

पीरो (दैनिक नवसंदेश)। नगर स्थित आरएनबी़ पब्लिक स्कूल में सोमवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया जहां कजरी, मल्हार व सावन गीतों पर मौजूद लोग जमकर झूमे। इस दौरान बाल कलाकारों ने अपने सुरीले व मनभावन गीतों से लोगों का मन मोह लिया। महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव धर्मेन्द्र कुमार राय, सुमन कुमारी, प्रधानाध्यापिकाकृ़ष्णा राय व निदेशक रामाशंकर राय ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यालय के अलग-अलग कक्षाओं के लगभग 50 बच्चों की सहभागिता रही। सभी बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी प्रस्तुति दी। इस दौरान चर्चित कजरी गीत पिया मेंहदी लियादअ मोतीझील से, जाके साईकिल से ना़....रेलिया बैरन पिया के लेई जाए हो, रेलिया बैरन....क़इसे खेलन जइबू सावन में कजरिया, बदरिया घिरी आई ननदी......आदि की प्रस्तुति से कार्यक्रम में शमां बंध गया। कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति के आधार पर बाल कलाकारों को विद्यालय परिवार द्वारा पुरस़्त किया गया। प्रथम पुरस्कार आराध्या द्वितीय पुरस्कार सना अख्तर तृतीय पुरस्कार मनीषा को दिया गया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय शिक्षक- शिक्षिका प्रीति कुमारी, काजल मिश्रा, कल्पना कुमारी, प्रिया कुमारी, जिज्ञासा कुमारी, जयप्रकाश, तथा प्रदीप कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आरएनबी़ पब्लिक स्कूल में सोमवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया ।

बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन की पैनी नजर सीओ ने तीन पंचायतों का किया दौरा

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। गंगा नदी का जलस्तर स्थिर होने के बावजूद शाहपुर प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी लगातार नए क्षेत्रों में प्रवेश कर रहा है। जलस्तर के स्थिर होने से जहां किसानों ने फिलहाल राहत की सांस ली है। वहीं दियारा क्षेत्र के ग्रामीणों की चिंता अभी बनी हुई है। गंगा के साथ-साथ धर्मावती नदी के आसपास की पंचायतों में भी बाढ़ का पानी गांवों के समीप पहुंच गया है। कई स्थानों पर खेतों में लगी फसलें भी पानी से प्रभावित हुई हैं। बाढ़ की स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है। सभी पंचायतों में राजस्व कर्मियों की तैनाती की गई है। ताकि बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी रियल टाइम में प्रशासन तक पहुंचती रहे। प्रखंड के कई सड़को पर अब भी बाढ़ का पानी चढ़ा हुआ है। इसी क्रम में अंचलाधिकारी आनंद प्रकाश ने सोमवार को गौरा, बहोरनपुर तथा लक्ष्ुटोला पंचायतों का दौरा कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित इलाकों में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से बातचीत कर जलस्तर, आवागमन और फसलों को हुए नुकसान की जानकारी ली। अंचलाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार गंगा नदी का पानी फिलहाल स्थिर है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर प्रभावित गांवों में नावों का परिचालन कराया जाएगा।

जलस्तर थमा, लेकिन बाढ़ का खतरा बरकरार ।

ईद-ए-मिलाद- उन-नबी को लेकर विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिवस के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित की संयुक्त अध्यक्षता में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा विभिन्न स्थलों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी सजगता एवं तत्परता के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित रहकर लगातार स्थिति पर नजर रखने तथा प्रशासन एवं पुलिस के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया। जुलूस के निर्धारित मार्ग, संवेदनशील स्थलों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखने, प्रमुख स्थलों पर एंबुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध रखने तथा अगिशमन वाहनों एवं फायर सेटी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, भीड़ वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, सुगम आवागमन एवं आपातकालीन वाहनों के लिए मार्ग को बाधामुक्त रखने को कहा गया। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रसारित होने वाली अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रशासन एवं पुलिस के बीच बेहतर समन्वय के साथ पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर जोर दिया।

प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की हुई संयुक्त ब्रीफिंग ।

मंदिरों एवं शिवालयों में उमड़ा रहा आस्था का सैलाब

आरा (दैनिक नवसंदेश)। सावन मास की अंतिम सोमवारी को लेकर शहर सहित जिले के तमाम शिवालयों में में आज सुबह से ही भक्त-श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। महिला-पुरुष भक्तों ने पूरे भक्तिभाव के साथ भगवान शंकर के शिवलिंग पर दूध एवं जल से जलाभिषेक किया। इसके बाद बेलपत्र, फूल, धतूरा, भांग व फल आदि चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। शहर के महादेवा रोड स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर, बिन टोली स्थित सिद्धनाथ मंदिर, महाजन टोली स्थित पातालेश्वर नाथ मंदिर, टाउन थाना स्थित जोड़ा मंदिर समेत सभी मंदिरों में पूजन हेतु भक्तों की भीड़ लगी रही। शहर के महादेवा रोड स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर, बिंद टोली स्थित सिद्धनाथ मंदिर में भक्तों की सुविधा के लिए पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था देखी गयी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसकी अलावे ग्रामीण इलाको के मंदिरों में भी लोगों को भारी भीड़ उमडी रही। सोमवार की शाम शहर के महादेवा मोहल्ले में सोमवारी मेले का आयोजन किया गया। मेले में सड़क के दोनों ओर मिट्टी, लकड़ी आदि से निर्मित खिलौने, नारियल के लच्छे व लड्डू की दुकाने सजी हुई थी। जहां लोग खरीदारी करते दिखे। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर जिले के विभिन्न थाना अंतर्गत मंदिरों और शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर विधि-व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद दिखी। इस दौरान सभी प्रमुख मंदिरों एवं संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ लगातार निगरानी एवं गश्ती की जा रही थी। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने हेतु प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गयी। इसके साथ ही जिला और पुलिस प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं से यह अपील की गई की सभी श्रद्धालु शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर विधि-व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

जहानाबाद में कल 24 स्थानों पर लगेगा ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविर डीएम खुद रर कॉलेज में सुनेंगी छात्रों की समस्याएं

जहानाबाद। जिला प्रशासन की अनूठी पहल पर मंगलवार, 25 अगस्त को जिले के 24 चिन्हित स्थलों पर विशेष ह्यविद्यार्थी सहयोग शिविरह्ण का आयोजन होने जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक, छात्रावास तथा अन्य संस्थागत समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान करना है। जिलाधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया स्वामी सहजानंद (एस.एस.) कॉलेज, जहानाबाद स्थित मुख्य शिविर में स्वयं मौजूद रहेंगी। वे विद्यार्थियों की शिकायतों व सुझावों को सुनकर मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगी। मुख्य शिविरः एस.एस. कॉलेज, जहानाबाद में आयोजित होगा, जहां डीएम के साथ शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया है कि छात्रों की हर समस्या का गुणवत्तापूर्ण समाधान समयसीमा के भीतर हो, ताकि उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। जिला प्रशासन ने छात्रों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर मधुश्रवा मेले में दिखी छात्रों की भीड़, छुट्टी का उठाया लाभ

मेहंदिया (एनएसबी) सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर सोमवार को मधुश्रवा धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ में स्कूली छात्र-छात्राओं की संख्या भी काफी अधिक देखने को मिली। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर प्रखंड के अधिकतर विद्यालयों में अवकाश रहने के कारण बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मधुश्रवा पहुंचे। छात्रों ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और इसके बाद मेले का आनंद उठाया।आमतौर पर नियमित पढ़ाई और विद्यालय की व्यस्तता के कारण छात्र-छात्राओं को इस तरह के धार्मिक आयोजन और मेलों में जाने का अवसर कम ही मिल पाता है। लेकिन सावन की अंतिम सोमवारी पर विद्यालयों में छुट्टी होने के कारण बच्चों के लिए यह दिन खास रहा। सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं समूह बनाकर मधुश्रवा पहुंचते देखे गए।छात्रों ने पहले पवित्र सरोवर में स्नान कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए तथा बेलपत्र, फूल और दूध आदि अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद दोस्तों के साथ मेले में घूमकर विभिन्न दुकानों पर खरीदारी की। मेले में लगी खिलौने, चाट-पकौड़े, मिठाई, श्रृंगार सामग्री सहित अन्य दुकानों पर बच्चों की विशेष भीड़ देखने को मिली।

डीएम के समक्ष छोटे बच्चे एवं अभिभावकों ने प्रदर्शन किया

अरवल (एनएसबी) जिले के 75 विद्यालयों में एनजीओ रॉयल मानव मित्र सेवा समिति द्वारा मध्याह्न भोजन सप्लाई करने का सरकारी निविदा के तहत कार्य कर रहा है। हमेशा घटिया खाना सप्लाई करने की शिकायत मिलते रही है। दाल में हरी सब्जी मिलाकर भात के साथ देने का मीनू है लेकिन दाल में सब्जी के जगह बेसन अथवा मांड मिलाकर दाल भात दिया जाता है । छात्र खाना नहीं चाहते शिक्षकों के दबाव में थोड़ा बहुत कहते हैं । घटिया खाना रसोइया

भी नहीं ले जाती। जिसके घर में जानवर होता है उसी के यहां बचा खाना जाता है। यानी खाना खाने लायक नहीं रहता है । पौष्टिक व स्वादिष्ट भोजन व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब सरकारी स्कूलों में सपना हो गया है । कोई देख रेख करने वाला नहीं है। ऊपर से नीचे तक रिश्वत पर सभी मामला रफा दफा कर दिया जाता है। अरवल के 75 स्कूलों में इतना बड़ा हादसा होते हुए बचा फिर भी अभी तक एनजीओ को कोई तलब नहीं किया गया और अभी तक कोई करवाई ही की गई। अरवल प्रखंड के गोपाल बिगहा गांव में बरसात होने से रास्ता के अभाव के कारण मध्य विद्यालय को बंद कर दिया गया है । इस विद्यालय को इंटवां मध्य विद्यालय जहाँ महज इस विद्यालय के बच्चों के लिए एक कमरा ही मुहैया कराया गया है वहाँ मर्ज कर दिया गया है । बच्चों ने शिकायत की है कि कमरा का पंखा खोल दिया गया है और बिजली का कनेक्शन भी काट दिया गया है । गोपाल बिगहा मिड्ल स्कूल में ताजन बिगहा एवं हैबतपुर के बच्चे भी पढ़ने आते हैं । बच्चों की पढ़ाई बंद हो गया है क्योंकि 4 से 5 किलोमीटर दूर इंटवां विद्यालय अवस्थित है । लिहाजा , छोटे छोटे बच्चे पढ़ने नहीं जा रहे हैं । बच्चियां भी विद्यालय नहीं जा पा रहे हैं ।वहीं अरवल सिपाह के धोबनी प्राथमिक विद्यालय को कई वर्षों से बंद कर दिया गया है। विद्यालय के लिए जमीन का अभाव दिखाकर गरीब बच्चों के पढ़ाई बंद करने की साजिश भाजपा सरकार कर रही है। जिला शिक्षा कार्यालय के दक्षिण जमीन खाली है फिर भी विद्यालय का भवन नहीं बनाया जा रहा है। इस मुद्दा को भी प्रमुखता से उठाया गया। आज छात्र व अभिभावक भाकपा माले कार्यालय से डीएम कार्यालय तक प्रदर्शन किया।

डीएम ने एक सप्ताह में विद्यालय चालू करने एवं एनजीओ पर कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

सरकारी स्कूलों में शुरू हुआ ह्यबिहार विद्या साथीह्ण ऐप, अब 24.7 मिलेगी फ्री ट्यूटर सहायता

जहानाबाद (एनएसबी)। राज्य के सरकारी मॉडल विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को अब पढ़ाई के लिए 24 घंटे व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिलेगा। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित संकल्प सभागार से वर्चुअल माध्यम से 24.7, 1:1 इंटरैक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म ह्यबिहार विद्या साथीह्ण का राज्यव्यापी शुभारंभ किया। शिक्षा विभाग और बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में तैयार इस प्लेटफॉर्म का सीधा लाभ कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिलेगा। इस अवसर पर जहानाबाद समाहरणालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला पदाधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) श्री रमेश कुमार पाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

केसरबाग खैरा मॉडल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया और इस डिजिटल तकनीक की उपयोगिता को समझा। लाइव ट्यूटर और अकसे आसान होगी पढ़ाई ह्यबिहार विद्या साथीह्ण प्लेटफॉर्म पर विद्यार्थियों को 24.7 निःशुल्क विषय विशेषज्ञों और लाइव शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलेगा। छात्र अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार शिक्षक का चयन कर सकेंगे और विषयगत शंकाओं का त्वरित समाधान पा सकेंगे। इसके अलावा, इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) आधारित टूल्स शामिल किए गए हैं, जो कठिन अवधारणाओं को समझने में मदद करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मिलेगी मदद इस डिजिटल पहल से जहानाबाद जिले के सभी 10 चयनित मॉडल विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा। यह प्लेटफॉर्म न केवल मैट्रिक और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि नीट (ठएएळ) और जेईई (खएए) जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहयोग प्रदान करेगा। जिला पदाधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयनित मॉडल स्कूलों में इस प्लेटफॉर्म का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बिहार विद्या साथी ऐप का हुआ शुभारंभ

अरवल (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना स्थित संकल्प में राज्य के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए ह्लबिहार विद्या साथीह्व 24.7, 1:1 इंटरैक्टिव डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस की उपस्थिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारियों तथा छात्र-छात्राओं द्वारा देखा गया। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को लेकर छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह एवं उमंग देखने को मिला। जिले में 05 मॉडल विद्यालय विकसित किए गए हैं। जिले के सभी 05 प्रखंडों में प्रत्येक प्रखंड में एक-एक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया गया है। इन मॉडल विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9 से 12 तक के

कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखते छात्राएं।

विद्यार्थियों को ह्लबिहार विद्या साथीह्व ऐप के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा के अतिरिक्त गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा प्राप्त होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि ह्लबिहार विद्या साथीह्व ऐप का मूल उद्देश्य मॉडल स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को विद्यालय की पढ़ाई के अतिरिक्त 24 घंटे, सातों दिन ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से छात्र-छात्राएं मेडिकल, इंजीनियरिंग समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की आसानी से तैयारी कर सकेंगे। बिहार विद्या साथीह्व प्लेटफॉर्म के माध्यम से कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को 24.7 निःशुल्क लाइव शिक्षक उपलब्ध होंगे। विद्यार्थी अपनी पसंद के शिक्षक से पढ़ सकेंगे तथा पढ़ाई के दौरान पाठ से संबंधित किसी भी समस्या का निःशुल्क एवं त्वरित समाधान प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों को अनलिमिटेड अध्ययन की सुविधा तथा एआई टूल्स के माध्यम से कॉन्सेप्ट लर्निंग की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। इस डिजिटल पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ जेईई नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समान एवं सुलभ अवसर प्रदान करना है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को विषयवार अध्ययन, शंकाओं के समाधान और बेहतर मार्गदर्शन की सुविधा उनके अनुकूल समय पर उपलब्ध हो सकेगी। लाइव प्रसारण के दौरान छात्र-छात्राओं ने ह्लबिहार विद्या साथीह्व ऐप के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी के प्रति धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। विद्यार्थियों ने कहा कि इस पहल से उन्हें विद्यालय की नियमित पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी काफी सहायता मिलेगी तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। जिला प्रशासन द्वारा इस पहल को विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी ने विद्यार्थियों को इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने तथा नियमित रूप से इसका उपयोग कर अपनी शैक्षणिक क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का जिला स्तर पर लाइव प्रसारण

छात्र-छात्राओं में दिखा उत्साह

मधुश्रवां धाम का रहा है गौरवशाली इतिहास

भक्तों का उमड़ा हुजूम।

कलेर (एनएसबी)। सावन के अंतिम सोमवारी के मौके पर मधुश्रवां मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।सोमवार की सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ लगी थी। इस मंदिर का पुराना इतिहास है। सावन माह में अरवल के अलावा औरंगाबाद, गया, भोजपुर, जहानाबाद, पटना जिले के श्रद्धालु यहां आकर भगवान शिव की पूजा करते हैं।

धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्रों में भी इसकी अपनी पहचान है। धर्म स्थली के रूप में मधुश्रवां, पंचतीर्थ, सती मंदिर, लारी, बेलसार, खटांगी, किंजर सहित अन्य धार्मिक उपासना स्थल महत्वपूर्ण है। मधुश्रवां के महेश्वरनाथ आस्था का केंद्र है। यहीं पर मधु नामक राक्षस का वध हुआ था। आज भी यहां तालाब में स्नान करने तथा बाबा भोले नाथ का दर्शन करने से लोभ, मोह, क्रोध आदि दुर्गुण नष्ट हो जाते हैं तथा दैविक शक्ति का समावेश होता है। यह धर्म स्थल एनएच 139 पर मेहंदिया से दो किलोमीटर पश्चिम की ओर अवस्थित है। पौराणिक एवं प्राचीन धर्म स्थल होने का प्रमाण धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। धार्मिक ग्रंथों एवं जनश्रुतियों के अनुसार कालांतर में ब्रह्मपुत्र भृगु मुनि गंगा नदी के तट पर तपस्या में लीन थे। उनके साथ उनकी पत्नी फूलोमा रहती थी। मुनि के स्नान करने जाने के दौरान उनकी पत्नी को एक राक्षस उठाकर आकाश मार्ग से भागने लगा। भृगुमुनि ने कुश का एक दिव्य बाण बना कर राक्षस पर छोड़ा और राक्षस घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। मुनि की पत्नी गर्भवती थी और उसने एक सुन्दर बालक को जन्म दिया। जिसका नाम च्यवन रखा गया। उसी वक्त इस पौराणिक स्थल का नामाकरण मधुश्रवां किया गया। यह भी बताया जाता है कि प्रसव काल के दौरान मुनि की पत्नी के शरीर से जो रक्तस्राव हुआ उससे वहां पर एक तालाब का निर्माण हुआ। मधुश्रवां स्थित इस तालाब के बारे में भी एक धार्मिक मान्यता है। मान्यता है कि जिस स्त्री को संतान नहीं होती है। वह अगर सच्चे मन से तालाब में स्नान कर भगवान शंकर की पूजा करती है तो उसकी सारी मनन्तें पूर्ण होती है। इतना ही नहीं उक्त तालाब में स्नान करने से कुष्ठ व चर्म रोग सहित अन्य बीमारियां भी दूर होती हैं।

मान्यता है कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र ने भी गया पिंडदान करने जाते समय पत्नी सीता के साथ यहां रुककर बाबा महेश्वरनाथ की पूजा अर्चना की थी। यहां यह भी उल्लेख है कि सावन माह में शिवभक्त पहुंचकर बाबा महेश्वरनाथ पर जलाभिषेक करते हैं।

सावन के अंतिम सोमवारी में जुटा भक्तों का हुजूम

शौचालय का दरवाजा टूटे होने के कारण मरीजों को हो रही परेशानी

कुर्था (एनएसबी)। एक ओर सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल व्यवस्था इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। तीन जिलों की सीमा से सटे क्षेत्र में स्थित होने के कारण कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन सैकड़ों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। वहीं दर्जनों मरीज विभिन्न बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती भी रहते हैं। इसके बावजूद अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सबसे गंभीर समस्या अस्पताल के दूसरे मंजिल पर बने शौचालय को लेकर सामने आ रही है। यहां शौचालय के दरवाजे नहीं होने या टूटे दरवाजे होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा में दरवाजा नहीं होने से मरीजों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। खासकर महिला मरीजों और महिला परिजनों के लिए यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। बताया जाता है कि अस्पताल के दूसरे मंजिल पर

शौचालय का टूटा दरवाजा।

इलाज के लिए भर्ती कई मरीज ऐसे हैं, जिन्हें बीमारी, कमजोरी या उम्र अधिक होने के कारण सीढ़ियों से ऊपर-नीचे आने-जाने में काफी कठिनाई होती है। ऐसे मरीजों के लिए शौचालय तक पहुंचना और उसका उपयोग करना किसी परेशानी से कम नहीं है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को जहां बेहतर इलाज और सुविधाजनक माहौल मिलना चाहिए, वहीं इस तरह की बुनियादी कमी उनकी परेशानी को और बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। कुर्था के अलावा आसपास के ग्रामीण इलाकों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए यहां पहुंचते हैं। ऐसे में अस्पताल में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और मरीजों की सुविधा से जुड़ी अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का दुरुस्त रहना बेहद जरूरी है। लेकिन शौचालय में दरवाजा तक नहीं होना अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन व संबंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल शौचालयों में दरवाजे लगवाने तथा अस्पताल की अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीज पहले से ही बीमारी और परेशानी से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में उन्हें इलाज के साथ सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना अस्पताल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। अब देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और मरीजों की सुविधा के लिए शौचालयों की व्यवस्था को कब तक दुरुस्त कराया जाता है।

बराबर श्रावणी मेला: अंतिम सोमवार को 1.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा सिद्धेश्वर नाथ का किया जलाभिषेक

जहानाबाद (एनएसबी)। सावन के अंतिम सोमवार पर ऐतिहासिक बराबर पहाड़ी स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ धाम में आस्था का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष के बीच करीब 1.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर जलाभिषेक किया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं के कड़े इंतजाम किए गए थे। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए जहानाबाद की जिला पदाधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया स्वयं देर रात बराबर पहुंचीं। उन्होंने पूरे मेला क्षेत्र, कंट्रोल रूम, पेयजल, सफाई और कतार व्यवस्था का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। डीएम ने ड्यूटी पर तैनात दंडाधिकारियों और पुलिस बल को हर हाल में चौकस रहने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

प्रशासनिक व्यवस्था की मुख्य बातें: कतारबद्ध दर्शनः मंदिर प्रांगण से लेकर प्रमुख मार्गों तक श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन की व्यवस्था की गई, जिससे भारी भीड़ के बावजूद दर्शन शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। सुरक्षा एवं निगरानीः मेला क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात रहे। कंट्रोल रूम से लगातार लाउडस्पीकर के जरिए दिशानिदेर्शों की घोषणा की जाती रही। नागरिक सुविधाएंः विभिन्न प्वाइंट्स पर चिकित्सा शिविर, शुद्ध पेयजल और लगातार साफ-सफाई की मुकम्मल व्यवस्था रही। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रशासनिक निदेर्शों का पालन करें, निर्धारित मार्ग से ही आवागमन करें और परिसर में स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दें।

देर रात जायजा लेने पहुंचीं ऊट

जनता दरबार में 18 मामलों की सुनवाई, 4 मामलों में दाखिल-खारिज और अवैध कब्जे पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जहानाबाद (एनएसबी)। आमजनों की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए समाहरणालय स्थित ग्राम प्लेक्स भवन में सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला अधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया की अध्यक्षता एवं उप विकास आयुक्त श्री आदित्य कुमार पियूष के नेतृत्व में आयोजित इस जनता दरबार में कुल 18 आवेदनों की गंभीरता से सुनवाई की गई।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी समस्याओं का समाधान ह्लसबका सम्मानझजीवन आसानह्व की मूल भावना के अनुरूप किया जाएगा। प्राप्त 18 मामलों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अवैध कब्जा, अतिक्रमण, भूमि मापी, दाखिल-खारिज, डिमांड निरस्तीकरण और जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतें शामिल थीं।

इन क्षेत्रों से आईं मुख्य शिकायतें:

मखदुमपुर अंचलः दाखिल-खारिज से जुड़े 04 मामले।

मोदनगंज एवं घोषीः अतिक्रमण, भूमि विवाद और डिमांड निरस्त करने की शिकायतें।

जहानाबाद सदरः अवैध कब्जा हटाने की मांग।

बुडको (BUDCO): बाधित जलापूर्ति को दुरुस्त करने का आवेदन।

भूमि विवादों के समाधान के लिए तय हुई समय-सीमा भूमि विवाद और अतिक्रमण के मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए बैठकों का शेड्यूल तय किया:

अंचल स्तर पर: प्रत्येक सप्ताह नियमित बैठक

अनुमंडल स्तर परः महीने में दो बार समीक्षा।

जिला स्तर परः महीने में एक बार अनिवार्य बैठक।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि राजस्व एवं पुलिस पदाधिकारी प्राथमिकता के आधार पर लंबित मामलों को सुलझाएं। किसी भी स्तर पर बेवजह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवेदकों को उनके मामले के निष्पादन की स्पष्ट जानकारी समय पर दी जाएगी। इस अवसर पर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी समेत कई अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बराबर की पहाड़ियों पर 30 अगस्त को चलेगा "हाइक अप-जीरो लिटर" स्वच्छता अभियान

जहानाबाद (एनएसबी)। वाणावर श्रावणी मेले के समापन के बाद बराबर की पहाड़ियों को स्वच्छ, सुंदर और कचरा-मुक्त बनाने के लिए जहानाबाद जिला प्रशासन द्वारा आगामी 30 अगस्त को विशेष स्वच्छता अभियान ह्लहाइक अप बराबर हिल्सझजीरो लिटर बराबरह्व आयोजित किया जाएगा। सोमवार को समाहरणालय में जिला पदाधिकारी श्रीमती छिरिङ वाई भूटिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने पूरे मेला क्षेत्र, मंदिर प्रांगण, सीढ़ी मार्ग और नौका विहार गुफा के आसपास व्यापक साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। अभियान के तहत हथिया बोर से इमलिया मोड़ तक बीडीओ मखदुमपुर, इमलिया मोड़ से मंदिर प्रांगण तक कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत मखदुमपुर तथा सीढ़ी मार्ग व संपूर्ण मेला परिसर की जिम्मेदारी अंचलाधिकारी मखदुमपुर को सौंपी गई है। 30 अगस्त को सुबह 7 बजे से शुरूआत अभियान की शुरूआत 30 अगस्त को प्रातः 7:00 बजे समाहरणालय, जहानाबाद से होगी। इसमें जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी और पंजीकृत नागरिक हिस्सा लेंगे। हाइकिंग के दौरान रास्ते में मिले कचरे को एकत्रित कर निष्पादित किया जाएगा। यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने पर जोर डीएम ने बताया कि यह पहल स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने और बराबर की ऐतिहासिक गुफाओं को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का एक प्रयास है। गूगल फॉर्म और क्यूआर कोड से करें पंजीकरण इच्छुक नागरिक प्रशासन द्वारा जारी दफउड्ढी या ऋड्ढङ्की ऋड्ढ१ के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतिभागियों के लिए बस सेवा और टोपी (कैप) की व्यवस्था रहेगी। प्रशासन ने आम जनता और युवाओं से इस अभियान से जुड़कर ह्लस्वस्थ शरीरझस्वच्छ बराबरह्व के संकल्प को सफल बनाने की अपील की है।

खबरें : एक नजर में

भदवास में ग्रामीणों की मदद से पकड़ा गया मादक पदार्थ का तस्कर

महुआ (दैनिक नवसंदेश)। महुआ थाना क्षेत्र के भदवास गांव में ग्रामीणों ने मादक मदार्थ के साथ एक धंधेबाज को पकड़कर इसकी सूचना थाना को दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मादक पदार्थ (25 डिब्बा कोटा) के साथ धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया। जिससे पुलिस पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह महुआ थाना को सूचना मिली कि भदवास

प्रेसवार्ता कर जानकारी देते एसडीपीओ।

में सरकारी गाछी के पास नशीले पदार्थ कोटा साथ एक तस्कर को ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिया गया है। इस मामले की सत्यापन को लेकर दल बल के साथ पहुंची सब इंस्पेक्टर राखी कुमारी ने पकड़े गए युवक की वीडियो ग्राफी के साथ तलाशी ली तो पॉकेट से पोलीथिन में कोटा बरामद हुई। इसके बाद पुलिस उक्त युवक को गिरफ्तार कर थाना ले गई। उक्त जानकारी एसडीपीओ सह एएसपी संजीव कुमार महुआ ने प्रेस कान्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार युवक से पूछ ताछ करने पर अपना नाम प्रियांशु कुमार पिता अरविंद राय,घर ताजपुर बुजुर्ग बताया गया है।जिसके पास से 11 ग्राम कोटा बारामरद हुआ है। इस युवक की गिरफ्तारी के बाद पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। प्रेस कान्फ्रेंस में महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद के साथ अन्य पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएचओ एवं एएनएम सम्मानित

सम्मान समारोह में प्रभारी चिकित्सा प्रभारी व अन्य स्वास्थ्यकर्मी।

वैशाली (दैनिक नवसंदेश)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वैशाली में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित टीबी उन्मूलन अभियान सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) एवं एएनएम को सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा़ सीमा सरोज ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में सीएचओ एवं एएनएम की महत्वपूर्ण भूमिका है। सम्मानित होने वालों में प्रिया कुमारी, मनमोहन बलाई, आरती प्रिया, साक्षी मधुकर सहित अन्य सीएचओ एवं एएनएम शामिल रहे। डा़ सीमा सरोज ने सभी सम्मानित स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह का सम्मान स्वास्थ्यकर्मियों का उत्साह बढ़ाता है और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने तथा टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक महिमा एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

हाजीपुर के बाबा पातालेश्वर नाथ मंदिर में हेलीकप्टर से हुई पुष्पवर्षा

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को जिले भर के शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही हर-हर महादेव के जयघोष से शिवालय गूंजते रहे। सबसे अधिक भीड़ नगर महादेव के नाम से प्रसिद्ध बाबा पातालेश्वर नाथ मंदिर में देखी गई, जहां हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने जलाभिषेक कर भगवान बाबा पतालेश्वर नाथ का आशीर्वाद लिया। श्रद्धा का आलम यह था कि सूर्योदय के ओहले से ही भक्तों की भीड़ लग गई थी।मंदिर के पट खुलते ही बेलपत्र, भांग, धतूरा और गंगाजल लेकर भक्तों की लंबी कतार लग गई।

इस बार जिला प्रशासन की ओर से शिव भक्तों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। पहली बार जिला प्रशासन के द्वारा बाबा पातालेश्वर नाथ मंदिर पर हेलीकप्टर से पुष्पवर्षा कराई गई। जैसे ही हेलीकॉप्टर मंदिर के ऊपर पहुंचा और फूलों की बारिश शुरू हुई, पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा। गुलाब की पंखुड़ियां भक्तों पर बरस रही थीं और नीचे खड़े हजारों श्रद्धालु इस अद्भुत श्य को अपने मोबाइल में कैद करने के लिए आतुर दिखे। डीएम, विधायक सहित जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहे। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने खुद मंदिर परिसर में व्यवस्था का जायजा लिया और भक्तों से शांतिपूर्ण तरीके से जलाभिषेक करने की अपील की।

डीएम वर्षा सिंह और विधायक अवधेश सिंह सहित अनेक ने पुष्प वर्षा से पहले मंदिर में भक्ति भाव के साथ

पूजन करते विधायक, डीएम व अन्य।

पूजन किये।

मंदिर परिसर में सुबह से ही मंत्रोच्चार, शिव भजन और घंटे की आवाज लगातार गूंजती रही। मन्दिर कमिटी और पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल और स्वयंसेवक तैनात थे। सीसीटीवी कैमरों से भी भीड़ पर नजर रखी जा रही थी।

मान्यता है कि बाबा पातालेश्वर नाथ मंदिर का शिवलिंग पाताल से प्रकट हुआ था, इसलिए इसे पातालेश्वर नाथ कहा जाता है। यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। खासकर श्रावण मास में यहां जल चढ़ाने का

हेलीकॉटर से मन्दिर परिसर में पुष्पवर्षा।

विशेष महत्व है। नगर महादेव होने के कारण हाजीपुर शहर के लोग इसे अपने परिवार के देवता के रूप में पूजते हैं। दिन भर जलाभिषेक और पुष्पवर्षा के बाद संध्या समय बाबा पातालेश्वर नाथ का भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा का स्वरूप इतना दिव्य लग रहा था कि जो भी भक्त देख रहा था, देखता ही रह गया। श्रृंगार के बाद रात 8 बजे बाबा की भव्य महाआरती शुरू हुई। पंडितों ने सामूहिक शंखनाद और डमरू की ध्वनि के साथ आरती की। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर नमः शिवाय और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा।

ऐतिहासिक चौमुखी महादेव मंदिर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान

वैशाली (दैनिक नवसंदेश)। सावन माह की चौथी एवं अंतिम सोमवारी पर वैशाली का ऐतिहासिक चौमुखी महादेव मंदिर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। जलाभिषेक के लिए देर रात से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। मंदिर समिति द्वारा रात्रि 12 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मंदिर का पट खोले जाने के साथ ही जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया, जो शाम तक लगातार चलता रहा। पहलेजा घाट, बसंता घाट, रेवा घाट समेत विभिन्न गंगा घाटों से पवित्र जल लेकर पहुंचे कांवरियों और श्रद्धालुओं ने घंटों कतार में खड़े होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। स्थानीय महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं की भी बड़ी संख्या मंदिर में उमड़ी।

चौमुखी महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति द्वारा इस वर्ष जलाभिषेक के लिए दो अर्घा की व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को सुगमता से जल अर्पित करने में सहायता मिली। मंदिर प्रबंधन की ओर से पेयजल, कतार व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रावणी मेले के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर के प्रधान पुजारी अमीरनाथ मिश्रा, सतीश मिश्रा, शौरव कुमार मिश्रा एवं मंदिर कमिटी के लोग सुरक्षा व्यवस्था मे लगे रहे। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंदिर परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए हाई स्कूल चौक के समीप ही दो पहिया एवं चार पहिया सहित अन्य वाहनो को रोक दिया गया था जिससे की श्रद्धालुओं को जलाभिषेक मे किसी तरह की परेशानी नही हो वही थाना अध्यक्ष राज कुमार पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था में लगे रहे।

बिजली करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गाय लाने के दौरान पानी में प्रवाहित करंट की चपेट में आया युवक, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

महनार (दैनिक नवसंदेश)। चांदपुरा थाना क्षेत्र की आजमपुर पंचायत के वार्ड संख्या 12 स्थित खड़गपुर गांव में बिजली करंट की चपेट में आने से 25 वर्षीय गुलशन ठाकुर की मौत हो गई। परिजन और ग्रामीण उसे आनन-फानन में महनार सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, गुलशन की गाय दूसरे स्थान पर चली गई थी। वह गाय को लाने गया था। इसी दौरान बिजली पोल के पास पानी में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि बिजली के तार पर बांस गिरा हुआ था, लेकिन विभाग की ओर से स्थिति की जांच नहीं की गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू की। गुलशन टोटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके पीछे पत्नी और दो बच्चियां हैं। प्रखंड प्रमुख आनंद कुमार समेत अन्य लोगों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है। कनीय विद्युत अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि बिना सूचना दिए और लाइन काटे तार जोड़ने के प्रयास के दौरान युवक करंट की चपेट में आया।

करंट लगने से युवक की मौत होने के बाद रोते बिलखते परिजन।

विधायक सिद्धार्थ ने किया नए पेट्रोल पंप का उद्घाटन

गोरौल (दैनिक नवसंदेश)। गोरौल-पटेढ़ी बेलसर सीमा पर मौना-बेलसर मार्ग में नए पेट्रोल पंप का उद्घाटन वैशाली विधायक सिद्धार्थ पटेल एवं भाजपा नेता अरविंद राय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन के मौके पर विधायक सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि इस क्षेत्र में पेट्रोल पंप नहीं रहने के कारण किसानों एवं आसपास के लोगों को पेट्रोल-डीजल के लिए साइन, जारंग एवं महमदपुर दरिया तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

अब मौना-बेलसर मार्ग पर ही पेट्रोल पंप खुल जाने से लोगों को कम दूरी में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध हो सकेगा। इसका सबसे अधिक लाभ किसानों और स्थानीय वाहन चालकों को मिलेगा। भाजपा नेता अरविंद राय ने कहा कि एक समय पेट्रोल पंप खोलने

उद्घाटन करते विधायक सिद्धार्थ पटेल व अन्य।

के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के प्रयासों से आज अधिकांश प्रमुख सड़क मार्गो पर पेट्रोल पंप की सुविधा उपलब्ध हो रही है, जिससे आम लोगों को काफी सहूलियत मिली है।

दोनों नेताओं ने प्रतिष्ठान के निदेशक दीपक कुमार को शुभकामनाएं देते हुए ग्राहकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने पर हमेशा ध्यान देने की बात कही। प्रतिष्ठान के निदेशक दीपक कुमार ने कहा कि ग्राहकों को बेहतर एवं सुविधाजनक सेवा उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उद्घाटन समारोह में सुकेश राय, संतोष यादव, वीरेंद्र राय फतहपुर, किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष त्रिविक्रम प्रसाद, उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, शंभू प्रसाद सिंह, भगवान सिंह, प्रेम कुमार निषाद, दीपक कुमार सिंह, मुखिया मुकेश गुप्ता, वीरेंद्र प्रसाद यादव सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खबरें खास-खास

मीनापुर में जलजमाव से मिलेगी राहत, अंडरग्राउंड हाई पावर पंपिंग सिस्टम का हुआ उद्घाटन

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। नगर परिषद हाजीपुर क्षेत्र के वार्ड संख्या-36 स्थित मीनापुर पोखर मामू-भांजा के समीप जलजमाव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के लिए आधुनिक हाई पावर पंपिंग सिस्टम का उद्घाटन किया गया। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह, हाजीपुर विधायक अवधेश सिंह और नगर परिषद सभापति डा संगीता कुमारी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर पंपिंग सिस्टम एवं एचडीडी तकनीक आधारित भूमिगत पाइपलाइन का कार्य शुरू कराया।

उद्घघाटन कार्यक्रम में विधायक, डीएम, सभापति।

मीनापुर पोखर के ओवरफ्लो होने के कारण बारिश के मौसम में आसपास के इलाकों में लंबे समय तक जलजमाव की स्थिति बनी रहती थी। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन सहित कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था के तहत भारी क्षमता वाले पंप के माध्यम से पोखर और आसपास जमा पानी की निकासी की जाएगी। इसके बाद पानी को भूमिगत पाइपलाइन के जरिए सीधे सीवरेज आउटफाल तक पहुंचाया जाएगा।

हाजीपुर विधायक ने कहा की कई पुलिया जाम हो गया इसलिए मामू भांजा और मीनापुर का इलाका मे जलजमाव हो जा रहा था उसी कों लेकर अब अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिये पानी कों नदी के धारा से जोड़ कर निकाला जायेगा।

नगर परिषद सभापति डा संगीता कुमारी ने कहा कि मीनापुर में जलजमाव से लोगों को चार-पांच महीने तक परेशानी होती थी और डेंगू समेत अन्य बीमारियों का खतरा रहता था। त्वरित राहत के लिए नगर परिषद ने अंडरग्राउंड पाइपलाइन हाई पावर पंपिंग सिस्टम लगाया है। मशीन दो दिन लगातार चलने पर पोखर का जलस्तर काफी नीचे आ जाएगा। जनता नगर परिषद कों कार्य करने मे सहयोग करे। नाला और स्टर्म वाटर ड्रेनेज बनने तक यह व्यवस्था राहत देगी। इस अवसर पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शंभू शाह, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राजेश रंजन झा उर्फ बबलू बाबा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

अभियंत्रण महाविद्यालय में सप्लीमेंट्री परीक्षा शुरू, परीक्षा प्रबंधन टीम सक्रिय

पहली से आठवीं सेमेस्टर तक के विद्यार्थियों की परीक्षा, प्राचार्य ने केंद्र की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

महनार (दैनिक नवसंदेश)। अभियंत्रण महाविद्यालय में सोमवार से पहली से आठवीं सेमेस्टर तक के विद्यार्थियों की सप्लीमेंट्री परीक्षा शुरू हो गई। परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई थी। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न कराने को लेकर परीक्षा केंद्र पर विशेष व्यवस्था की गई है। प्राचार्य राणा प्रताप सिंह ने परीक्षा कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और अनुशासन की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही प्राध्यापकों व कर्मियों को परीक्षा का संचालन पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से कराने का निर्देश दिया। महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार के नेतृत्व में परीक्षा का संचालन किया जा रहा है। सह-परीक्षा नियंत्रक डा. प्रितम कुमार तथा सहायक परीक्षा नियंत्रक प्रो़ संजय कुमार सहनी और प्रो़ राहुल कुमार परीक्षा व्यवस्था में सहयोग कर रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षार्थियों से निर्धारित समय पर केंद्र पहुंचने और परीक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की है।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते प्राचार्य राणा प्रताप सिंह।

शोक सभा आयोजित

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। हाजीपुर प्रखंड स्थित नैनहा गांव मैं शोक सभा आयोजित कर मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के वरीय उपाध्यक्ष हरदेव मिश्र को दीं गईं श्रद्धांजलि। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम नारायण झा एवं संचालन उमेश कुमार निराला ने किया। इस अवसर पर उमेश निराला ने कहा कि मानवाधिकार के जुझारू कार्यकर्ता एवं वैशाली जिला के वरीय उपाध्यक्ष अब हमारे बीच नहीं रहे। 102 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांसें ली । शिक्षा व मानवाधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ड जगन्नाथ मिश्र के करीबी रहे हरदेव मिश्र साहब वैशाली जिले के मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए अंतिम सांसें ली । इन्होंने मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर श्याम नारायण चौधरी जी के साथ रहकर वैशाली जिले में समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके निधन से मानवाधिकार कार्यकर्ताओं में शोक व्याप्त है । इतने लंबे समय तक स्वस्थ रहकर इन्होंने अपने जीवन को बिताया है। इस अवसर पर मिथिलेश कुमार चौधरी ,ष्ण किशोर कमल, श्याम नारायण झा, जयशंकर मिश्र, विजय शंकर मिश्र, विनय शंकर मिश्र, वीणा देवी, माला देवी, रीता देवी,चंदन कुमार झा, मुकेश कुमार झा , उज्ज्वल कुमार, विनीत कुमार, रत्नेश झा सहित अन्य लोगों ने इनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपूरणीय क्षति बताया ।

शोक सभा आयोजित।

महान आध्यात्मिक चिंतक और दर्शन के कवि थे हृदय नारायण

पटना (दैनिक नवसंदेश)। भारतीय-चेतना के यशस्वी कवि हृदय नारायण एक महान आध्यात्मिक-चिंतक और दर्शन के कवि थे। वे हिन्दी-साहित्य के विनम्र साधु-पुरुष थे। लेखन की दृष्टि से भी और आचरण-व्यवहार और व्यक्तित्व से भी। उनकी आध्यात्मिक और साहित्यिक साधना साथ-साथ चली। संसार में रहते हुए भी उन्होंने एक संत की भाँति तपस्या की और सिद्धि भी प्राप्त की। वे भारतीय दर्शन के सिद्ध व्याख्याता भी थे।

यह बातें शनिवार को साहित्य सम्मेलन में, कल्याणोदय, पटना के सौजन्य से आयोजित जयंती-सह-स्मृति सम्मान समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष के तप पर आधारित चिंतन के गर्भ से भारतीय-दर्शन का प्रस्फुटन हुआ। हमारा चिंतन सादा-जीवन और उच्च विचार का है। हमारे महान ऋषियों के मुख से निकला हमारा दर्शन मानव जीवन को विलासिता-पूर्ण नहीं, अपितु आनंद-पूर्ण और आनन्द-प्रद बनाने की शिक्षा देता है। पुण्य- लोक हृदय जी ने अपने साहित्य में इन्हीं विचारों को अभिव्यक्ति दी है। उनकी से अधिक पुस्तकों में उनका व्यापक दार्शनिक-चिंतन प्रकट हुआ है। गीता, गांधी और विवेकानंद पर उनके विशेष कार्य आज भी प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अपने साहित्य और आचरण से सिखाया कि हमें निरन्तर कर्म करना चाहिए।

शनिवार को साहित्य सम्मेलन में, कल्याणोदय, पटना के सौजन्य से आयोजित जयंती-सह-स्मृति सम्मान समारोह और कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने की। इस अवसर पर वरिष्ठ और विदुषी कवयित्री आराधना प्रसाद और युवा कवि सूर्य प्रकाश उपाध्याय को प्रज्ञ चिंतक हृदय नारायण कल्याणी स्मृति-सम्मान से विभूषित किया गया।

समारोह का उद्घाटन करते हुए, पद्मभूषण से अलंकृत चिकित्सक और पूर्व केंद्रीय मंत्री डा सीपी ठाकुर ने कहा कि हृदय नारायण जी पर महात्मा गाँधी का गहरा प्रभाव था। वे जीवन पर्यत गीता और गाँधी का अनुसरण करते रहे। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलनों में भी भाग लिया।

स्वर्गीय हृदय नारायण के चिकित्सक पुत्रों डा निगम प्रकाश नारायण, डा निर्मल प्रकाश नारायण, डा निकुंज प्रकाश नारायण, पुत्रवधु डा संगीता नारायण , सतीश चंद्र प्रसाद तथा डा शाहिद जमील ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डा निगम ने कहा कि पिताजी यह मानते थे कि साहित्य केवल ऋृंगार नहीं, सत्य की साधना है। साहित्य केवल विचारों में ही नहीं आचरण में भी लक्षित होनी चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ और विदुषी कवयित्री आराधना प्रसाद और युवा कवि सूर्य प्रकाश उपाध्याय को प्रज्ञ चिंतक हृदय नारायण कल्याणी स्मृति-सम्मान से विभूषित किया गया। अध्यक्ष और मंचस्थ अतिथियों ने उन्हें सम्मान-स्वरूप वंदन-वस्त्र, स्मृति-भेंट, प्रशस्ति-पत्र के साथ पाँच-पाँच हजार रूपए की सम्मान-राशि प्रदान की।

जयंती पर वरिष्ठ कवयित्री आराधना प्रसाद और युवा कवि सूर्य प्रकाश उपाध्याय को दिया गया स्मृति-सम्मान, कवियों ने दी गीतांजलि

इस अवसर पर, एक कवि-सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसका आरंभ चंदा मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। वरिष्ठ कवयित्री डा पूनम आनन्द, पूनम सिन्हा श्रेयसी, चित्तरंजन लाल भारती, इरफान अहमद बेलहारबी, सदानन्द प्रसाद, सुजाता मिश्र, ईं आनन्द किशोर मिश्र, इन्दुभूषण सिन्हा, आदित्य कुमार अश्क, बिन्देश्वर प्रसाद गुप्त, आदि कवियों और कवयित्रियों ने अपनी सुमधुर रचनाओं से काव्यांजलि अर्पित की। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन सम्मेलन के अर्थमंत्री ईं अशोक कुमार ने किया।

डा किरण नारायण, प्रो विनीता नारायण, शम्भूनाथ पाण्डेय, नीरव समदर्शी, कमल नयन श्रीवास्तव, डा प्रदीप कुमार सिन्हा, रूपेश कुमार, शशिभूषण रमनी, नीरा सिन्हा, सच्चिदानन्द शर्मा, अश्विनी कुमार, नवल किशोर सिंह, जीतन शर्मा समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

लोकगायिका डा. भवानी शारदे के शिव भजन सुन झूमे श्रद्धालु

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। श्रावणी मेला 2026 के अवसर पर बाँका, समाहरणालय की पर्यटन शाखा एवं कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिहार की सुप्रसिद्ध लोकगायिका डा. भवानी शारदे ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस दौरान गायिका डा. भवानी शारदे ने कई शिव भजन एवं लोक भजनों को गाकर वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया। गायिका भवानी शारदे ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत शिव भजन शिव कैलाशो के वासी धौलीधारों के राजा से की। इसके बाद इन्होंने बसहा पर भोला सवार हो जिया थर थर कांपे एवं बाबा नेने चलियऊ हमरो अपन नगरी की प्रस्तुति कर श्रद्धालुओं को झूमने नाचने पर मजबूर कर दी। कार्यक्रम के अंत में ड़ भवानी शारदे ने हम आनंदे रहबइयौ बम भोला के दरबार गाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी।इनके साथ तबला पर मिथुन कुमार शर्मा, की बोर्ड पर नंदू कुमार एवं पैड पर गुलशन कुमार ने शानदार तरीके से संगत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। कार्यक्रम की श्रोताओं ने भूरी भूरी प्रशंसा की। विदित हो कि गायिका डा भवानी शारदे बिहार की एक लब्ध प्रतिष्ठित गायिका है। इन्होंने ने अब तक बिहार के अलावा अन्य प्रदेशों में भी अपनी गायिकी का परचम लहराया है। साथ आकाशवाणी एवं दूरदर्शन, पटना के ग्रेडेड कलाकार है। हाल ही में इनके द्वारा पटना दूरदर्शन से प्रसारित कजरी गीत को दर्शकों ने काफी सराहा है।

लोकगायिका डा. भवानी शारदे के शिव भजन सुन झूमे श्रद्धालु।